- प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- सोमनाथ मंदिर अदम्य भावना का प्रतीक 11 को करेंगे दौरा -12

- एफएआई ने कहा-देश का यूरिया आयात दोगुना होकर 71.7 लाख टन पहुंचा -12

- रूस तेल आयात को लेकर ट्रंप की भारत को शुल्क बढ़ाने की चेतावनी -13

- हॉकी लीग से खुद को फिर साबित करना चाहते हैं हरजीत सिंह -14

आज का मौसम

19.0° अधिकतम तापमान

10.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.57

सूर्यास्त 05.30

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

कानपुर नगर

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

माघ कृष्ण पक्ष तृतीया 08:01 उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 6 जनवरी 2026, वर्ष 4, अंक 137, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

कन्नौज जेल से दो बंदी फरार, लापरवाही बरतने पर जेलर समेत पांच निलंबित

कार्यालय संवाददाता कन्नौज/जलालाबाद

- रविवार रात बिना गिनती बंद कर दिए गए थे कैदी, सुबह निकालते समय हुई जानकारी
- कंबल की रस्सी बनाकर फांदी 22 फीट ऊंची दीवार, दोपहर तक घटना दबाए रहा जेल प्रशासन

अमृत विचार। जिला जेल से दो विचाराधीन बंदी कंबल की रस्सी बनाकर दीवार फांदकर फरार हो गए। प्रशासन को घटना की जानकारी हुई तो हड़कंप मच गया। पूरे जिले की पुलिस को फरार बंदियों को पकड़ने में लगाया गया। सुरक्षा में लापरवाही पाए जाने पर जेलर समेत पांच जिम्मेदारों को निलंबित कर दिया गया।

तालग्राम थाना क्षेत्र के ग्राम हजरापुर निवासी अंकित पुत्र प्रेमचंद चोरी में वांछित था। उसे तमंचा समेत पकड़ कर जेल भेजा गया था। इसी तरह ठठिया थाना क्षेत्र के गांव मलिगवां निवासी डिंपी उर्फ शिवा को पॉक्सो एक्ट में पुलिस ने जेल भेजा था। यह दोनों बंदी रविवार रात फरार हो गए। जानकारी के अनुसार शाम के समय बंदी बिना गिनती के ही बैरक में भेज दिए गए थे। सोमवार सुबह जब बाहर निकालते समय गिनती की गई तो पता चला कि दो बंदी कम है। जेल प्रशासन ने खोजबीन की तो जेल की पिछली 22 फीट ऊंची दीवार से कंबल की रस्सी लटकती मिली। जेल प्रशासन दोपहर तक घटना दबाए रहा। जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री व पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार सदर तहसील में चल रहा सम्पूर्ण समाधान दिवस छोड़कर जेल पहुंचे। जिलाधिकारी ने लापरवाही पाए जाने पर जेलर विनय प्रताप सिंह एवं डिप्टी जेलर बद्री प्रसाद को कारागार मुख्यालय से निलंबित करा दिया। जेल वार्डर शिवेंद्र सिंह यादव, अतुल मिश्रा एवं नवीन कुमार के विरुद्ध भी निलंबन की कार्रवाई की गई है।

पहाड़ों में बर्फबारी ने बढ़ाई गलन, कंपकंपाया प्रदेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ।

पूर्वी उत्तर प्रदेश में 10 जनवरी तक कोहरे व सर्दी का ऑरेंज और यलो अलर्ट

- प्रदेशभर में ठंड को देखते हुए प्रमुख चौराहों और गांवों में अलाव जलाने के निर्देश
- कई शहरों में दिन में अधिकतम पारा 19 और रात में 5 डिग्री तक गिरने का अनुमान

अमृत विचार: पहाड़ों वाली सर्दी से उत्तर प्रदेश कंपकपा रहा है। पहाड़ों पर बर्फबारी के बाद उधर से होकर आ रही तेज उत्तर पश्चिमी हवा ने कंपा दिया है। मौसम विभाग का अनुमान है कि 10 जनवरी तक पूर्वी उत्तर प्रदेश में कोहरे व सर्दी का ऑरेंज से यलो अलर्ट रहेगा। राजधानी समेत प्रदेशभर में ठंड को देखते हुए जिला प्रशासन ने सभी प्रमुख चौराहों और गांवों में अलाव जलाने के निर्देश दिए है।

इस बीच विभिन्न शहरों में दिन के समय अधिकतम पारा लगभग 19 और रात में पांच डिग्री सेल्सियस तक गिरने का अनुमान है। सोमवार को कई जिलों में सुबह के समय विजिबिलिटी न के बराबर पायी गई। मौसम विभाग की ओर से जारी रिपोर्ट के मुताबिक आगामी एक हफ्ते तक कोई राहत नहीं मिलने वाली है। इस दौरान सुबह और रात के वक्त घना कोहरा छाया रहेगा। लखनऊ समेत प्रदेशभर में ठंड को देखते हुए स्थानीय जिला प्रशासन ने सभी प्रमुख चौराहों और गांवों में अलाव जलाने के निर्देश दिए हैं। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार मंगलवार को कानपुर, इटावा, बाराबंकी, हरदोई और शाहजहांपुर जैसे जिलों में न्यूनतम तापमान काफी कम रह सकता है। इन इलाकों में पारा तीन से पांच डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा, जबकि बाराबंकी, कानपुर जैसे शहरों में ठंड का असर सबसे अधिक दिख सकता है। मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिमी और तराई के कई जिलों, खासकर कानपुर, बाराबंकी और पूर्वी यूपी के कुछ हिस्सों में घना कोहरा और शीतलहर के कारण तापमान में भारी गिरावट आई है।

बाराबंकी, कानपुर, इटावा की गुजरी सबसे सर्द रात

कानपुर का न्यूनतम तापमान 3 .2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ और बाराबंकी में पारा 3 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिससे ये जिले सबसे ठंडे बने हुए हैं। मौसम विभाग ने इन क्षेत्रों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। खासकर कानपुर शहर में उत्तर पश्चिमी हवाओं के चलते रविवार को कानपुर में पारा 7 .4 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया और 3 .2 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जो इस सीजन का सबसे कम तापमान रहा। इससे पहले साल 2013 में कानपुर का रात का तापमान 1 .2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था।

न्यूज ब्रीफ

ओएनजीसी कुएं से गैस रिसाव के कारण आग लगी, कोई हताहत नहीं

मोरी (आंध्र प्रदेश)। यहां के डॉ. बीआर आंबेडकर कोनासीमा जिले में ओएनजीसी की उत्पादन इकाई दीप इंडस्ट्रीज लिमिटेड के एक कुएं में गैप पाइपलाइन के रिसाव के कारण सोमवार को आग लग गई। घटना में किसी के भी घायल होने या मौत की कोई सूचना नहीं है। गैस रिसाव और उसके बाद लगी आग के मद्देनजर, राजामुंद्री से ओएनजीसी के वरिष्ठ अधिकारी मोरी गांव पहुंचे। यहां मोरी-5 कुएं में आग लगी थी। अधिकारी ने बताया कि मोरी-5 कुआं कंपनी द्वारा करीब एक साल से संचालित किया जा रहा है।

दिल्ली विस्फोट : यासिर अहमद को 11 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली। लाल किला विस्फोट मामले के आरोपी यासिर अहमद डार को सोमवार को 11 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। कोर्ट ने पिछले साल 26 दिसंबर को डार की एनआईए हिरासत 10 दिन के लिए बढ़ा दी थी। एनआईए ने 18 दिसंबर को मामले में नौवें आरोपी डार को गिरफ्तार किया था। जम्मू-कश्मीर का रहने वाला डार आत्मघाती हमलावर उमर-उन-नबी का करीबी था, जो 10 नवंबर को लाल किले के बाहर विस्फोटकों से भरी कार चला रहा था।

सिपाही भर्ती : सभी वर्गों को मिलेगी आयु सीमा में तीन साल की छूट

योगी सरकार का बड़ा फैसला, मंत्रियों और विधायकों ने लिखा था पत्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सिपाही के 32,679 पदों पर होने वाली सीधी भर्ती में युवाओं को राहत शासनादेश जारी किया गया

अमृत विचार: प्रदेश में सिपाही भर्ती की तैयारी कर रहे लाखों युवाओं को मुख्यमंत्री योगी ने बड़ी राहत दी है। अभ्यर्थियों के हितों को प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री के निर्देश पर पुलिस विभाग में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर प्रस्तावित सीधी भर्ती-2025 के लिए सभी वर्गों को अधिकतम आयु सीमा में एकमुश्त तीन वर्ष की छूट देने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में शासनादेश जारी कर दिया गया है।

सीधी भर्ती-2025 के अंतर्गत कुल 32,679 पदों को लेकर इस महत्वपूर्ण निर्णय से लाखों युवाओं को राहत मिली है। भाजपा व सहयोगी दलों के मंत्रियों-विधायकों ने इसे लेकर मुख्यमंत्री को पत्र लिखा था। शासनादेश के अनुसार आरक्षी नागरिक पुलिस (पुरुष/महिला), आरक्षी पीएसी/सशस्त्र पुलिस (पुरुष), आरक्षी विशेष सुरक्षा बल (पुरुष), महिला बटालियन हेतु महिला आरक्षी, आरक्षी घुड़सवार पुलिस (पुरुष) तथा जेल वार्डर (पुरुष एवं महिला) पदों पर भर्ती प्रक्रिया में सम्मिलित होने वाले सभी वर्गों के अभ्यर्थियों को यह आयु शिथिलीकरण एक बार के लिए प्रदान किया जाएगा। सरकार द्वारा यह निर्णय उत्तर प्रदेश लोक सेवा (भर्ती के लिए आयु सीमा का शिथिलीकरण) नियमावली-1992 के नियम-3 के आलोक में लिया गया है। यह फैसला 31 दिसंबर 2025 को जारी भर्ती विज्ञप्ति के अनुक्रम में पांच जनवरी 2026 को जारी शासनादेश के माध्यम से लागू किया गया है, जिससे बड़ी संख्या में ऐसे अभ्यर्थियों को अवसर मिलेगा जो आयु सीमा के कारण अब तक भर्ती प्रक्रिया से बाहर हो रहे थे। पुलिस भर्ती में आयु सीमा शिथिलीकरण का यह निर्णय न केवल लाखों युवाओं की उम्मीदों को नया बल देगा, बल्कि यह भी दर्शाता है कि योगी सरकार में युवाओं का भविष्य नीति निर्धारण के केंद्र में है।

सत्ता और विपक्ष ने उठाई थी मांग

यूपी पुलिस सिपाही भर्ती में सामान्य वर्ग की आयु सीमा बढ़ाने का मुद्दा सिर्फ सत्ता पक्ष तक सीमित नहीं था। राज्यमंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना समेत भाजपा विधायक डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी (देवरिया सदर), दिनेश रावत (हैदरगढ़) और निषाद पार्टी के विधायक अनिल कुमार त्रिपाठी (मेंहदावल) ने मुख्यमंत्री योगी को पत्र लिखकर सामान्य वर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों की आयु सीमा 18-22 वर्ष से बढ़ाकर 25 वर्ष करने की मांग की थी। विधायकों का कहना था कि भर्ती में वर्षों की देरी के कारण लाखों योग्य युवा आयु सीमा पार कर चुके हैं। पीएसी और जेल वार्डर की भर्ती वर्ष 2018 के बाद न आने और पूर्व में दिए गए आयु-छूट के आश्वासन का भी उल्लेख किया था। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी कहा था कि भाजपा सरकार की लापरवाही से भर्ती में देरी हुई, जिससे कई अभ्यर्थी अयोग्य हो गए।

उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत नामंजूर

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली दंगा मामला

- सुप्रीम कोर्ट ने एक साल अपील करने पर रोक लगाई, 5 आरोपियों को बेल

शीर्ष कोर्ट ने 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश से जुड़े मामले के आरोपियों उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से सोमवार को इनकार कर दिया लेकिन भागीदारी के स्तर के क्रम का हवाला देते हुए पांच अन्य को जमानत दे दी और कहा कि मामले में सभी आरोपी एक ही पायदान पर नहीं हैं।

न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा कि खालिद और इमाम के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत प्रथम दृष्टया मामला बनता है। उसने कहा कि ये दोनों जेल में रहेंगे लेकिन अन्य आरोपियों गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, शिफा उर रहमान, मोहम्मद सलीम खान और शादाब अहमद को जमानत दी जाती है। कोर्ट ने कहा कि खालिद व इमाम गवाहों से पूछताछ हो जाने के बाद या आज से एक वर्ष बाद नए सिरे से जमानत याचिका दायर कर सकते हैं। उसने साथ ही कहा कि खालिद और इमाम की स्थिति दिल्ली दंगों के मामले में अन्य आरोपियों की तुलना में अलग है।

पीठ ने कहा कि अभियोजन पक्ष ने प्रथम दृष्टया एक केंद्रीय और निर्णायक भूमिका और घटनाजन्य और स्थानीय कृत्यों से परे योजना, लामबंदी और रणनीतिक दिशा के स्तर में संलिप्तता का खुलासा किया है। न्यायालय के अनुसार, मुकदमे में देरी कोई तुरुप का इक्का नहीं है जो वैधानिक सुरक्षा उपायों को स्वतः ही दरकिनार कर दे। पीठ ने कहा, दोष के मामले में सभी याचिकाकर्ता समान पायदान पर नहीं हैं।

दोनों आरोपियों पर है मुख्य साजिशकर्ता होने का आरोप

इमाम को नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) विरोधी प्रदर्शनों के दौरान दिए गए भाषणों के लिए 28 जनवरी, 2020 को गिरफ्तार किया गया था। बाद में अगस्त 2020 में उसे एक बड़े षड्यंत्र मामले में गिरफ्तार किया गया। खालिद को 13 सितंबर, 2020 को गिरफ्तार किया गया था। उमर, शरजील और अन्य आरोपियों पर फरवरी 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों का मुख्य साजिशकर्ता होने का आरोप है।

समुद्र की शक्ति बनेगा प्रदूषण नियंत्रण पोत 'समुद्र प्रताप'

समुद्री पोत के बारे में रक्षामंत्री को जानकारी देते तटरक्षक बल के अधिकारी।

- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 114.5 मीटर लंबे पोत को नौसेना को सौंपा
- 6,000 समुद्री मील का सफर तय कर सकता है यह पोत
- 4,200 टन वजन वाला यह पोत 22 समुद्री मील की गति से चल सकता है

पणजी, एजेंसी

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को गोवा में भारतीय तटरक्षक बल के पहले स्वदेशी रूप से डिजाइन व निर्मित प्रदूषण नियंत्रण पोत 'समुद्र प्रताप' को बल में शामिल किया। अधिकारियों ने बताया कि गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) द्वारा निर्मित 114.5 मीटर लंबे इस पोत में 60 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है।

4,200 टन वजन वाला यह पोत 22 समुद्री मील से अधिक गति से चल सकता है और 6,000 समुद्री मील का सफर तय कर सकता है। उन्होंने कहा कि यह पोत समुद्री प्रदूषण नियंत्रण नियमों को लागू करने, समुद्री कानून प्रवर्तन, खोज व बचाव कार्यों तथा भारत के विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। बल ने एक बयान में कहा कि भारत में निर्मित सबसे बड़ा और सबसे उन्नत प्रदूषण नियंत्रण जहाज समुद्र प्रताप देश की पोत निर्माण की उत्कृष्टता और स्वच्छ, सुरक्षित व आत्मनिर्भर समुद्री भविष्य के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण का प्रतीक है। इसमें उन्नत स्वचालन तथा कंप्यूटरीकृत नियंत्रण प्रणालियां लगी हैं, जो जटिल जहाज निर्माण में भारत की बढ़ती क्षमता को दर्शाती हैं।

यह अवसर भारत के महान समुद्री दृष्टिकोण से जुड़ा

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह अवसर भारत के महान समुद्री दृष्टिकोण से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा, भारत मानता है कि समुद्री संसाधन किसी एक देश की संपत्ति नहीं हैं, वे मानवता की साझी धरोहर हैं। जब धरोहर साझा होती है, तो उसकी जिम्मेदारी भी साझा होती है। यही कारण है कि आज भारत एक जिम्मेदार समुद्री शक्ति बन गया है।

पूर्व विधायक संगीत सोम को परिवार सहित बम से उड़ाने की धमकी, बांग्लादेश से आए फोन

मेरठ। सरधना सीट से पूर्व विधायक और भाजपा नेता संगीत सोम को बांग्लादेश से जान से मारने की धमकी मिली है। इस संबंध में उन्होंने सरधना थाने में शिकायत दर्ज कराई है। सोमवार सुबह करीब आठ बजे सोम के मोबाइल फोन पर धमकी भरे संदेश, फोन कॉल और वीडियो कॉल आए। इन संदेशों में उन्हें नुकसान पहुंचाने के साथ-साथ कुछ प्रमुख समाचार चैनलों को उड़ाने की धमकी दिए जाने का भी उल्लेख है। सोम ने सभी संदिग्ध मोबाइल नंबर पुलिस को सौंप दिए हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, यह मामला हाल ही में दिए गए एक बयान से जुड़ा हो सकता है। 31 दिसंबर को संगीत सोम ने 'आईपीएल फ्रेंचाइजी' द्वारा बांग्लादेश के एक खिलाड़ी को खरीदे जाने को लेकर सार्वजनिक टिप्पणी की थी।

- सरधना थाने में एफआईआर दर्ज कराई

नशा तस्करी में मादुरो अमेरिकी कोर्ट में पेश

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- ब्रुकलिन जेल से मैनहट्टन की एक अदालत में ले जाया गया

वेनेजुएला के अपदस्थ राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को मादक पदार्थों से संबंधित आतंकवाद के आरोपों में पहली बार एक अमेरिकी अदालत में सोमवार को पेश किया गया। इन आरोपों का इस्तेमाल ट्रंप प्रशासन ने उन्हें पकड़ने और न्यूयॉर्क लाने के कदम को उचित ठहराने के लिए किया था।

अब संभवतः इस बात पर एक लंबी कानूनी लड़ाई शुरू हो जाएगी कि क्या उन पर अमेरिका में मुकदमा चलाया जा सकता है। दंपति को सोमवार सुबह सशस्त्र सुरक्षा के बीच ब्रुकलिन जेल से मैनहट्टन की एक अदालत में ले जाया गया। मादुरो को ले जा रहा काफिला सोमवार सुबह करीब 7:15 बजे जेल से निकला। हेलीकॉप्टर न्यूयॉर्क बंदरगाह के ऊपर से उड़ता हुआ मैनहट्टन के एक हेलीपोर्ट पर उतरा, जहां लंगड़ाते हुए चल रहे मादुरो को एक बख्तरबंद वाहन में चढ़ाया गया।

कुछ मिनट बाद, कानून प्रवर्तन अधिकारियों का काफिला अदालत परिसर के एक गैराज के अंदर था, जो उस जगह से कुछ ही दूरी पर था जहां डोनाल्ड ट्रंप को 2024 में व्यापारिक रिकॉर्ड में हेराफेरी करने के आरोप में दोषी ठहराया गया था। मादुरो के वकीलों द्वारा उनकी गिरफ्तारी की वैधता को इस तर्क के साथ चुनौती दिए जाने की उम्मीद है कि एक संप्रभु राष्ट्राध्यक्ष होने के नाते उन्हें अभियोजन से छूट प्राप्त है।

वेनेजुएला में अमेरिकी हमले में क्यूबा के 32 अधिकारी मारे गए थे

हवाना। क्यूबा की सरकार ने स्वीकार किया कि पिछले सप्ताहांत वेनेजुएला में हुए अमेरिकी सैन्य अभियान के दौरान उसके 32 अधिकारी मारे गए हैं। क्यूबा के सरकारी टेलीविजन पर रविवार रात जारी एक बयान के अनुसार देश के सैन्य और पुलिस अधिकारी एक अभियान पर थे और यह अभियान वेनेजुएला की सरकार के अनुरोध पर अंजाम दिया जा रहा था।

जयंती कार्यक्रम

पूर्व मुख्यमंत्री व राज्यपाल कल्याण सिंह की 94वीं जयंती पर अर्पित किए श्रद्धासुमन

राम के लिए सत्ता छोड़ दी, इतिहास बदल दिया : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

पूर्व मुख्यमंत्री के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद लोगों को संबोधित करते सीएम योगी।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राम जन्मभूमि आंदोलन जब अपने निर्णायक मोड़ पर था, तब पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह ने सत्ता बचाने की बजाय प्रभु श्रीराम के प्रति अपने कर्तव्य को सर्वोपरि रखा। 'बाबू जी' ने रामभक्तों और पूज्य संतों की भावनाओं का सम्मान करते हुए सत्ता के बलिदान में कोई संकोच नहीं किया। सरकार चली गई, लेकिन इतिहास बदल देने वाला निर्णय उन्होंने पूरे साहस और जिम्मेदारी के साथ लिया।

पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यपाल रहे कल्याण सिंह की 94वीं जयंती पर सोमवार को आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सत्ता क्षणिक होती है, लेकिन राष्ट्र और संस्कृति के लिए लिए गए निर्णय पीढ़ियों तक दिशा तय करते हैं। कल्याण सिंह का जीवन इसी सत्य का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने अपने नाम को उत्तर प्रदेश के 'कल्याण' के साथ जोड़कर न केवल सार्थक किया, बल्कि उसे सुशासन और राष्ट्रवाद की पहचान बना दिया। योगी ने कहा कि कल्याण सिंह प्रदेश में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री थे। वर्ष 1991 में जब बागडोर संभाली, तब प्रदेश अव्यवस्था, अराजकता, गुंडागर्दी और आतंकी गतिविधियों से जूझ रहा था। गांवों, गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं तक शासन की योजनाएं नहीं पहुंच पा रही थीं। एक ओर प्रशासनिक कुव्यवस्था थी, तो दूसरी ओर 500 वर्षों की गुलामी का प्रतीक हिंदू समाज की आत्मा को मथ रहा था। ऐसे कठिन समय में 'बाबू जी' ने सत्ता की परवाह किए बिना सुशासन और राष्ट्रवादी चेतना को प्रदेश की राजनीति का केंद्र बनाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिस क्षण कल्याण सिंह ने सत्ता की बजाय श्रीराम को चुना, उसी क्षण उन्होंने स्वयं को इतिहास में अमर कर लिया।

'बाबू जी' ने जन-जन को दिलाया भाजपा का विश्वास

सीएम ने कहा कि उन्होंने पहली बार भाजपा की सरकार की कमान अपने हाथ में ली थी। जब उन्होंने कार्य शुरू किया तो कुछ ही महीने में प्रदेशवासियों के यह विश्वास होने लग गया था कि उग्र सुशासन की ओर चलकर विकास के नए सोपान को चुनेगा, लेकिन उन्हें अस्थिर करने की साजिशें होने लगी।

अमृत विचार

कानपुर, मंगलवार, 6 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

यूट्यूबर अनुराग द्विवेदी की 27 करोड़ की संपत्ति जब्त

अमृत विचार, लखनऊ : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कोलकाता क्षेत्रीय कार्यालय ने अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए से जुड़े धनशोधन मामले में

बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने 31 दिसंबर और 1 जनवरी को दिल्ली, मुंबई, सूरत, लखनऊ और वाराणसी में कुल 9 स्थानों पर छापेमारी की। ये सभी परिसर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और यूट्यूबर अनुराग द्विवेदी से जुड़े हैं। ईडी ने यूट्यूबर अनुराग द्विवेदी की करीब 27 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त कर ली है। ईडी के अनुसार, यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत की गई। तलाशी के दौरान अनुराग द्विवेदी की दो लग्जरी कारें—लैंड रोवर डिफेंडर और बीएमडब्ल्यू जेड4 को जब्त/फ्रीज कर दिया गया। इसके अलावा कई आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल उपकरण भी बरामद किए गए हैं। ईडी ने इसके पहले 17 दिसंबर 2025 को ईडी ने लखनऊ, उन्नाव और दिल्ली में अनुराग द्विवेदी से जुड़े 10 ठिकानों पर छापा मारा था। उस दौरान लेम्बोर्गिनी उरुस, मर्सिडीज, फोर्ड एंडेवर और थार समेत चार महंगी गाड़ियां जब्त की गई थीं। साथ ही करीब 20 लाख रुपये नकद, आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल डिवाइस भी बरामद हुए थे।

शराब तस्करी गैंग का सरगना गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : अंतरराज्यीय शराब तस्करी करने वाले गिरोह के सरगना और प्रयागराज से एक लाख रुपये के इनामी आरोपी को एसटीएफ ने पंजाब से गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी नवदीप सिंह उर्फ नवी ग्रेवाल उर्फ लकी सिंह पर प्रयागराज कमिश्नरेट के नवाबगंज थाने में एफआईआर दर्ज है। एसटीएफ के डिप्टी एसपी शैलेष कुमार सिंह के अनुसार, 4 जनवरी को नवदीप सिंह को पंजाब के मोहाली स्थित सिटी इन्क्लेव जिरखपुर से गिरफ्तार किया गया है। उस पर नवाबगंज थाने में दर्ज तस्करी के मामले में एक लाख रुपये का इनाम घोषित था। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसका एक संगठित गिरोह है, जो हरियाणा निवासी अपने साथी मनवीर सिंह उर्फ मन्नू तथा अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर वर्षों से अवैध शराब की तस्करी कर रहा था। एसटीएफ के अनुसार, वर्ष 2023 में प्रयागराज में भारी मात्रा में अवैध शराब से भरे ट्रक को एसटीएफ ने पकड़ा था, जिसमें चालक को गिरफ्तार किया गया था, जबकि नवदीप सिंह फरार चल रहा था।

डी-रेगुलेशन 1.0 में यूपी को प्रथम स्थान

अमृत विचार, लखनऊ : देशभर में व्यापारिक प्रक्रियाओं को अधिक सरल, पारदर्शी एवं निवेश-अनुकूल बनाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार की ओर से सभी राज्यों के लिए 23 प्रमुख प्राथमिक क्षेत्रों को चिह्नित किया गया था। इन सुधारों के प्रभावी क्रियान्वयन में उत्तर प्रदेश ने अग्रणी भूमिका निभाते हुए राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। केंद्र सरकार के डी-रेगुलेशन 1.0 कार्यक्रम के अंतर्गत की गई राज्य-वार रैंकिंग के अनुसार उत्तर प्रदेश ने प्रथम स्थान हासिल किया है। यह मूल्यांकन भूमि, भवन एवं निर्माण, श्रम, यूटिलिटीज और अनुमतियों सहित पांच प्रमुख क्षेत्रों में विस्तारित 23 प्राथमिक सुधार क्षेत्रों के प्रभावी कार्यान्वयन पर आधारित था, जिनमें समग्र सुधार प्राथमिकताओं को भी शामिल किया गया। मालूम हो कि उत्तर प्रदेश देश का प्रथम राज्य है, जिसने सभी 23 प्राथमिक क्षेत्रों को समग्र एवं पूर्ण रूप से लागू किया है।

छह जिलों में घुसपैठियों को चिह्नित करने में जुटी एटीएस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- फर्जी दस्तावेजों पर बनवाए पासपोर्ट, घुसपैठ कराने वाले सिंडीकेट के सदस्यों की हो रही छानबीन

अमृत विचार: आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा बने घुसपैठियों ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर पासपोर्ट तक बनवा लिया है। इस मामले की जांच एटीएस ने शुरू कर दी है। एटीएस के निशाने पर अलीगढ़, सहारनपुर, बरेली, मेरठ, लखनऊ, कानपुर समेत अन्य संवेदनशील जिले हैं। बांग्लादेशियों व रोहिंग्या की घुसपैठ कराने वाले सिंडीकेट के कुछ सदस्यों व उनकी मददगारों की भी छानबीन नए सिरे से शुरू की गई है। खासकर घुसपैठियों को कूटरचित आधार कार्ड व फर्जी दस्तावेजों के जरिए पासपोर्ट उपलब्ध कराने वाले मददगारों की भी तलाश की जा रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कुछ दिन पहले प्रदेश में घुसपैठियों की छानबीन व उन्हें वापस भेजने के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया था। घुसपैठियों की पहचान के लिए अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग किए जाने के साथ ही उन्हें रखने के लिए डिटेंशन सेंटर स्थापित किए जाने की प्रक्रिया भी चल रही है। डिटेंशन सेंटरों में कड़े सुरक्षा प्रबंधों को लेकर भी विस्तृत निर्देश दिए गए हैं। डिटेंशन सेंटर में घुसपैठियों की विस्तृत बायोमेट्रिक प्रोफाइल तैयार करने की भी योजना है। एटीएस ने दो वर्ष पहले घुसपैठियों को फर्जी दस्तावेज उपलब्ध कराने वाले सिंडीकेट के कई सदस्यों को गिरफ्तार किया था। सिंडीकेट के तार दिल्ली व अन्य राज्यों से भी जुड़े पाए गए थे।

योगी ने मोदी को भेंट किया श्रीराम मंदिर मॉडल

दो किलो सोना-चांदी की दुर्लभ कृति, 108 दिनों में शिल्पकार कुंज बिहारी ने किया तैयार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को राजधानी दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गुलाबी मीनाकारी से निर्मित भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर की अनुकृति भेंट की। यह भेंट केवल शिष्टाचार नहीं, बल्कि काशी की पारंपरिक हस्तकला, सनातन आस्था और 'वोकल फॉर लोकल' के संदेश को एक साथ प्रस्तुत करने वाला सांस्कृतिक प्रतीक बन कर उभरी।

दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी को राम मंदिर का मॉडल भेंट करते मुख्यमंत्री योगी।

अयोध्या में श्रीराम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर शिल्पकार कुंज बिहारी सिंह द्वारा निर्मित यह कलाकृति गुलाबी मीनाकारी की शिखर अभिव्यक्ति मानी जा रही है। अनुकृति में लगभग 2 किलोग्राम सोना और चांदी का प्रयोग हुआ है, जबकि सजावट में हीरे भी जड़े गए हैं। इसमें 108 भाग हैं और इसे 108 दिनों में तैयार किया गया। निर्माण अवधि के दौरान 108 दिनों तक निरंतर रामधुन का जाप किया गया। स्वर्ण से निर्मित भगवान श्रीराम, कमल और धनुष-बाण की प्रतीकात्मक आकृतियां, चार शिखरों पर जड़े हीरे और भीतर की प्रकाश व्यवस्था, सब मिलकर सनातन परंपरा में 108 के महत्व को सजीव रूप देते हैं।

यूपी कैबिनेट में जल्द हो सकता बड़ा फेरबदल

मुख्यमंत्री ने दिल्ली जाकर की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह, नड्डा व नबीन से मुलाकात

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- परफॉर्मेंस के आधार पर 'आउट' की तैयारी, नए चेहरों की 'एंट्री' तय

अमृत विचार : मकर संक्रांति के बाद प्रदेश की राजनीति में बड़े बदलाव की पटकथा लिखी जा चुकी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सोमवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और निवर्तमान अध्यक्ष जेपी नड्डा से हुई मुलाकात के बाद यह साफ संकेत मिल रहे हैं कि मंत्रिमंडल विस्तार सिर्फ विस्तार नहीं, शुद्धिकरण भी होगा। पूरे मामले में गृह मंत्री अमित शाह के यहां से परफॉर्मेंस के आधार पर 'आउट' और नए चेहरों की 'एंट्री' वाले नामों की सूची आखिरी क्षण में लखनऊ आएगी। योगी ने देर शाम शाह से भी मुलाकात की।

मकर संक्रांति के बाद योगी सरकार नए तेवर में दिख सकती है। यह विस्तार नहीं, रणनीतिक री-लॉन्च होगा। सूत्रों के मुताबिक, इस बार कसौटी वरिष्ठता नहीं, सख्त परफॉर्मेंस है। जिन विभागों में योजनाओं की गति सुस्त रही, जनशिकायतें बढ़ीं या फील्ड फीडबैक कमजोर रहा, उनकी कुर्सी पर खतरा माना जा रहा है। वहीं, जिन मंत्रियों ने कानून-व्यवस्था, निवेश, इंफ्रास्ट्रक्चर और जनकल्याण में ठोस नतीजे दिए, वे सुरक्षित हैं। कुछ को अतिरिक्त जिम्मेदारी भी मिल सकती है।

राजनीतिक हलकों में यह भी चर्चा है कि शीर्ष नेतृत्व सरकार को और आक्रामक, चुनाव-रेडी और ग्राउंड-कनेक्टेड बनाना चाहता है। पश्चिमी यूपी, पूर्वांचल, बुंदेलखंड और तराई चारों दिशाओं में क्षेत्रीय असंतुलन साधने पर खास ध्यान है। साथ ही, गैर-यादव ओबीसी, दलित और महिला प्रतिनिधित्व बढ़ाने की तैयारी है।

गृह मंत्री अमित शाह से भेंट के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

भाजपा के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से मिलते मुख्यमंत्री योगी।

मंत्रियों का रिपोर्ट कार्ड तैयार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि पद स्थायी अधिकार नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व है। इसी लाइन पर मंत्रियों का रिपोर्ट कार्ड तैयार हुआ है। योजनाओं की डिलीवरी, जिलों से फीडबैक, जनसुनवाई और मीडिया-पब्लिक परसेप्शन सब शामिल है। संदेश साफ है कि परिणाम लाओ या रास्ता दो।

संगठनात्मक संतुलन व क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व पर जोर

भाजपा नेतृत्व मंत्रिमंडल को संगठन के साथ एक-सुर में लाने की रणनीति पर है। क्षेत्रीय असंतोष दूर करने और सामाजिक समीकरण साधने के लिए नए चेहरों को मौका, वहीं कमजोर कड़ियों को बाहर किया जा सकता है। मंत्रिमंडल में बने रहने की शर्तें हैं डिलीवरी, ग्राउंड प्रेजेंस और जनविश्वास।

एंबुलेंस व एनएमएमयू सेवा के लिए दो अरब का बजट जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में दूर-दराज क्षेत्रों के गंभीर मरीजों और सड़क दुर्घटनाओं में घायल लोगों को समय से सरकारी अस्पतालों तक पहुंचाने के उद्देश्य से संचालित निःशुल्क एंबुलेंस सेवा, एएलएस एंबुलेंस एवं नेशनल मोबाइल मेडिकल यूनिट (एनएमएमयू) सेवा के संचालन के लिए राज्य सरकार ने दो अरब रुपये का बजट स्वीकृत कर दिया है। बजट जारी होने से इन सेवाओं गति मिलने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। मोबाइल यूनिट को लेकर उठ रहे सवालों पर विराम लग गया है।

स्वास्थ्य विभाग से जुड़ी इन महत्वपूर्ण सेवाओं के लिए बजट न मिलने के कारण विशेष रूप से नेशनल मोबाइल मेडिकल यूनिट के संचालन पर संकट के बादल मंडरा रहे थे। जानकारी के अनुसार, नेशनल मोबाइल मेडिकल यूनिट ने बीते नवम्बर माह में अनुबंध के तहत अपने तीन वर्ष पूरे कर लिए थे। अनुबंध के नवीनीकरण और बजट जारी न होने के कारण न केवल सेवा के बंद होने की आशंका जताई जा रही थी, बल्कि इससे जुड़े कर्मचारियों को बीते दो माह से वेतन भी नहीं मिल रहा था। अब दो अरब रुपये का बजट स्वीकृत होने से नेशनल मोबाइल मेडिकल यूनिट के पुनः नवीनीकरण की संभावनाएं प्रबल हो गई हैं।

यूपीनेडा में अस्थायी 88 पदों को स्थायी करने की स्वीकृति, शासनादेश जारी

- ऊर्जा परियोजनाओं के संचालन और निगरानी को मिलेगी मजबूती

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (यूपीनेडा) में लंबे समय से अस्थायी रूप से संचालित 88 पदों को स्थायी करने की स्वीकृति दे दी है। इस संबंध में सोमवार को शासनादेश जारी कर दिया गया है। शासन के इस निर्णय से यूपीनेडा में मानव संसाधन की स्थिरता सुनिश्चित होगी और प्रदेश में संचालित नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को मजबूती मिलेगी।

शासनादेश के अनुसार, यूपीनेडा के अंतर्गत विभिन्न श्रेणियों में अस्थाई 88 पदों के स्थाई होने से अब कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों को वेतन, भत्ते, मंहगाई भत्ते एवं अन्य देयक शासन द्वारा समय-समय पर जारी नियमों के अनुसार दिए जाएंगे। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि इन पदों के स्थायी होने से विभागीय कार्यों में निरंतरता बनी रहेगी और परियोजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली प्रशासनिक अड़चनें दूर होंगी।

शासनादेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि इन पदों से संबंधित व्यय पूर्व में स्वीकृत बजटीय प्रावधानों के अंतर्गत ही वहन किया जाएगा। इसके लिए किसी अतिरिक्त वित्तीय स्वीकृति की आवश्यकता नहीं होगी। शासन ने संबंधित विभागों और अधिकारियों को आदेश के अनुपालन के निर्देश भी जारी कर दिए हैं। सरकार के इस फैसले को यूपीनेडा के प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने और प्रदेश में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र को नई गति देने वाला अहम कदम माना जा रहा है।

इन पदों को मिली स्वीकृति

शासनादेश के तहत जिन पदों को स्थायी किया गया है, उनमें निदेशक, सचिव एवं मुख्य परियोजना अधिकारी, वरिष्ठ परियोजना अधिकारी, वरिष्ठ सहायक, वरिष्ठ लिपिक, कनिष्ठ लिपिक और चतुर्थ श्रेणी के पद शामिल हैं।

पुलिस मुठभेड़ में एक लाख का इनामी ढेर

अमृत विचार, लखनऊ : सुलतानपुर के लम्भुआ में सोमवार तड़के पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। सुल्तानपुर व लखीमपुर खीरी की संयुक्त टीम को एक लाख के इनामी के इलाके में छिपे होने की सूचना थी। घेराबंदी के दौरान पुलिस टीम पर फायरिंग की गई। जवाबी कार्रवाई में एक लाख के इनामी तालिब उर्फ आजम खां को गोली लगी। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

पुलिस के अनुसार, 5 जनवरी को सूचना मिली थी कि लखीमपुर खीरी के फरधान गौरिया का तालिब उर्फ आजम खां लम्भुआ इलाके में छिपा है। लखीमपुर खीरी पुलिस की सूचना पर सुल्तानपुर पुलिस ने संयुक्त टीम बनाकर चिह्नित स्थान पर पुलिस ने घेराबंदी की। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, तालिब उर्फ आजम खां पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित था और उसके खिलाफ विभिन्न थानों में कुल 17 आपराधिक मुकदमे दर्ज थे।

माघ मेले में शुरू हुई प्रयाग की पंचकोसी परिक्रमा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/प्रयागराज

- त्रिवेणी के तट पर पूजन के साथ शुरू हुई पांच दिवसीय सनातन परंपरा

अमृत विचार: माघ मेले के पावन अवसर पर प्रयाग की सनातन परंपरा, आस्था और सांस्कृतिक चेतना की प्रतीक पंचकोसी परिक्रमा की त्रिवेणी संगम के तट पर गंगा पूजन के साथ सोमवार को शुरुआत हुई। परिक्रमा का नेतृत्व अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद और श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा के प्रमुख संतों व प्रतिनिधियों ने किया।

संगम में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच गंगा पूजन के बाद साधु-संतों का जत्था अक्षयवट और आदि शंकर विमान मंडपम मंदिर के दर्शन के लिए रवाना हुआ। इसके साथ ही पंचकोसी परिक्रमा के पहले दिन का विधिवत समापन हुआ।

अकबर ने रोकी थी परंपरा, योगी ने कराया शुरू : अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी ने बताया कि लगभग 556 वर्ष पूर्व मुगल शासक अकबर के शासनकाल में इस परंपरा पर रोक लगा दी गई थी। साधु-संतों की निरंतर मांग के फलस्वरूप योगी सरकार ने वर्ष 2019 में पंचकोसी परिक्रमा को पुनर्जीवित किया।

त्रिवेणी संगम के तट पर गंगा पूजन के साथ पंचकोसी परिक्रमा की शुरुआत करते अखाड़ों के साधु-संत, साथ में अन्य।

यूरोपीय और खाड़ी देशों में निर्यात क्षमता बढ़ाने की तैयारी में यूपी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- दुबई के गल्फ फूड और बर्लिन के फ्रूट लॉजिस्टिका में प्रदेश के पांच निर्यातक और एफपीओ प्रदर्शित करेंगे उत्पाद

अमृत विचार : यूरोपीय और खाड़ी देशों में उत्तर प्रदेश कृषि उत्पादों के निर्यात की क्षमता बढ़ाएगा। इन देशों में पकड़ बनाने के लिए दुबई में गल्फ फूड-2026 और जर्मनी के बर्लिन में फ्रूट लॉजिस्टिका-2026 में प्रदेश प्रतिभाग करेगा। इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में 190 देशों के समक्ष फल, सब्जी और इनसे बने खाद्य पदार्थ प्रदर्शित करके निर्यात के लिए एमओयू किया जाएगा।

26 से 30 जनवरी तक दुबई में गल्फ फूड-2006 और 4 से 6 फरवरी को बर्लिन में फ्रूट लॉजिस्टिका-2026 आयोजित होगा। इस आयोजन में कृषि विभाग, उद्यान विभाग और कृषि विपणन एवं विदेश व्यापार निदेशालय के उच्च अधिकारियों के साथ प्रदेश के पांच निर्यातक और किसान उत्पादक संगठन (एपीओ) जाएंगे। निर्यातक और उत्पाद कृषि उत्पाद और उससे बने खाद्य पदार्थों को स्टॉल के माध्यम से प्रदर्शित करेंगे। इसमें बासमती, आम, तिल, शहद, आलू समेत रेडी टू ईट खाद्य पदार्थ खास होंगे। क्रेता को प्रदेश में होने वाले उत्पाद, उनकी विशेषता, फायदे, जीआई से पहचान करना और दाम आदि बताएंगे। आपस में सहमति बनने पर विभाग द्वारा निर्यात के लिए एमओयू किया जाएगा।

चयनित किए जाएंगे निर्यातक और एफपीओ : कार्यक्रम की जिम्मेदारी कृषि विपणन एवं विदेश व्यापार निदेशालय को सौंपी गई है। दोनों आयोजन में प्रदेश के टॉप पांच निर्यातक और एफपीओ प्रतिभाग करेंगे। इनका चयन कृषि विपणन एवं विदेश व्यापार करेगा।

जागरूकता

मुख्यमंत्री योगी ने पाती के जरिए साइबर ठगों से सावधान रहने की अपील की

कानून में 'डिजिटल अरेस्ट' जैसी व्यवस्था नहीं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- डिजिटल अरेस्ट पर बनी लघु फिल्म को 4 दिनों में 17.30 लाख से अधिक व्यूज

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट किया है कि देश के किसी भी कानून में 'डिजिटल अरेस्ट' जैसी कोई व्यवस्था नहीं है। उन्होंने अपनी पाती के माध्यम से प्रदेशवासियों से साइबर अपराधियों और ठगों से सतर्क रहने की अपील की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस या कोई भी सरकारी एजेंसी वीडियो कॉल, व्हाट्सएप या सोशल मीडिया के जरिए किसी व्यक्ति को गिरफ्तार नहीं करती और न ही इस माध्यम से पैसे की मांग करती है।

मुख्यमंत्री से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी लोगों को सावधान कर चुके हैं, फिर भी लोग साइबर ठगों के जाल में आए दिन फंसते रहते हैं। अब योगी ने अपनी पाती का संदेश मीडिया के जरिए जन-जन तक पहुंचाते हुए कहा कि साइबर ठग भय और भ्रम फैलाने के लिए 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे झूठे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से जागरूक रहने और दूसरों को भी जागरूक करने की अपील की है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर यूपी पुलिस द्वारा डिजिटल अरेस्ट को लेकर जारी की गई नाना पाटेकर अभिनीत जागरूकता लघु फिल्म को महज चार दिनों में विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर 17 लाख 30 हजार से अधिक लोगों ने देखा और सराहा है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 2017 से पहले प्रदेश में केवल दो साइबर क्राइम थाने थे, जबकि अब सभी 75 जनपदों में साइबर क्राइम थाने और साइबर हेल्प डेस्क क्रियाशील हैं। किसी भी स्थिति में अपनी व्यक्तिगत जानकारी या ओटीपी साझा न करें। यदि साइबर अपराध होता है तो तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1930 पर सूचना दें। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों को जागरूक करने का आह्वान किया।

इन बातों का रखें ध्यान

संदिग्ध कॉल/वीडियो कॉल पर तुरंत काटें, 1930 पर तुरंत शिकायत दर्ज करें, बैंक/यूपीआई अकाउंट फौरन ब्लॉक कराएंसबूत (स्क्रीनशॉट/नंबर) सुरक्षित रखें, वीडियो कॉल पर 'डिजिटल अरेस्ट' की बात न मानें, किसी को पैसे ट्रांसफर न करें, ओटीपी, पिन, सीवीवी साझा न करें, सोशल मीडिया पर लोकेशन/निजी जानकारी सार्वजनिक न करें, धमकी से घबराएं नहीं, शांत रहें।

यूपी विधान सभा की कार्यप्रणाली को सराहा

कनाडा से आए प्रतिनिधिमंडल ने माना- कई विधायी संस्थाओं से अधिक प्रभावशाली

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: कैनेडियन हिंदू चैंबर ऑफ कॉमर्स (सीएचसीसी) के 25 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को उत्तर प्रदेश विधान सभा में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने कहा कि कार्य संस्कृति, तकनीकी नवाचार और विधायी दक्षता की नजर से उत्तर प्रदेश विधान सभा कनाडा की कई विधायी संस्थाओं से भी अधिक प्रभावशाली, सशक्त और अनुकरणीय प्रतीत होती है।

इस मौके पर प्रतिनिधिमंडल को विधान सभा परिसर का भ्रमण कराया गया, जिसमें सदन की कार्यप्रणाली, विधायी प्रक्रियाओं तथा संस्थागत ढांचे से अवगत कराया गया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश विधान सभा की सुव्यवस्थित कार्यसंस्कृति, आधुनिक तकनीकी व्यवस्थाओं, डिजिटल पहलों और पारदर्शी संचालन की सराहना की।

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने प्रतिनिधिमंडल को विधान सभा में लागू किए गए आधुनिकीकरण प्रयासों, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, ई-विधान प्रणाली तथा पारदर्शिता और सुशासन को सुदृढ़ करने के लिए उठाए गए विभिन्न कदमों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश विधान सभा लोकतांत्रिक मूल्यों को केंद्र में रखते हुए नवाचार और आधुनिक तकनीक को अपनाकर प्रभावी एवं उत्तरदायी विधायी भूमिका का निर्वहन कर रही है।

विधानभवन पहुंचे कनाडा के प्रतिनिधिमंडल के साथ विधानसभाध्यक्ष सतीश महाना।

न्यूज ब्रीफ

नए सर्किल रेट पर पहले दिन 14 बैनामे

शिवली। मैथा तहसील में नए सर्किल रेट लागू होने के साथ ही रजिस्ट्री कार्य शुरू हो गया है। पहले ही दिन सोमवार को रजिस्ट्री कार्यालय में सुबह से ही खासी चहल-पहल रही। यहां जमीनों के बैनामे के लिए कुल 14 सौदे दर्ज किए गए। रजिस्ट्री कार्यालय में दिन भर कार्य की गति संतोषजनक रही। सब रजिस्ट्रार आनंद श्रीवास्तव ने बताया कि नए सर्किल रेट लिस्ट के अनुसार पंजीकरण के साथ रजिस्ट्री की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। पहले दिन 14 बैनामों का पंजीकरण हुआ।

मतदाता सूची का प्रकाशन आज

शिवली। एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) की प्रक्रिया के तहत तैयार की गई विधानसभा मतदाता सूची की अनंतिम सूची का प्रकाशन मंगलवार को किया जाएगा। तहसील अधिकारियों द्वारा सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। ताकि मतदाताओं को समय पर अद्यतन सूची उपलब्ध कराई जा सके। एसडीएम राज कुमार पांडेय ने बताया कि अनंतिम मतदाता सूची को मतदान केंद्रों के साथ-साथ नगर पंचायत कार्यालय, तहसील परिसर एवं पंचायत भवनों पर चस्पा किया जाएगा। इससे मतदाता अपने नाम, पता एवं अन्य विवरणों की पुष्टि कर सकेंगे।

जरूरतमंद लोगों को आज बांटेंगे कंबल

रनियां। नव वर्ष के के उपलक्ष्य में भगवान परशुराम न्यास मंदिर, खानपुर खडंजा, रनियां में मंगलवार को राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला व पूर्व सांसद अनिल शुक्ला वारसी के तत्वावधान में "नया साल बुजुर्गों के साथ" कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के अंतर्गत रनिया मंडल के लगभग 10 हजार बुजुर्गों को शीतलहर से राहत देने के उद्देश्य से कंबलों का वितरण किया जाएगा। साथ ही बुजुर्गों के सम्मान में महाभोज का आयोजन भी रखा गया है।

साइबर सेल ने वापस कराए 35 हजार रुपये

कानपुर देहात। शिवली कोतवाली में फोन हैक होने और इसके बाद बैंक एकाउंट से 35 हजार रुपये निकल जाने के संबन्ध में एफआईर दर्ज कराई गई थी। कोतवाली क्षेत्र के बैरी सवाई गांव के रहने वाले शिकायत कर्ता योगेंद्र कुमार शर्मा पुत्र जगदीश चंद्र ने बताया था कि बीते साल 30 मई को घटना हुई थी। थाना शिवली पुलिस (साइबर सेल हेल्प डेस्क) द्वारा जांच एवं कार्रवाई की गई। उसके सारे पैसे वापस कराए गए।

महिला ने 6 लोगों पर दर्ज कराई रिपोर्ट

रसूलाबाद। थाना क्षेत्र के गांव उसरी निवासी एक युवती ने गांव के ही आधा दर्जन लोगों के विरुद्ध गत 14 दिसंबर को देर शाम सात बजे उसकी बहन के घर से जाने के विवाद को लेकर ईंट पत्थर व लाठी डंडों से उसे मारने पीटने का आरोप लगाकर इसकी रिपोर्ट दर्ज कराई है। उसरी निवासी कपूरी देवी पुत्री राज बहादुर ने पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि गत 14 दिसंबर रात 7 चंद्रप्रकाश, उसकी पत्नी बबली, पुत्र हर्षित एवं आशीष व उसके भाई पंकज और सीता पत्नी छुन्ना ने रात 7रू00 बजे लगभग उसकी बहन अर्चना देवी के घर से जाने के विवाद को लेकर उसके साथ ईंट पत्थर व लाठी डंडों से मारपीट की। इसकी रिपोर्ट वह दर्ज कराने थाने आई। थाना प्रभारी सतीश कुमार सिंह ने बताया कि मामले की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। इसकी विवेचना कीर्ति प्रकाश कनौजिया करेंगे।

घात लगाकर बैठे लोगों ने की मारपीट

रसूलाबाद। बुझवा गांव के रहने वाले एक व्यक्ति ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा कायम कराया है। बताया कि गत 31 दिसंबर को दूध लेकर बेचने हेतु रसूलाबाद जाते समय पहले से ही घात लगाकर बैठे गांव के ही लोगों ने अपशब्द कहे। विरोध करने पर मारपीट की और जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई है। बुझवा निवासी अंकित यादव ने पुलिस को बताया कि गत 31 दिसंबर को करीब 11 बजे जब वह दूध लेकर बेचने रसूलाबाद जा रहा था तो रास्ते में पहले से ही घात लगाकर बैठे गांव के वेद प्रकाश व उनके पुत्र हिमांशु एवं प्रांशु उसे अपशब्द कहने लगे। विरोध करने पर मारा पीटा और जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। इस पर वह इसकी रिपोर्ट दर्ज कराने आया है। थाना प्रभारी सतीश कुमार सिंह ने बताया कि मामले की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। इस पूरे मामले की विवेचना उप निरीक्षक शैलेंद्र सिंह को सौंपी गई है।

खेलों से होता शारीरिक विकास पैदा होती अनुशासन की भावना

संवाददाता, रसूलाबाद

फीता काटकर टूर्नामेंट का उद्घाटन करते जिला पंचायत सदस्य अंकित यादव।

अमृत विचारः खेल शारीरिक विकास के साथ-साथ अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व जैसे गुणों को विकसित करते हैं। युवाओं को चाहिए कि वे खेलों को अपने जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाएं।

यह बात गुंदैला में सोमवार को क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ करते हुए जिला पंचायत सदस्य अंकित यादव ने कहीं। उन्होंने फीता काटा और बल्ला चलाकर टूर्नामेंट की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि इस टूर्नामेंट में क्षेत्र की एक दर्जन से अधिक टीमें हिस्सा ले रही हैं। इनमें स्थानीय ग्रामीण और शहरी खिलाड़ियों को समान अवसर मिलेगा। उन्होंने युवाओं से खेलों को अपने जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने का आह्वान किया। प्रतियोगिता नॉकआउट आधार पर खेली जाएगी और फाइनल मुकाबला निर्धारित तिथि को आयोजित होगा।

आयोजकों ने बताया कि विजेता और उपविजेता टीमों को आकर्षक पुरस्कार और ट्रॉफी प्रदान की जाएगी। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि टूर्नामेंट का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे और गलत गतिविधियों से दूर रखकर खेलों के प्रति प्रेरित करना है। इसके साथ ही, प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने और आगे बढ़ने का मंच भी उपलब्ध कराना है। टूर्नामेंट में अमित गुड्डू और अरुण अम्पायरिंग कर रहे हैं। इस अवसर पर अन्य उपस्थित लोगों में गौतम यादव, अखिलेश यादव, सत्यम यादव, क्षेत्र पंचायत सदस्य सिद्दन, सौरभ यादव, मनु यादव, रिंकू, योगेश, वीरेंद्र, भोला, प्रमोद, शिवम, कल्लू, कृष्णा, राज, अनूप, अजय, सत्यम, प्रांशु और राजेश गुप्ता आदि रहे।

लांग रूट की बसों में दो ड्राइवर जरूरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

- सड़क सुरक्षा माह के तहत हुआ जागरूकता कार्यक्रम
- बसों में रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप लगाने पर दिया गया जोर

सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी देते एआरटीओ प्रशांत तिवारी। अमृत विचार

अमृत विचारः जिले में सड़क सुरक्षा माह के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे। इसी परिप्रेक्ष्य में सोमवार को परिवहन विभाग, कानपुर देहात द्वारा एआरटीओ दफ्तर के सारथी भवन में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के गंभीर प्रयास किए जाने की जरूर पर जोर दिया गया। एआरटीओ प्रशांत तिवारी ने लांग रूट की बसों में दो ड्राइवर रखे जाने के निर्देश दिए हैं।

बैठक में मुख्य विषय लंबी दूरी की यात्रा में प्रयुक्त यात्री वाहनों बस आदि के साथ हालिया दिनों में एक्प्रेसवे पर हुई गंभीर सड़क दुर्घटनाओं से सबक लेते हुए इन के मूल कारणों का पता लगाने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ऐसे वाहन चालकों, बस ऑपरेटर को परिचित कराने और भविष्य में इनकी पुनरावृत्ति से बचने के लिए किए जाने उपायों पर चर्चा-परिचर्चा हुई। बैठक में मोटर यान निरीक्षक द्वारा यह अवगत कराया गया कि बस ऑपरेटर अपने बसों को शासन द्वारा निर्धारित अखिल भारतीय मानकों (एआईएस) के अनुरूप ही निर्मित कराएं और उनमें नियमानुसार ही सीटों की संख्या रखी जाएं। इसके साथ फायर इंस्टीग्युसर की बस में उपलब्धता सुनिश्चित हो। साथ ही उनका नियमित अंतराल पर नवीनीकरण कराया जाए।

इस दौरान प्राथमिक उपचार पेटी (फर्स्ट एड बॉक्स) की व्यवस्था करने और बसों में रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप लगाकर चलाने की जरूरत पर जोर दिया गया। बताया गया कि मानकों की सुनिश्चितता सड़क सुरक्षा व यात्री-सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। इसके लिए समय पर वाहनो की फिटनेस अवश्य कराएं। एआरटीओ ने लंबी दूरी तक संचालित होने वाली बसों में ऑपरेटर को दो ड्राइवर अनिवार्य रूप से नियुक्त करने के लिए निर्देशित किया। वाहन में दो ड्राइवर उपलब्ध होंगे तो दुर्घटना की आशंका को कम किया जा सकता है। बैठक में ऑडियो-विजुअल माध्यम से प्रतिभागियों को परिवहन विभाग के ऑनलाइन पोर्टल वाहन एवं सारथी एप से संबंधित जानकारियां दी गई।

तीन दिन से खुदी पड़ी सड़क हंगामे पर पहुंचीं ईओ-पुलिस

संवाददाता, राजपुर

दमनपुर रोड पर पड़ा मलबा। अमृत विचार

हंगामे पर पहुंचीं ईओ नीति त्रिपाठी ने लोगों को आश्वस्त किया। अमृत विचार

- रास्ता बंद होने के कारण संकरी गलियों से गुजर रहे सभी वाहन
- जाम में फंस रहीं एंबुलेंस, हादसा होने की हर समय रहती आशंका

अमृत विचारः राजपुर कस्बे के दमनपुर मार्ग में बीच सड़क से नाला खुदने से वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण क्षेत्र के वाहन चालको को कस्बे के अंदर से संकरी गलियो से होकर मुगल मार्ग तक जाना पड़ रहा है, जिससे कस्बे के लोगो और वाहन चालको को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है।

बता दें कि पिछले करीब एक सप्ताह से कस्बे के नए बस स्टैंड से दमनपुर की ओर जाने वाली सड़क के बीच से नाले की खुदाई की जा रही है। सड़क पूरी तरीके बंद कर दी गई है। अब कस्बे और दमनपुर, पिटाकपुर व बीहड़ पट्टी से आने वाले दो पहिया व चार पहिया वाहनों को कस्बे के अंदर बस्ती से होकर जाना पड़ रहा है और अंदर बस्ती की गलियां भी सकरी हैं जिससे दोनों ओर से वाहन आ जाए तो जाम लग जाता है। कई बार ऐसा भी हुआ है कि 108 व 102 एंबुलेस के वाहन भी अंदर बस्ती की गलियों में जाम में फंसी देखी गई। अंदर बस्ती के बच्चो के साथ हादसा होने का डर बना रहता है।

नगर पंचायत ने नाले को खुदवाने से पहले कोई ठोस कदम नहीं उठाए। इस कारण लोगो को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। तीन दिनों से सड़क खुदी पड़ी है। लोगों की समस्याओं को देखते हुए प्रधान संगठन के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश मिश्रा ने कहा कि दोनों ओर नाला का निर्माण अगर पूरा हो जाए तो समस्या का समाधान हो सकता है। वहीं सपा के नगर अध्यक्ष श्यामू ठाकुर ने कहा कि तालाब भरा हुआ है। इसकी सफाई की जाए तथा खुले नाले में पटिया रखवाना बहुत जरूरी है। समस्या को लेकर लोगों ने शोर शराबा किया। इसकी जानकारी मिलने पर थानाध्यक्ष व ईओ नीति त्रिपाठी मौके पर पहुंची और लोगों की समस्याओं को सुना। उन्होंने कहा कि छूटे हुए नाले का निर्माण जल्द कराया जाएगा। वहीं जेसीबी से खुदी पड़ी सड़क को सही कराया जा रहा है। इस दौरान डग्गन ठाकुर, संजय ठाकुर, अरशद, खुर्रम, रमेश, राजू आदि लोग मौजूद रहे।

आखिर साफ हुआ चोक नाला घरों से निकलने लगा गंदा पानी

अमृत विचार IMPACT

संवाददाता, रनियां

सोमवार को सुपर वाइजर की देखरेख में साफ हुआ नाला। अमृत विचार

5 जनवरी के अंक में छपी थी खबर।

अमृत विचारः आपके अपने अखबार 'अमृत विचार' की खबर का एक बार फिर असर देखने को मिला। रनियां की किशरवल रोड पर जल निकासी का नाला चोक होने से व्याप्त समस्या की खबर प्रकाशित हुई तो अधिकारियों ने इसका संज्ञान लेते हुए सोमवार को चोक नाले की साफ-सफाई करा दी। स्थानीय लोगों को इससे काफी राहत मिली।

रनियां नगर पंचायत के शिवाजी नगर वार्ड किशरवल रोड पर नगर पंचायत का नाला चोक होने से घरों से निकलने वाला गंदा पानी वापस घरों में घुस रहा था। स्थानीय लोगों ने समस्या से अवगत कराया तो अमृत विचार अखबार ने 'कचरे मलबे से नाला जाम, घरों में लौट रहा गंदा पानी, बदबू से लोग परेशान' शीर्षक से सोमवार को खबर प्रकाशित की। सुबह सुबह अधिशासी अधिकारी मनीष राय ने खबर का संज्ञान लेकर नगर पंचायत में तैनात सफाईकर्मियों की टीम मौके पर भेजकर साफ-सफाई काम शुरू करवा दिया। सुपरवाइजर रमाकांत की देख-रेख में शाम तक नाले में भरी सिल्ट, कूड़ा-करकट, और मलबा हटवाकर भरा हुआ गंदा पानी काफी हद तक निकलवा दिया। नाला साफ होने से लोगों को काफी हद तक राहत मिली। इस संबंध में ईओ ने बताया कि समस्या की जानकारी पर नाले की साफ-सफाई करा दी गई है। उनकी जानकारी में जहां भी समस्या आएगी उसका समय से निस्तारण का प्रयास किया जाएगा। वहीं लोगों ने शुक्रिया अदा किया।

दफ्तर में सुबह 10 से 12 तक बैठें अफसर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

समाधान दिवस के दौरान स्टॉलों का अवलोकन करते डीएम कपिल सिंह। अमृत विचार

अमृत विचारः सोमवार को जिले की तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ। सदर तहसील में डीएम कपिल सिंह और एसपी श्रद्धा नरेंद्र पांडेय पहुंचीं। अधिकारियों ने शिकायतें सुनीं और जल्द निस्तारण का भरोसा दिया। डीएम ने अधिकारियों को प्रत्येक मामले के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए।

सदर तहसील में कुल 122 शिकायतें आईं। शिकायतों में राजस्व विभाग की 78, पुलिस की 16, विद्युत की 9, जिला समाज कल्याण की 2, जिला प्रोबेशन, चकबन्दी, एक्सियन सिंचाई, ग्राम्य विभाग, डीएसओ, नगर पंचायत अकबरपुर, एआरएम, ईएक्सएन पीडब्लूडी की एक-एक, खंड विकास अधिकारी की 6, डीपीआरओ की 3 शिकायतें प्राप्त हुई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण में गुणवत्ता, संतुष्टि एवं समयबद्धता सुनिश्चित की जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। भूमि विवाद से संबंधित मामलों में प्रशासन एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा मौके पर जाकर निस्तारण कराना सुनिश्चित करने व छोटे-छोटे मामलों को भी गंभीरता से लेने निर्देश दिए। तहसील दिवस में अधिशासी अभियंता विद्युत एवं अधिशासी अभियंता नलकूप के अनुपस्थित रहने पर जिलाधिकारी ने एक दिन का वेतन रोके जाने के निर्देश दिए, साथ ही अधिकारियों को अपने-अपने कार्यालयों में रोज प्रातः 10 से 12 बजे तक जनसुनवाई करने, शिकायतों का रजिस्टर बनाने, नियमित समीक्षा करने और शिकायतकर्ताओं व आमजन से मधुर व्यवहार रखने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों के स्टालों का अवलोकन किया।

मां-बच्चे को ओढ़ाया कंबल, फिर सुनी व्यथा

संवाददाता, शिवली

महिला को कंबल ओढ़ाते अफसर।

इंतजार में बैठे एसडीएम सर्वेश सिंह और मोबाइल में व्यस्त अफसर। अमृत विचार

अमृत विचारः मैथा तहसील के सम्पूर्ण समाधान दिवस में अफसरों ने मानवता की मिसाल पेश की। 7 माह के बच्चे को लेकर फरियाद करने आई एक महिला को पहले कंबल ओढ़ाया, फिर व्यथा सुनी।

एडीएम वित्त एवं राजस्व दुष्यंत कुमार मौर्य के साथ एसडीएम राजकुमार पाण्डेय, तहसीलदार सुनील कुमार शिकायतें सुन रहे थे। क्षेत्र के कंजरडेरा भेवान गांव से शिववीर अपनी पत्नी और 7 माह के बच्चे को लेकर भाई द्वारा उनके हिस्से की भी जमीन बेच लिए जाने की शिकायत दर्ज करवाने के लिए पहुंचे थे। नौनिहाल बच्चे व उसकी मां को ठिठुरता देख तुरंत कंबल दिलवाया। अधिकारियों का मानवीय चेहरा देख सभी ने सराहना की।

संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 34 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें राजस्व विभाग की सर्वाधिक 19 पुलिस विभाग की 02 विद्युत की 06 खण्ड विकास की 03 पीडब्ल्यूडी की 01शिकायत प्राप्त हुई। तीन शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। इस मौके पर प्रभारी चिकित्साधिकारी डा सिद्धार्थ पाठक बीडीओ संजू सिंह एबीएसए सपना सिंह कानूनगो नन्दकिशोर, राजकुमार राठौर, एडीओ पंचायत वीरेंद्र कुमार पाल एडीओ समाज कल्याण धीरज सविता एसडीओ विद्युत विवेक पांडेय प्रभारी सीडीपीओ सुमन लता आदि रहीं।

ठंड से फरियादी पस्त, अफसर मोबाइल में व्यस्त

रसूलाबाद। तहसील के समाधान दिवस में ठंड का असर दिखा। यहां कुल 29 फरियादी आए। एसडीएम सर्वेश कुमार सिंह फरियादियों का इंतजार करते और उनके बगल में बैठे मोबाइल में व्यस्त रहे। सिर्फ एक शिकायत का निस्तारण हो सका। ब्राह्मण गांव के कमलेश कुमार ने लाल गांव के धान खरीद केंद्र पर अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगाए। केंद्र में ताला बंद रहने की शिकायत की। 18 दिसंबर को शिकायत करने के बाद भी कार्रवाई न होने पर टीस दिखाई। पहाड़ीपुर के रघुवीर ने गांव के दो लोगों पर आवंटित भूमि पर कब्जा करने और विरोध पर मारपीट की शिकायत की। मनावा के गेंदनलाल ने माइनर की समय पर सफाई न होने के कारण गेहूं की फसल जलमग्न होने और आर्थिक नुकसान की शिकायत की। यहां सीओ आलोक चौधरी, नायब तहसीलदार हरीशंकर वर्मा, एसओ सतीश कुमार सिंह, चिकित्सा अधीक्षक दीपक गुप्ता, ईओ कमल सिंह, बीडीओ विपुल विक्रम सिंह, बीईओ अजब सिंह, एसडीओ शहादत सलीम रहे।

शिष्टाचार भेंट | जिला जज ने बार एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल से किया आह्वान

काम के साथ गरिमा और मर्यादा का रखें ध्यान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

मुलाकात के दौरान जिला जज को बुके भेंट करते अधिवक्ता। अमृत विचार

अमृत विचारः न्यायालय, अधिवक्ता और वादकारी, तीनों न्याय व्यवस्था के मूल स्तंभ हैं। इनके बीच सामंजस्य बेहद जरूरी है। आवश्यक यह भी है कि काम के दौरान एक-दूसरे की मर्यादा और सम्मान का ध्यान रखा जाए। यह बात नव वर्ष के उपलक्ष्य में जिला बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों और वरिष्ठ अधिवक्ताओं से शिष्टाचार भेंट के दौरान जिला जज रविन्द्र सिंह ने कही।

उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं की गरिमा, न्यायालय की मर्यादा और वादकारियों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण से ही सच्चा एवं प्रभावी न्याय संभव है। नववर्ष में हमारा सामूहिक प्रयास होना चाहिए कि प्रत्येक न्यायार्थी को समयबद्ध, निष्पक्ष एवं सुलभ न्याय प्राप्त हो। जिला जज श्री सिंह ने यह भी कहा कि बार और बेंच के मध्य आपसी सहयोग, अनुशासन एवं सकारात्मक संवाद से न केवल न्यायिक प्रक्रिया सुदृढ़ होती है, बल्कि आम जनता का न्याय पालिका पर विश्वास भी और अधिक मजबूत होता है।

जिला जज से भेंट करने पहुंचे प्रतिनिधिमंडल में जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव, सिविल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता जितेन्द्र प्रताप सिंह चौहान, महामंत्री घनश्याम सिंह राठौर पूर्व अध्यक्ष संपत लाल यादव पूर्व उपाध्यक्ष रमेश चन्द्र सिंह गौर, राजेंद्र द्विवेदी, जितेंद्र बाबू, आनंद मोहन कटियार, योगेंद्र प्रताप सिंह चौहान, सर्वेंद्र सिंह, सुलेखा यादव, महेन्द्र सिंह, विश्वनाथ सिंह, रोहित शुक्ला रहे। इस अवसर पर अधिवक्ताओं की ओर से जिला जज रविंद्र सिंह को आश्वस्त किया गया कि अधिवक्ता समाज न्यायालय के साथ पूर्ण सहयोग करते हुए वादकारियों के हितों की रक्षा एवं न्यायिक गरिमा बनाए रखने के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहेगा।

पुलिस लाइन में ब्यूटी केयर ट्रेनिंग

कानपुर देहात। पुलिस लाइन में वामा सारथी पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से ब्यूटी केयर असिस्टेन्ट व्यवसायिक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जन शिक्षण संस्थान के प्रशिक्षकों ने ब्यूटी केयर का प्रशिक्षण दिया।

वामा सारथी की अध्यक्ष सुरभि पांडेय ने प्रशिक्षण की शुरुआत की। पुलिस परिवार के लाभार्थियों को जेएसएस के उद्देश्यों, कार्यों की जानकारी दी गई। कोर्स पूर्ण होने के बाद एनसीवीईटी प्रमाण पत्र के लाभ बताए। सुरभि ने पुलिस परिवार की घरेलू महिलाओं एवं बालिकाओं को ब्यूटी केयर प्रशिक्षण के लिए जागरूक किया। यहां जन शिक्षण संस्थान के मोहम्मद दानिश, विश्व प्रताप सिंह, सौरभ कुमार, प्रशिक्षिका जया, इमरान खान एवं प्रभारी आरआई प्रेमचंद्र शुक्ला आदि रहे।

प्रेम भाव में भगवान जहर भी पी लेते हैं

संवाददाता, रसूलाबाद

- श्रीमद्भावत कथा में पूतना वध के प्रसंग में कथावाचक का संदेश

अमृत विचारः भगवान जहां प्रेम भाव में मातृत्व भाव से जहर लगे स्तनों का पान कराने आई पूतना का न केवल स्तनपान किया वरन् उसे परमधाम भी भेज दिया, वही अत्याचारी व जीवों को सताने वाले अपने मामा के केश पकड़ भूमि पर पटक दिया और प्राण हर लिया।

अंगदपुर दहेलिया में श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन कथावाचक राकेश कुमार पांडेय ने भगवान श्री कृष्ण जन्मोत्सव एवं उनकी बाल लीलाओं, पूतना वध का प्रसंग सुनाया। उन्होंने बताया कि नंद बाबा तथा यशोदा के चौथे पन में बालक होने का समाचार पाकर बृजवासी जन्मोत्सव मनाने गए। इसी बीच देववाणी से कंस को ब्रज में कृष्ण के जन्म का समाचार मिला तो उसने पूतना राक्षसी को नंद गांव भेजकर श्री कृष्ण को मारने की योजना बनाई। पूतना सुंदर गोपी के वेश में माता यशोदा के पास पहुंची और अपने को रिश्तेदार बताया। वह बधाई गाने लगी, तभी मौका पाकर पूतना ने श्रीकृष्ण को अपनी गोद में लेकर विष लगे स्तन का पान कराने लगी। भगवान श्री कृष्ण ने मातृ भाव का सम्मान करते हुए स्तनपान कर पूतना का बध कर परमधाम भेज दिया। उन्होंने बताया कि भगवान श्री कृष्ण ने जन्म के 6 दिन बाद पूतना का वध किया था।

अमृत विचार

कानपुर, मंगलवार, 6 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

घाटमपुर ने कानपुर को हराया

घाटमपुर। घाटमपुर के कैप्टन सुखवासी जनता महाविद्यालय में स्व. रामकृष्ण दीक्षित की स्मृति में आयोजित शोभिटाल कप में सोमवार को कानपुर ने टॉस जीतकर पहले खेलते हुए 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 116 रनों का स्कोर खड़ा किया। कानपुर की तरफ से बल्लेबाजी करते हुए प्रिंस ने 41, आयुष यादव ने 26 रनों का योगदान दिया। घाटमपुर की तरफ से गेंदबाजी करते हुए सक्षम ने 2 विकेट, विशेष आरुष ने एक-एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी घाटमपुर ने 13 ओवर में ही लक्ष्य प्राप्त कर लिया। घाटमपुर की तरफ से बल्लेबाजी करते हुए अनमोल ने 21, रन प्रिंस ने 33, आरुष ने 14 रन बनाए कानपुर की तरफ से प्रांशु प्रिंस ने दो दो विकेट लिए मैन ऑफ द मैच प्रिंस को शीलू मोबाइल सुनील राठौर द्वारा दिया गया।

किसानों को जैविक खेती की दी जानकारी

शिवराजपुर। रविवार को कस्बे के एक गेस्ट हाउस में धनवंतरी डिस्ट्रीब्यूटर ने किसानों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान जैविक खेती कैसे करें इसके बारे में किसानों को अवगत कराया। मुख्य अतिथि शैलेंद्र शुक्ला, शंभू रतन सिंह, अनूप सिंह आदि ने अपने संबोधन में बताया घरेलू उपयोग में आने वाली वस्तुओं एवं किसानों के हित के लिए खेत में प्रयोग होने वाली जैविक खाद एवं बगैर केमिकल से बनी दवाइयों के बारे में विस्तार से चर्चा की। योजक वीरेंद्र पाण्डेय, पंकज पांडेय, अवधेश मिश्रा गोविंद बाजपेई शिवेंद्र बाजपेई और धर्मेंद्र सिंह सैकड़ों की संख्या में किसान एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

युवती ने फांसी लगाकर दी जान

बिल्हौर। ककवन थाना क्षेत्र के ग्राम कुरेह से एक घटना सामने आई है, जहां कमलेश कुमार की 18 वर्षीय पुत्री रीना ने अपने ही घर के भीतर संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, युवती ने घर के अंदर छत के कुंडे से अपने दुपट्टे का फंदा बनाकर आत्महत्या की। जब परिजनों ने युवती के शव को फंदे से लटकता देखा, तो घर में कोहराम मच गया। घटना की सूचना तुरंत स्थानीय थाना पुलिस को दी गई। फांसी का कारण स्पष्ट नहीं हो सका लेकिन स्थानीय सूत्रों की माने तो मामला प्रेम प्रसंग से जोड़कर देखा जा रहा है हालांकि पुलिस की ओर से आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं किया गया और न ही परिजनों की ओर से कोई आत्महत्या का कारण बताया गया। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष जितेन्द्र राजपूत के साथ तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए फील्ड यूनिट (फॉरेंसिक टीम) ने साक्ष्य जुटाए हैं।

राखी से लदी ट्रॉली पलटी, चालक घायल

मौदहा। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम नरायच निवासी भूपेंद्र (22) पुत्र चुन्नू यादव सोमवार तड़के नरायच के ईंट भट्ठे से ट्रैक्टर की ट्राली में राखी लादकर सुमेरपुर की ओर जा रहा था। तभी राजमार्ग 34 में ग्राम मकरांव के निकट संतुलन बिगड़ने से ट्रैक्टर ट्राली पलट गया व चालक घायल है।

ग्रीन एनर्जी प्रोजेक्ट के तहत सोलर पार्क स्थल का निरीक्षण करते डीएम व अन्य।

बिल्हौर में आयोजित समाधान दिवस में समस्याएं सुनते एडीएम व एसडीएम।

175 करोड़ से 65 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित होगा ग्रीन एनर्जी प्रोजेक्ट

समाधान दिवसः घाटमपुर तहसील में डीएम ने फरियादियों की सुनीं समस्याएं, दिए निर्देश

संवाददाता, घाटमपुर

अमृत विचार। तहसील घाटमपुर क्षेत्र के काटर में प्रस्तावित 35 मेगावाट क्षमता के सोलर पार्क स्थल का जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने सोमवार को निरीक्षण करके परियोजना से जुड़े सभी कार्य समयबद्ध ढंग से पूरा कराने के निर्देश दिए। सोलर पार्क का निर्माण वेदु इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। इससे पूर्व डीएम ने वहां समाधान दिवस के तहत समस्याएं भी सुनीं।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने जिलाधिकारी को बताया कि सोलर पार्क की स्थापना के लिए अति ऊर्जा स्रोत विभाग के नाम कुल 65.315 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहित की जा चुकी है, जिसे सोलर पार्क विकास कंपनी को लीज पर प्रदान किया गया है। यह परियोजना 175 करोड़ रुपये के निवेश से विकसित की जा रही है, जिसके लिए इन्वेस्ट यूपी के अंतर्गत एमओयू हो चुका है। इस परियोजना के संचालन के दौरान 1000 से अधिक प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। सोलर पार्क का निर्माण कार्य दिसंबर 2027 तक पूरा किया जाना है। सोलर पार्क के लिए निविदा प्रक्रिया पूर्ण करके कंपनी का चयन कर लिया गया है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए किसोलर पार्क तक पहुंचने के लिए सड़क निर्माण के लिए ग्राम प्रधान और ग्रामीणों के साथ बैठक कर वैकल्पिक मार्ग चिन्हित किया गया। जिलाधिकारी ने सड़क निर्माण का प्राक्कलन शीघ्र तैयार करने के निर्देश दिए। निरीक्षण में एसडीएम घाटमपुर अबिचल प्रताप सिंह, पीओ नेडा राकेश पांडेय भी उपस्थित रहे।

बिल्हौर में 51 शिकायतों में से 4 का मौके पर हुआ समाधान

बिल्हौर : बिल्हौर ब्लॉक सभागार में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान कुल 51 शिकायतें दर्ज की गईं। एडीएम न्यायिक राजेश कुमार, एसडीएम डॉ. संजीव दीक्षित और एसीपी मंजय सिंह ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान 4 शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया गया। शेष 47 शिकायतों को संबंधित विभागों के अधिकारियों को सौंपते हुए गुणवत्तापूर्ण और त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए। समाधान दिवस में अधिकतर मामले राजस्व और पुलिस विभाग से जुड़े रहे। सामने आए इसमें मंगली प्रसाद ने वर्ष 1972 में आवंटित आवासीय पट्टे पर दबंगों द्वारा जबरन कब्जे की शिकायत की। ककवन के रामनारायण ने आरोप लगाया कि गांव के ही एक व्यक्ति ने अपनी अधिकांश जमीन बेचने के बाद भी शेष भूमि पर अवैध निर्माण करा रहे हैं। कल्याणपुर के लवकुश पुरम निवासी गजेंद्र सिंह ने अपने खरीदे गए प्लॉट पर अवैध कब्जे की शिकायत दर्ज कराई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि भूमि विवादों के मामलों में टीम गठित कर निष्पक्ष जांच की जाएगी और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई होगी।

कड़ाके की ठंड में ठिठुरते मासूम को स्वेटर और जूते दिए : रामपाटी गांव निवासी एक निर्धन परिवार का 10 वर्षीय किशोर ठंड से बचने के लिए कंबल की मांग करने ब्लॉक परिसर पहुंचा। बताया जा रहा है कि शुरुआत में उसे कुछ कर्मचारियों ने दो दिन बाद तहसील आने की बात कहकर लौटाने का प्रयास किया। ठंड से ठिठुरता बच्चा सीधे समाधान दिवस की अध्यक्षता कर रहे एडीएम (न्यायिक) राजेश कुमार और एसडीएम डॉ. संजीव दीक्षित के सामने जा खड़ा हुआ। बच्चे की हालत और उसकी बेबसी देख एसडीएम डॉ. संजीव दीक्षित भावुक हो उठे। उन्होंने तुरंत एक कर्मचारी को बाजार भेजा और अपने निजी खर्च से बच्चे के लिए नया स्वेटर व जूते मंगवाकर तथा कंबल भी दिया।

एसआईआर को लेकर सपा ने ततारपुर गांव में लगाई चौपाल

संवाददाता, चौबेपुर

अमृत विचार। मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत सपा के बिल्हौर विधान सभा अध्यक्ष द्वारा क्षेत्र के ततारपुर गांव में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सोमवार को ब्लॉक क्षेत्र के ततारपुर गांव पहुंचे सपा के बिल्हौर विधान सभा अध्यक्ष विनय यादव ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती, मतदाता सूची की शुद्धता पर निर्भर करती है। कोई भी पात्र व्यक्ति मताधिकार से वंचित न रहे, यह सुनिश्चित करना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से डुप्लीकेट, मृतक, शिफ्टेड, विवाहित व अनुपस्थिति मतदाताओं की पहचान कर उनकी पृथक सूची तैयार करने तथा तथ्यों की सावधानी पूर्वक परीक्षण करने का आह्वान किया। साथ ही निर्देश दिए कि सभी तथ्यों की विस्तृत जानकारी रिपोर्ट शाम तक संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक रूप से सौंप दी जाए।

ताकि समय रहते सुधार की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सके। जानकारी दी कि पहले 433 बूथ थे, जो कि मौजूदा समय में बढ़कर 480 हो गए हैं। कहा कि सपा नेतृत्व का मानना है कि यह अभियान भाजपा की गलत मंशा के साथ शुरू किया गया है। लेकिन सपा कार्यकर्ताओं की सक्रियता उनके गलत इरादों को कामयाब नहीं होने देगी। पार्टी कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी से ही मतदाता सूची अधिक पारदर्शी, विश्वसनीय और समावेशी बन सकेगी। इस दौरान पूर्व प्रधान यदुनाथ सिंह यादव, ज्ञान चंद्र कोरी, अनिल कुशवाहा, रामकुमार गौतम, कल्लू यादव, सुनील पाल मौजूद रहे।

ततारपुर गांव में एसआईआर के बारे में जानकारी लेते सपा विधानसभा अध्यक्ष विनय यादव।

- कहा लोकतंत्र की मजबूती, मतदाता सूची की शुद्धता पर निर्भर

सफाई कर्मियों ने मांगी ऊनी वर्दी

मौदहा (हमीरपुर)। भीषण सर्दी, कोहरा और शीतलहर के चलते सफाई कर्मचारियों ने नगर पालिका अध्यक्ष को ज्ञापन देकर शीतकालीन वर्दी की मांग की है। सफाई कर्मचारियों ने कामता प्रसाद के नेतृत्व में अध्यक्ष रजा मोहम्मद को सौंपे ज्ञापन में बताया कि इस समय भीषण ठंड पड रही है ऐसे में सुबह घर से निकलने और सफाई करने में परेशानी होती है। सभी को शीत कालीन वर्दी उपलब्ध कराई जाए। इस दौरान ब्रज किशोर, मुकेश कुमार, संदीप कुमार, रवि कुमार, आशा देवी आदि थे।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सूचित हो कि मेरे पासपोर्ट जिसका संख्यांक– M2952131 में मेरा उपनाम शफीक (SHAFIQ) और पिता का नाम शफीक अहमद (SHAFIQ AHMAD) दर्ज हो गया है जो कि गलत है। जबकि मेरा सही नाम कामरान शफीक (KAMRAN SHAFEEQ) और पिता का सही नाम शफीक अहमद (SHAFEEQ AHMAD) है। अतः मेरे पासपोर्ट में मेरा व मेरे पिता का सही नाम दर्ज किया जाये। **KAMRAN SHAFEEQ पुत्र SHAFEEQ AHMAD निवासी– 290/106 अनुपम नगर, मोतीझील कालोनी, ऐशबाग, राजेन्द्र नगर, लखनऊ।**

सूचना

मैने अपना नाम HASSANI RENUKA BHISHAM से बदलकर RENUKA BHAGWANI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। C/0-YOGESH BHAGWANI ADD-MMS-1/104 SITAPUR ROAD YOJNA RAM RAM BANK CHAURAHA, SECTOR-A, POST-ALIGANJ DIST-LUCKNOW-226024 (U.P.)

सूचना

मैं **सुदामा पुत्र प्रहलाद शाक्य निवासी हयातनगर परगना व तहसील छिबरामऊ जनपद कन्नौज,** मेरा पुत्र गोविन्द जुआरी, शराबी व बदचलन है। उसका सम्बन्ध असामाजिक लोगों से है। उससे मैं अपना सम्बन्ध समाप्त कर चुका हूँ अब मेरा उससे कोई ताल्लुक वास्ता एवं सरोकार नही है उसके किसी भी लेनदेन एवं क्रियाकलाप का मैं उत्तरदायी नहीं हूँ। उपरोक्त गोविन्द को अपनी समस्त जायदाद एवं मकान से बेदखल करता हूँ और मैं किसी भी प्रकार के लेनदेन आदि का उत्तरदायी नही हूँ।

सूचना

सूचित हो कि पहले मेरा नाम SACHIN TIBREWAL था अब मैने नाम बदलकर SACHIN KUMAR TIBREWAL रख लिया है। अब मुझे SACHIN KUMAR TIBREWAL के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-OM PRAKASH TIBREWAL ADD-HIG-A, 04 SAKETPURI COLONY DIST-FAIZABAD-224001(U.P)

सूचना

पहले मेरा नाम SANJIV KAPOOR था से बदलकर SANJEEV KAPOOR रख लिया है। अब मुझे SANJEEV KAPOOR के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-RATAN LAL KAPOOR ADD-31, KHUN KHUN JI ROAD CHOWK DIST-LUCKNOW-226003 (U.P.)

सूचना

मैंने अपना नाम KAILESH NATH से बदल कर KAILASH NATH रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O: JILEDAR R/O:SHAHPUR BARGADWA SHRAWASTI UTTAR PRADESH -271840

सूचना

मैने अपना नाम ZAKYA FARHAT से बदलकर ZAKIYA FARHAT रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। W/0-SYED DAUD RAZA ADD-830 JAMEY ISLAMIA ROAD, KHAIRABAD SULTANPUR CITY, DIST-SULTANPUR-228001(U.P.)

सूचना

मैने अपना नाम HAFEEZ से बदलकर MOHD HAFEEZ AHMAD रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-MOHAMMAD MOIN AHMAD ADD-H-No-342/36 GULAR WALI GALI NAUBASTA CHOWK DIST-LUCKNOW-226003(U.P.)

सूचना

मैने अपना नाम MOHAMMAD RAEES से बदलकर MOHAMMAD RAIS रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-SHABBIR ALI ADD- PURAULI, NARSANWA,DALMAU, DIST-RAE BARELI-229207 (U.P.)

सूचना

मैं **आज़ाद अली निवासी– 433/147, राम नगर, सहादतगंज, चौक, लखनऊ– 226003, उत्तर प्रदेश** यह घोषित करता हूँ कि मेरे पासपोर्ट में मेरे पिता का नाम ग़लत रूप से हाजी मुशताक दर्ज है। सही नाम शमशाद अली है। भविष्य में पासपोर्ट रिकार्ड में इसी को सही माना जाए।

सूचना

कार्यालय विकास खण्ड श्रीदत्तगंज, तहसील – उतरौला, बलरामपुर
ग्राम पंचायत विश्रामपुर में पंचायत भवन में दिनाँक 12–01–2026 दिन सोमवार को 12 बजे 2 पेड़ सूखा साखू दोंदर व एक पेड़ सूखा महुआ का गिरा है सबकी नीलामी होगी जिसका मूल्य 54000 है।

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैं FAROOKH KHAN से FAROOK KHAN रख लिया है अब भविष्य में मुझे मेरे बदले हुए नाम से जाना बा पहचाना जाए पुत्र MAHMOOD ALI KHAN निवासी–52 ग्राम दक्षिण कोरिया पोस्ट छपिया कोलआ गोरखपुर

सूचना

सूचित हो कि मैं **बृजेश सिंह पुत्र राम प्रताप सिंह, निवासी- ग्राम व पोस्ट- सेमराय, थाना- रामनगर, जिला- बाराबंकी, उ0प्र0।** मेरा UIN No- 330110026822652015, ऑल इण्डिया शस्त्र लाइसेन्स रिवाल्वर 0.32 बोर जिसका नं0– LIN5291A7A8A720 वास्तव में कहीं खो गया है।

सूचना

मैं **जय प्रकाश पुत्र राम जग निवासी– सरसण्डा अमोड़ा खास, अमोरहा जिला बस्ती उ0प्र0–272127** मेरा पासपोर्ट जिसका नं0–सी755248 है। उपरोक्त पासपोर्ट मे त्रुटिवश मेरी पत्नी का नाम उमा देवी दर्ज हो गया है जबकि मेरी पत्नी के आधार कार्ड व अन्य दस्तावेजो मे नाम उमा गुप्ता है जो सत्य एव सही है।

सूचना

मैं **रफिया बानों पत्नी तौकीर अहमद निवासी ग्राम खोखीपुर, पोस्ट अलीगंज, परगना मीरानपुर, तहसील सदर, जिला– सुलतानपुर,** शपथपूर्वक घोषणा करती हूं कि मेरी एफ0डी0 जिसका खाता संख्या 3048409 में मेरा नाम श्रीमती साफिया बानों अंकित है जबकि आधार कार्ड में रफिया बानों पत्नी तौकीर अहमद अंकित है। उपरोक्त दोनों नाम मेरे ही हैं किसी अलग–अलग महिला के नहीं हैं। उपरोक्तानुसार दोनों नाम एक ही महिला यानी मेरे मानते हुए स्वीकार किया जाये।

सूचना

मैं **राजेन्द्र प्रसाद पुत्र श्यामदेव ग्राम–सुरजीपुर पो0 जमीलपुर परगना व तहसील–सगड़ी जिला– आजमगढ़** , मेरे पुत्र आर्यन जैसवारा के हाई स्कूल अंक पत्र के अनुसार जन्मतिथि 5–9–2008 है तथा सही नाम आर्यन जैसवारा है जबकि आधार कार्ड में त्रुटिवश मेरे पुत्र का गलत नाम शिवम अंकित कर दिया गया है। अतः मेरे पुत्र का सही नाम आर्यन जैसवारा आधार कार्ड में अंकित किया जाय।

सूचना

भारतीय जीवन बीमा निगम शाखा प्रथम रायबरेली द्वारा जारी पालिसी संख्या 213856551 बीमाधन 40,000 पालिसी धारक संजय कुमार पाल की पालिसी में नामिनी केशन दुलारी दर्ज है, जो संजय कुमार पाल की माता है, जबकि आधार व पासबुक में विशुन कुमारी दर्ज है। दोनों नाम एक ही महिला का है। **विशुन दुलारी पत्नी जंगली प्रसाद निवासी ग्रा0पो0 इब्राहिमपुर तहसील लालगंज, रायबरेली हैं।**

केस दर्ज कराने पर दुबारा हमला, पुलिस को चुनौती

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

- रिपोर्ट लिखाने पर फिर किया हमला, घायल अस्पताल में भर्ती

अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के करहिया गांव में तीन दिन पहले घर में घुसकर परिवार पर हमला करने के मामले में पीड़ित परिवार ने थाने में एफआईआर दर्ज कराई तो आरोपियों ने पुलिस को चुनौती देते हुए सोमवार को फिर धावा बोलकर हमला किया। अब पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है।

कोतवाली क्षेत्र के करहिया निवासी किशोरीलाल पुत्र मेड़ेलाल ने तहरीर में बताया कि तीन जनवरी की रात करीब साढे नौ बजे गांव के जयकरन, मिश्रीलाल, रोहित, अजय और हरीश आदि उसके घर में हथियारों से लैस होकर घुस आए और उसके पुत्र गोरेलाल पर बेरहमी से हमला कर दिया। उसे बचाने के लिए बहू भूरी दौड़ी तो हमलावरों ने उसे भी बेरहमी से मारा-पीटा। इतना ही उन लोगों ने मासूम बच्चों के साथ भी बेरहमी से मारपीट की, जिसमें गोरेलाल और भूरी को गंभीर चोंटों के कारण जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया था,

जहां उनका अभी भी इलाज चल रहा है।

पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। मुकदमा दर्ज होने से बौखलाए आरोपियों ने सोमवार को फिर धावा बोलकर परिवार के साथ मारपीट कर पुलिस को खुली चुनौती दी। दुबारा हमले के बाद पुलिस ने तत्काल प्रभाव से एक्शन लेते हुए सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इस सम्बन्ध में कोतवाली प्रभारी संतोष सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज किया गया था, लेकिन फिर झगड़ा हुआ है। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

सजेती पशु बाजार में व्यापारी से मारपीट व लूट का आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

संवाददाता, घाटमपुर

अमृत विचार। सजेती पुलिस ने लूट और व्यापारी से मारपीट के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, वहीं दो अन्य साथियों की तलाश कर रही है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेशकर जेल भेज दिया है। पुलिस को आरोपी के पास से लूटे रुपये में से दो हजार रुपये बरामद हुए है।

सजेती में बाजार प्रबंधक ओमनारायण सचान ने पुलिस को रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में बताया कि उन्हें सूचना मिली कि टोल के पहले रजोल नामक युवक, जो खुद को पत्रकार और एक दल से जुड़ा बता रहा था, अपने तीन अज्ञात साथियों के साथ बाजार में आए व्यापारी नसीम पुत्र मोहम्मद शमीम, निवासी व थाना हमीरपुर को लोडर सहित रोक लिया। आरोप है, कि उक्त युवक व उसके साथियों ने व्यापारी के साथ गाली-गलौज की और विरोध करने पर बेरहमी से मारपीट कर दी। बीच-बचाव करने पहुंचे पशु बाजार प्रबंधक ओमनारायण सचान के साथ भी

पुलिस गिरफ्त में आरोपी। अमृत विचार

- बाजार के प्रबंधक की रिपोर्ट पर पुलिस ने की कार्रवाई

आरोपियों ने मारपीट की, जिससे उनकी बायीं आंख में गंभीर चोट आई। आरोपियों ने जान से मारने की धमकी देते हुए जेब से 6600 रुपये भी निकाल लिए। घटना के बाद पीड़ित व्यापारी को लेकर प्रबंधक सजेती थाने पहुंचे और पुलिस से कार्रवाई की मांग की। सजेती पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए एक आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने अपनी पहचान अमौली गांव निवासी अर्जुन सिंह उर्फ राजोल सिंह के रूप में बताई। पुलिस ने आरोपी के पास से लूटे गए दो हजार रुपये भी बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेशकर जेल भेज दिया है। सजेती थाना प्रभारी अनुज भारती ने बताया कि आरोपी को न्यायालय में पेशकर जेल भेजा गया है। वहीं, घटना में शामिल अन्य फरार साथियों की तलाश की जा रही है। जल्द ही शेष आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बैठक | विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का कार्य युद्ध स्तर पर

2 नए मतदान केंद्र व 47 नवीन मतदेय स्थल बने

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुपालन में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। इस अभियान की पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सोमवार को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बिल्हौर डॉ संजीव दीक्षित की अध्यक्षता में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई।

बैठक के दौरान बताया गया कि विधानसभा स्तर पर मतदेय स्थलों के सम्भाजन की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। जिन बूथों पर मतदाताओं की संख्या 1200 से अधिक थी, वहां नए बूथ सृजित किए गए हैं। इसके तहत बिल्हौर विधानसभा में 2 नए मतदान केंद्र और 47 नवीन मतदेय स्थल बनाए गए हैं, जिसके बाद अब क्षेत्र में कुल मतदेय स्थलों की संख्या बढ़कर 480 हो गई है।

निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी ने बताया कि 6 जनवरी 2026 को मतदाता सूची के आलेख्य का प्रकाशन सभी मतदेय स्थलों पर किया जाएगा। इसके साथ ही 6 जनवरी से 6 फरवरी 2026 तक ड्राफ्ट सूची के संबंध में दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। नए मतदाता बनने के लिए फार्म-6, संशोधन के लिए फार्म-8 और नाम हटवाने (विलोपन) के लिए फार्म-7 उपलब्ध हैं। अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 के आधार पर अब तक कुल 3074 फार्म-6 प्राप्त हुए हैं, जिनमें 456 युवा (18-19 वर्ष) आवेदक शामिल हैं। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के दूसरे चरण में 21,878 ऐसे मतदाता चिह्नित किए गए हैं जिनकी मैपिंग नहीं हुई है। इन मतदाताओं को नोटिस जारी करने की कार्यवाही 6 जनवरी से 27 फरवरी 2026 तक संचालित की जाएगी। इस कार्य हेतु 9 अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों की नियुक्ति की गई है।

राजनीतिक दलों को सूची देते अधिकारी। अमृत विचार

राजनीतिक दलों को सौंपी गई सूची

- प्रशासन द्वारा बैठक में उपस्थित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को मृत, स्थानांतरित, डुप्लीकेट और अनुपस्थित मतदाताओं की विस्तृत सूची उपलब्ध कराई। इसके अतिरिक्त, नए नियुक्त किए गए सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों का विवरण भी साझा किया गया। दलों के प्रतिनिधियों ने प्रशासन द्वारा की जा रही चरणबद्ध कार्यवाही पर संतोष व्यक्त किया।

अतिक्रमण हटवाने पहुंचीं अधिशासी अधिकारी दिव्या गुप्ता व अन्य। अमृत विचार

नगर पंचायत ने अभियान चलाकर हटवाए कब्जे

संवाददाता, शिवराजपुर

अमृत विचार। नगर पंचायत की टीम ने सोमवार को कस्बे के जीटी रोड किनारे किए गए अतिक्रमण को हटवाने का अभियान चालाया। इस दौरान टीम ने रोड के दोनों तरफ अस्थाई अतिक्रमण जिसमें टट्टर, टिनशेड, खोखा, ठेला आदि को हटवाया।

सोमवार को अधिशासी अधिकारी दिव्या गुप्ता एवं नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि कैलाश कटियार की मौजूदगी में नगर पंचायत के लगभग दो दर्जन कर्मचारियों के द्वारा जीटी रोड के दोनों तरफ लगे टिनशेड, ठेला खोखा, नाले के ऊपर जो भी अवैध अतिक्रमण था उसको हटाया गया। अतिक्रमण का सामान नगर पंचायत द्वारा ट्रैक्टर ट्राली में भर कर ले जाया गया।

सुविचार

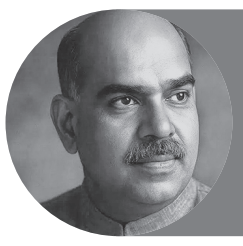

राष्ट्रीय एकता के धरातल पर ही सुनहरे भविष्य की नींव रखी जा सकती है।
– डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी

अमृत विचार

कानपुर महानगर

www.amritvichar.com

कानपुर के प्रमुख समाचार

- मोबाइल की लत से कम हो रही धड़कन-II
- सीएम करेंगे फ्लैटेड फैक्ट्री का उद्घाटन -III
- महिलाओं के हुनर का उत्सव बना मेला -IV

कानपुर, मंगलवार, 6 जनवरी 2026

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

जुगाड़ टेक्नॉलाजी बंपर: बिना नबंर दौड़ रहे डंपर

जमीर सिद्दीकी, कानपुर

अमृत विचार। गुरुवार को वसूली के आरोप में परिवहन के कई अधिकारियों पर गाज गिरी है और कानपुर में भी बड़े पैमाने पर वन टू का फोर खेल चल रहा है। कानपुर में यदि कोई बिना नंबर प्लेट वाहन लेकर निकल जाए तो उसका वाहन सीज हो जाएगा लेकिन जुगाड़ टेक्नालॉजी का कमाल देखिए कि अकबरपुर हाईवे, सागर हाईवे और झांसी हाईवे पर हजारों की संख्या में मौरंग-गिट्टी के डंपर दौड़ रहे हैं जिनमें नंबर ही नहीं है। जिन डंपर में नंबर हैं, उनकी नंबर प्लेट पर गोबर या डीजल लगा देते हैं ताकि कोई नंबर पढ़ नहीं पाये।

कानपुर के नौबस्ता हाईवे से होते हुए प्रतिदिन 50 हजार से अधिक डंपर यातायात नियमों को रौंद रहे हैं। ये डंपर नंबर लगाने के चक्कर में इतनी स्पीड में चलते हैं कि हर महीने कम से कम 10 लोगों को मौत ही नींद सुला देते हैं। ओवरलोड दौड़ने वाले इन डंपर पर कोड लिखे हुए हैं। कोड को देखने के बाद कोई जिम्मेदार उन्हें छूता तक नहीं है।

डंपर के नंबर प्लेट पर पोती गई मिट्टी। अमृत विचार

- सागर, अकबरपुर, झांसी हाईवे पर सेटिंग का कमाल

नंबर प्लेट नदारद, कुछ नंबर प्लेट पर मिट्टी लगी

- कई ऐसे डंपर दौड़ रहे हैं जिनकी नंबर प्लेट नहीं है या फिर उनके नंबर प्लेट पर मिट्टी, पेंट पोती हुई है ताकि कोई वाहन का नंबर नहीं ले सके। ये वाहन खदान पर नंबर लगाने के लिए इतनी स्पीड में दौड़ते हैं कि कौन कब किसकी ये जान ले लें, कोई नहीं जानता।

कमिश्नर-डीएम के सामने उठ चुका मामला

- ओवरलोड बिना नंबर के दौड़ रहे डंपर का मामला मंडलायुक्त और जिलाधिकारी के समक्ष नवीन सभागार में दो माह पूर्व उठ चुका है, उस समय कानपुर देहात के एआरटीओ प्रवर्तन से बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों का मामला उठा था जिसमें एक जनप्रतिनिधि में बताया कि 10 मिनट में उन्होंने 10 बिना नंबर के डंपर गिने हैं। जिलाधिकारी ने सख्त कार्रवाई के आदेश दिये थे लेकिन सब हवा हवाई हो गया।

हाईवे की घेराबंदी करके बिना नंबर दौड़ने वाले वाहनों पर कार्रवाई होती है। ऐसे वाहन सीज भी किये जाते हैं। पिछले माह दिसंबर 2025 में बड़ी संख्या में ऐसे वाहनों पर कार्रवाई की गई है।
राहुल श्रीवास्तव, संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन कानपुर नगर

बिना नंबर प्लेट दौड़ रहा डंपर। अमृत विचार

हमीरपुर से कानपुर तक लाइन नहीं टूटती, सड़कें जख्मी

- हमीरपुर से कानपुर तक रातभर डंपर की लाइन नहीं टूटती है और इन डंपर में इतना लोड होता है कि सड़कें क्षतिग्रस्त हो गयी हैं। ये डंपर शाम से सुबह 10 बजे तक हमीरपुर की ओर से आते हैं और सुबह 10 बजे के बाद ये डंपर मौरंग गिट्टी उतारने के बाद वापस जाते हैं। माल उतारने के बाद इन डंपर में नंबर प्लेट लगा दी जाती हैं ताकि कोई दिक्कत नहीं आए। सागर हाईवे और झांसी हाईवे पर ओवरलोड वाहनों को पकड़ने के लिए आरटीओ प्रवर्तन की टीम लगी रहती हैं लेकिन इक्का दुक्का किसी समय कोई डंपर पकड़कर थाने के हवाले कर देते हैं ताकि ये भी दिखा दिया जाए कि धर पकड़ चल रही है।

सिटी ब्रीफ

संतलाल हाते में नहीं बिछ सकती सीवर लाइन

कानपुर। संतलाल हाते में सीवर लाइन का कार्य करने को लेकर जलकल ने हाथ खड़े कर दिए हैं। पार्षद पवन गुप्ता के सदन में विरोध और रविवार को क्षेत्रीय लोगों की ओर से प्रभारी मंत्री को दिए ज्ञापन के बाद जलकल ने स्थिति साफ कर दी। अधिशाषी अभियंता जोन 4 ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि संतलाल हाता विवादित होने के कारण यह स्पष्ट नहीं है कि यह भूमि प्राइवेट है या सरकारी। जिसके कारण जलकल विभाग द्वारा सीवर लाइन बिछाने का कार्य संभव नहीं है। जलकल जीएम आनंद कुमार त्रिपाठी ने कहा कि भूमि के स्वामित्व निर्धारित होने के बाद ही आगे की कार्यवाही की जा सकेगी।

महिला आयोग सदस्य 7 को करेंगी जनसुनवाई

कानपुर। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य पूनम द्विवेदी एवं अनिता गुप्ता 7 जनवरी को सर्किट हाउस में प्रातः 11 बजे से महिला जनसुनवाई करेंगी। आंगनबाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण भी किया जाएगा।

प्रतापगढ़ इंटरसिटी को मानक नगर में ठहराव

कानपुर। गाड़ी सं.14123/14124 (मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ -कानपुर सेन्ट्रल) इंटरसिटी एक्सप्रेस को मानक नगर स्टेशन पर 1 मिनट का ठहराव दिया गया है। ये गाड़ी प्रतापगढ़ से आने पर प्रातः 8.01 बजे पहुंचेगी और 1 मिनट बाद कानपुर के लिए रवाना हो जाएगी। इसी प्रकार कानपुर सेंट्रल स्टेशन से रवाना होने पर ये गाड़ी सायं 6.34 बजे मानक नगर पहुंचेगी और 1 मिनट बाद रवाना हो जाएगी।

कैबिनेट की हरी झंडी मिलते ही सेतु निगम ने कर रखी है टेंडर प्रक्रिया की तैयारी

वीआईपी रोड से ट्रांसगंगा पुल का खत्म होगा इंतजार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- 10 साल से लंबित पुल का काम वित्तीय वर्ष में शुरू हो सकता है
- 730 करोड़ है बजट

730 करोड़ रुपये लागत को शासन की वित्त व्यय समिति दे चुकी है मंजूरी

अमृत विचार। वीआईपी रोड को सीधे उन्नाव स्थित ट्रांसगंगा सिटी से जोड़ने वाले वाई-आकार की पुल परियोजना का निर्माण कार्य शुरू करने के लिए अब केवल कैबिनेट की मंजूरी का इंतजार बाकी है। माना जा रहा है कि बीते 10 वर्ष से लंबित इस पुल का काम नए वित्तीय वर्ष से आरंभ हो सकता है। सेतु निगम ने इस पुल को बनाने के लिए तीन साल की समय सीमा तय की है। शासन की वित्त व्यय समिति पुल निर्माण के लिए यूपीसीडा द्वारा भेजे गए 730 करोड़ रुपये के संशोधित बजट को पहले ही स्वीकृति प्रदान कर चुकी है।

सेतु निगम के महाप्रबंधक धर्मवीर सिंह का कहना है कि ट्रांसगंगा सिटी पुल निर्माण का शासनादेश जारी होते ही टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। इस पुल के लिए वर्ष 2015 से लगातार प्रयास चल रहे थे। पहले सरसैया घाट से पुल निर्माण को स्वीकृति मिली थी, लेकिन स्थानीय प्रशासन ने इससे वीआईपी रोड पर यातायात जाम का हवाला देते हुए शासन से डिजाइन बदलने का अनुरोध किया। इसके बाद दोबारा पुल निर्माण के लिए रानीघाट और धोबीघाट से डिजाइन तैयार किया गया।

रानीघाट पंपिंग स्टेशन के पास बने 33 आवास टूटेंगे, भैरोघाट पर बनेंगे

- रानीघाट पंपिंग स्टेशन के पास बने 33 आवासों को निष्प्रयोज्य घोषित कर दिया गया है। लोक निर्माण विभाग के सर्वे के अनुसार ये आवास पुल की डिजाइन में बाधक होने के कारण हटाने पड़ेंगे। इनकी जगह नए आवास भैरोघाट के पास बनाए जाएंगे, जिनकी लागत 13 करोड़ रुपये अनुमानित है। पीडब्ल्यूडी निर्माण खंड के सहायक अभियंता राहुल सिंह ने बताया कि सर्वे रिपोर्ट पूरी कर ली गई है और नए आवासों के निर्माण का प्रस्ताव जल निगम को भेज दिया गया है। मुख्यालय से स्वीकृति मिलते ही ध्वस्तीकरण और निर्माण प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।
- ट्रांसगंगा सिटी को वीआईपी रोड से जोड़ने के लिए प्रस्तावित पुल पिछले दस वर्षों से कागजों में अटका था। साल 2024-25 के दौरान यूपीसीडा बोर्ड की बैठकों में संशोधित बजट और डीपीआर को कई चरणों में परखा गया। इसी वर्ष अप्रैल में यूपीसीडा बोर्ड ने 799 करोड़ रुपये का संशोधित बजट अनुमोदित कर शासन को भेजा था, जिसे जून में वित्त व्यय समिति ने कुछ आपत्तियों के साथ वापस कर दिया था। यूपीसीडा ने आपत्तियों का निस्तारण करते हुए दस्तावेज दोबारा से प्रस्तुत किए, जिसके बाद संशोधित बजट को अंतिम मंजूरी वित्त व्यय समिति ने प्रदान कर दी।

चार किमी लंबे वाई आकार के पुल से समय बचेगा, निवेश बढ़ेगा

- सेतु निगम की रिपोर्ट के अनुसार पुल की कुल लंबाई चार किलोमीटर होगी। इसमें करीब 1825 मीटर हिस्सा गंगा नदी के ऊपर रहेगा। पुल की शुरुआत रानीघाट जलकल पंपिंग स्टेशन से होगी और आगे धोबीघाट तक पहुंचेगी। ट्रांसगंगा सिटी के गेट नंबर दो से लगभग 400 मीटर पहले दोनों ओर से आने वाला पुल मिलकर फोरलेन मार्ग में तब्दील हो जाएगा। इससे भारी वाहनों और आवागमन का दबाव नियंत्रित रहेगा। इस पुल का निर्माण होने से वीआईपी रोड से न सिर्फ ट्रांसगंगा सिटी तक पहुंचने में लगने वाला समय काफी कम हो जाएगा, बल्कि कानपुर से उन्नाव और लखनऊ का सफर भी आसान हो जाएगा। यही नहीं, प्रदेश के कई शहरों से कानपुर मुख्यालय (यूपीसीडा) आने वाले उद्यमियों व निवेशकों का कहना था, उन्हें पुराने पुलों से आने पर कई घंटे जाम में फंसना पड़ता है, ऐसे में ट्रांस गंगा सिटी पुल बन जाने से जहां जाम की समस्या खत्म होगी, वहीं कानपुर को दूसरे शहरों से कारोबार व निवेश भी मिल सकेगा।

समस्या आम-अतिक्रमण और जाम

स्मार्ट सिटी में जन-जन की समस्या आम है जगह जगह सड़क पर अतिक्रमण है जिसके कारण ट्रैफिक जाम है। जिससे राहगीर कदम-कदम पर परेशान हैं और अधिकारी अनजान हैं। दुकानों के बाहर सड़क पर दुकानदारों का अतिक्रमण है तो कहीं सड़क पर ही वाहनों की अवैध पार्किंग है और चौराहे पर ई रिक्शा चालकों की अराजकता है। यह तस्वीर हालसी रोड की है जहां पर अतिक्रमण कर सड़क पर खड़े वाहन से पैदल चलना भी दूभर है। शहर में कई बार अतिक्रमण हटाने की योजनाएं बन चुकी हैं और समय-समय पर अतिक्रमण हटाया भी जाता है लेकिन समस्या का ठोस इंतजाम आज तक नहीं हो पाया है।
- मनोज तिवारी

ट्रेनों में लूट करने वाले दो लुटेरे गिरफ्तार

कानपुर। सेंट्रल स्टेशन पर जीआरपी प्रभारी ओम नारायण सिंह की अगुवाई में चल रही चेकिंग के दौरान दो लुटेरे आशू खान निवासी गंगाघाट, शिवम निषाद निवासी देवरहट कानपुर देहात को गिरफ्तार किया गया। जीआरपी प्रभारी ने बताया कि आउटर पर ट्रेन धीमी होने पर ये अपराधी खिड़की या दरवाजे के नजदीक बैठे यात्रियों को टारगेट करते थे।

महिला मरीज की मौत पर सीएमओ कोर्ट में तलब

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- सिंधी हॉस्पिटल की डॉ.रेनू भाटिया पर इलाज के दौरान लापरवाही का आरोप

अमृत विचार। हेपेटाइटिस-सी ग्रस्त मरीज की ऑपरेशन के बाद मौत के मामले में सीएमओ से कोर्ट ने रिपोर्ट मांगी थी, लेकिन 10 तिथियां बीतने के बाद भी सीएमओ ने कोर्ट को रिपोर्ट नहीं दी। इस मामले में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सूरज मिश्रा ने सीएमओ को तलब कर 19 जनवरी 2026 तक रिपोर्ट देने के आदेश दिए हैं।

पनकी निवासी लाल बहादुर श्रीवास्तव ने सीजेएम कोर्ट में याचिका दर्ज की थी। आरोप है कि पत्नी मंजू श्रीवास्तव को अचानक 29 अगस्त 2024 को पेट में दर्द होने पर गोविंद नगर स्थित सिंधी हास्पिटल ले गए थे। जांच में ओवरी में दाहिनी ओर 70 एमएम का सिष्ट की जानकारी दी गई थी। इस वजह से चार सितंबर को पत्नी का ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के बाद पत्नी की हालत में सुधार आने के बजाय स्थिति और खराब हो गई। आरोप है कि पत्नी की रिपोर्ट हेपेटाइटिस-सी ग्रस्त आने के बाद भी डॉक्टर द्वारा ऑपरेशन किया गया, जिससे हालत खराब हुई। इसके बाद वह पत्नी को लखनऊ स्थित एक अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। लाल बहादुर श्रीवास्तव ने इलाज के दौरान लापरवाही से पत्नी की मौत होने का आरोप डॉ. रेनू भाटिया लगाया।

डॉ.रेनू को पक्षकार बनाते हुए कोर्ट में याचिका दर्ज की। इसपर कोर्ट ने दो मई 2025 को प्रकीर्ण वाद दर्ज किया था। इसी मामले में कोर्ट ने सीएमओ से डॉक्टरों का विशेष पैनल गठित कर सात अगस्त तक रिपोर्ट मांगी थी। लेकिन कई तारीखें लगने के बाद भी सीएमओ ने रिपोर्ट कोर्ट में नहीं सौंपी। इसपर कोर्ट ने सीएमओ को नोटिस जारी कर 19 जनवरी 2026 तक रिपोर्ट देने के आदेश दिए हैं।

आम सभा को संबोधित करते वक्ता। अमृत विचार

मनोज बंका फिर प्रांतीय अध्यक्ष चुन लिए गए

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- पीआईए की आम सभा में निर्विरोध हुआ निर्णय, मिथिलेश गुप्ता प्रांतीय महामंत्री बने

अमृत विचार। प्राविंसियल इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन (पीआईए) की आम सभा सोमवार को हुई। नई कार्यकारिणी चुनी गई। मनोज बंका फिर से प्रांतीय अध्यक्ष के रूप में निर्विरोध चुने गए। मिथिलेश गुप्ता प्रांतीय महामंत्री बने।

आम सभा में चुनाव अधिकारी ज्ञातदत्त वर्मा व सह चुनाव अधिकारी अरूण भाटिया ने भूमिका निभाई। अगले सत्र के लिए प्रान्तीय कोषाध्यक्ष भगवान दास शिवानी का नाम घोषित किया गया। सभा में प्रान्तीय अध्यक्ष मनोज बंका ने मण्डल अध्यक्ष बृजेश अवस्थी, मण्डल महामंत्री सूर्यभान पटेल, नगर अध्यक्ष विनय अग्निहोत्री व नगर महामंत्री आदर्श अग्रवाल के नाम को घोषित किया। इस दौरान संस्था के संस्थापक अध्यक्ष सुनील गुप्ता मौजूद रहे। वार्षिक शुल्क बढ़ाये जाने का अनुमोदन भी सभी सदस्यों द्वारा किया गया। महामंत्री मिथिलेश गुप्ता द्वारा संस्था की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुति की गई। वरिष्ठ उपाध्यक्ष मिक्की मनचन्दा को संगठन को आगे ले जाने एवं नये सदस्यों को बनाने के लिए सम्मानित किया गया। सदस्य आदर्श अग्रवाल को भी उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। प्रान्तीय अध्यक्ष मनोज बंका ने बताया कि जीसी जैनपुर एवं जैनपुर कानपुर देहात में सीईटीपी के लिए कान्वेन्स पैनल डलवाने के साथ विकास कार्य एवं रूमा क्षेत्र में अटल योजना में विकास कार्य करवाया गया। इसके साथ इस्पात नगर में 95 करोड़ का इस्टीमेट हुआ। जिसमें 58 करोड़ शासन द्वारा स्वीकृत कराये गये। कानपुर देहात नवीपुर गजनेर की फोर लेन सड़क निर्माण के साथ ही भौंती भीमसेन मार्ग का चौड़ीकरण एवं 33 केवीए सब स्टेशन स्थापित कराये जाने का कार्य संस्था द्वारा कराया गया।

हैदराबाद, बेंगलुरु मुंबई फ्लाइट लेट

कानपुर। सोमवार को मुंबई की फ्लाइट ढाई घंटे लेट रही जबकि हैदराबाद की फ्लाइट ने 22 मिनट देरी से कानपुर के रनवे पर कदम रखा। दिल्ली की फ्लाइट मात्र 10 मिनट देरी से कानपुर आई। कानपुर एयरपोर्ट पर हैदराबाद की फ्लाइट निधार्रित समय से 22 मिनट की देरी पर दोपहर 1.05 बजे कानपुर आई और दोपहर 1.35 बजे हैदराबाद के लिए टेकआफ किया। इसी प्रकार बेंगलुरु की फ्लाइट 26 मिनट देरी से आई। मुंबई की फ्लाइट सायं 5 बजे कानपुर आई और सायं 5.28 बजे मुंबई के लिए उड़ान भरी।

मिले कूड़े के ढेर, टेस्टिंग रजिस्टर गायब

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- नगर आयुक्त ने सोमवार को बायोरेमिडिएशन कार्यों का किया औचक निरीक्षण

अमृत विचार। नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने नालों में हो रहे बायोरेमिडिएशन कार्य का औचक निरीक्षण किया। इसदौरान रानीघाट नाले के पास बड़ी मात्रा में कूड़ा मिला। जोनल अभियन्ता-4 मीनाक्षी अग्रवाल ने नगर आयुक्त को बताया कि पानी के नमूने सीएसआईआर भेजे गए हैं। बायोरेमेडिएशन स्थल पर टेस्टिंग विश्लेषण पुस्तिका नहीं पाए जाने पर नगर आयुक्त ने कहा कि जांच की रख-रखाव के लिए रजिस्टर रखा जाए और अभियन्ता के हस्ताक्षर किए जाये।

नगर आयुक्त ने रानीघाट स्थित बायोरेमेडिएशन स्थल का निरीक्षण किया।

अधिकारियों ने बताया कि गंगा नदी में 07 नाले रानीघाट, गोला घाट, रामेश्वर घाट, सत्तीचैरा घाट, डबका नाला, गुप्तारघाट, परमिया में बायोरेमिडिएशन का कार्य हो रहा है। यह नाले गंगा नदी में प्रवाहित हो रहे हैं। इसके साथ ही गन्दा नाला, हलवाखाड़ा नाला, पनकी थर्मल नाला, अर्रा बिनगवां नाला, सागर पुरी नाला, पिपौरी नाले में बायोरेमिडिएशन के माध्यम से पाण्डु नदी में प्रवाह किया जा रहा है। मीनाक्षी अग्रवाल ने बताया कि बायोरेमिडिएशन के जरिए पानी में 40 प्रतिशत बीओडी और सीओडी कम हो जाना चाहिए और ट्रायल पीरियड के बाद 70 प्रतिशत कम होना चाहिए। नगर आयुक्त ने कहा कि बायोरेमेडिएशन स्थल पर प्रतिदिन दी जाने वाली एंजाइम,वैक्टीरिया,रसायन की मात्रा को रिकार्ड करने के लिए रजिस्टर रखा जाये तथा दिन में एंजाइम डालते समय जियोटैग फोटो ली जाये।

मौसम पहाड़ों से आने वाली हवाएं एक-दो दिन में दिखा सकतीं असर

बर्फीली हवाएं आएंगी, और गलन बढ़ाएंगी

सर्दी से बचने की जुगत, खूब ओढ़ो-पहनो।

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर में सर्दी के सितम के बीच अब तेज हवाएं भी चल सकती हैं। मौसम विशेषज्ञों ने पहाड़ों से आने वाली इन तेज हवाओं के दो से तीन दिन के भीतर असर दिखाने की बात कही है। यह संभावना जताई है कि इन तेज हवाओं से शहर के तापमान में और अधिक कमी दर्ज की जा सकती है। बावजूद इसके कोहरे से राहत शहरवासियों को जरूर मिल सकती है।

शहर में सुबह से ही सर्दी ने अपना असर छोड़ा। दोपहर को धूप निकलने की वजह से शहरवासियों को तीन दिनों से सर्दी के सितम से कुछ राहत मिली। मौसम विभाग की ओर से न्यूनतम तापमान 5.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तापमान में 24 घंटे के भीतर लगभग दो डिग्री सेल्सियस की बढोतरी दर्ज हुई।

पूरे प्रदेश में शहर सर्दी के मामले में पांचवे स्थान पर रहा। उधर मौसम विभाग की ओर से अधिकतम तापमान 17.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। उत्तर पश्चिमी हवाओं ने गलन पैदा की। हवाओं की गति सोमवार को 2.8 किलो मीटर प्रति घंटा रिकॉर्ड की गई। मौसम विशेषज्ञों ने जल्द ही शहर में हवाओं की गति के बढ़ने का अनुमान लगाया है।

मौसम विशेषज्ञ एससन सुनील पाण्डेय ने बताया कि अगले 3 दिनों में नमी के कारण सुबह शाम धुंध, कोहरा रह सकता है। दिन में धूप निकलने के साथ उत्तर पश्चिमी हवाओं की गति अब बढ़ने की संभावना है। कानपुर मंडल सहित प्रदेश में रात के तापमान में उतार चढ़ाव के साथ रात ,सुबह ,शाम और अब दिन में भी शीत लहर और गलन रहेगी। प्रदूषण और शाम और सुबह धुंध भी नमी के कारण बनी रहेगी। शीत लहर की संभावना बनी रहेगी।

सिटी ब्रीफ

श्याम नगर में ऑटो चालक ने फंदा लगाकर जान दी

कानपुर। चकेरी थाना क्षेत्र के श्याम नगर सी ब्लॉक में रविवार शाम ऑटो चालक सोलू निषाद (22) ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। परिजनों ने बताया कि रविवार शाम सोलू शराब के नशे में घर लौटा और कमरे में चला गया। भाइयों के अनुसार जब शाम तक कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो उन लोगों ने दरवाजा खटखटाया। कोई हरकत नहीं होने पर पुलिस को सूचना देकर दरवाजा तोड़ा गया। कमरे में साड़ी के फंदे से शव लटका मिला। सकरी थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्रा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

लोहे की राड से हमला कर घायल किया

कानपुर। गोविंदनगर थानाक्षेत्र के सेवाग्राम कालोनी निवासी हरिशंकर ने बताया कि मुहल्ले में रहने वाले विष्णु और सागर शुक्ला रेलवे की खाली जमीन पर कब्जा करना चाहते थे, जिसका विरोध उन्होंने और उनके भाई उमाशंकर ने किया था। इसी खुन्नस में विष्णु, सागर, आकाश, साहिल, शंकर ने पांच-छह अज्ञात साथियों के साथ मिलकर भाई पर लोहे की राड से हमला कर दिया। इसके बाद मरणासन्न हालत में छोड़कर भाग निकले। जानकारी पर उन्होंने घायल भाई को एलएलआर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डाक्टर ने उसकी हालत गंभीर बताई है।

30 हजार रुपये की टप्पेबाजी

कानपुर। दबौली में रहने वाली अनिता काकादेव स्थित एक निजी अस्पताल में स्टाफ नर्स हैं। अनिता के मुताबिक उनका खाता गोविंदनगर की येश बैंक शाखा में हैं। रविवार को उनके भाई का फोन और उसने कुछ रुपयों की जरूरत होने की बात कही। इस पर उन्होंने उसके खाते में रुपये ट्रांसफर करने को कहा तो भाई ने किसी और खाता नंबर देने की बात कहकर फोन काट दिया। अनीता के मुताबिक भाई का फोन कटने के बाद ही एक अंजान नंबर से मोबाइल पर काल आयी। कालर ने खुद को उनके भाई का करीबी बताकर 30 हजार रुपये आनलाइन ट्रांसफर करवा लिए।

मोबाइल की लत बच्चों की धड़कन कर रही कम

उम्र के हिसाब से बच्चों में कम मिल रही दिल की धड़कन, अभिभावक दें ध्यान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- एलपीएस कार्डियोलॉजी संस्थान में प्रतिदिन पहुंच रहे 50 बच्चे

अमृत विचार। जो बच्चे मोबाइल पर अधिक समय बिताते हैं और घर से बाहर निकलकर खेलकूद, रनिंग या जॉगिंग नहीं करते हैं, साथ ही नूडल्स व फॉस्ट फूड का सेवन अधिक करते हैं ऐसे बच्चों की दिल की धड़कन कम मिल रही है। बच्चों को जल्दी थकने, सीने में दर्द व जल्दी सांस फूलने की समस्या हो रही है। इन लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

रावतपुर स्थित कार्डियोलॉजी संस्थान की ओपीडी में प्रतिदिन 50 बच्चे ऐसे पहुंच रहे हैं, जो थोड़ी सी भागदौड़ करने या खेलने पर ही थक जा रहे हैं। सीने में दर्द होने के साथ ही सांस लेने में भी समस्या हो रही है। वरिष्ठ कार्डियोलॉजिस्ट डॉ.नीरज कुमार ने जब इन बच्चों से दिनचर्या की हिस्ट्री ली तो जानकारी हुई कि बच्चे आउटडोर खेलकूद के बजाय मोबाइल पर ही अधिक समय बिताते हैं। पौष्टिक भोजन की जगह मैगी, पास्ता, माइक्रोनी, नूडल्स समेत अन्य फास्ट फूड ज्यादा पसंद करते हैं। उम्र के हिसाब से बच्चों की लाइफस्टाल भी बिगड़ी मिली। बच्चों ने यह भी बताया कि भूख व प्यास भी सही से नहीं लगती और बाहर खेल तक नहीं पाते हैं। मोबाइल पर ही समय बिताते हैं। डॉ.नीरज ने बताया कि इन बच्चों की दिल की जांच कराई गई तो रिपोर्ट में उम्र के हिसाब से दिल की धड़कन कम मिली है, जो चिंता का विषय है। ऐसे में बचपन में रक्तचाप की जांच और बचपन से ही हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा देने की आदतों पर ध्यान देने की जरूरत है।

इसलिए बच्चों का इलाज जरूर कराएं। बताया कि बच्चों की दिल की धड़कन उम्र के हिसाब से कम मिल रही है। नवजात शिशुओं (100-180 बीपीएम) की धड़कन सबसे तेज होती है और बड़े बच्चों व किशोरों (60-100 बीपीएम) में यह धीरे-धीरे वयस्क दर के करीब पहुंच जाती है।

कार्डियोलॉजी संस्थान में लगी मरीजों की भीड़। अमृत विचार

मुख्य लक्षण

- धड़कन का बार-बार बहुत तेज या बहुत धीमा होना
- बेहोशी या चक्कर आना
- सीने में दर्द या बेचैनी
- सांस लेने में परेशानी
- बहुत ज्यादा पसीना आना
- बेवजह थकान और सुस्ती का महसूस होना।

ये हो सकते हैं नुकसान

- कार्डियोलॉजिस्ट के मुताबिक बच्चों की दिल की धड़कन कम होने से शरीर और दिमाग में खून व ऑक्सीजन की कमी होती है, जिससे थकान, चक्कर आना, सांस फूलना, चिड़चिड़ापन व ध्यान केंद्रित करने में मुश्किल होती है और गंभीर मामलों में हृदय गति रुकना (कार्डियक अरेस्ट) या हृदय विफलता (हार्ट फेलियर) भी हो सकती है, जो जीवन के लिए खतरा बन सकती है। वहीं, लंबे समय तक धीमी धड़कन हृदय पर दबाव डालती है और उसकी पंप करने की क्षमता को कम कर सकती है। नवजात शिशुओं में दिल की धड़कन कम होने पर उन्हें दूध पीने में कठिनाई, पीला दिखना और स्तनपान के दौरान हांफना या पसीना आने की समस्या को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

उम्र के अनुसार सामान्य हृदय गति (धड़कन प्रति मिनट -बीपीएम)

- नवजात शिशु (0-1 माह) - 100-180 बीपीएम
- शिशु (1 माह - 1 वर्ष)- 90-160 बीपीएम
- छोटे बच्चे (1-3 वर्ष)- 98-140 बीपीएम
- प्री-स्कूल बच्चे (3-5 वर्ष)- 80-120 बीपीएम
- स्कूल जाने वाले बच्चे (5-12 वर्ष)- 70-118 बीपीएम
- किशोर (13-18 वर्ष)- 60-100 बीपीएम

ग्वालियर से आए बुजुर्ग का शव नाले में पड़ा मिला

- 13 दिन पहले नाले में मिले शव की हुई शिनाख्त, हत्या की आशंका जताई
- 19 दिसंबर को बेटी की ससुराल ग्वालियर से कानपुर के लिए निकला था बुजुर्ग

कल्याणपुर संवददाता। पनकी इंडस्ट्रियल एरिया में 13 दिन पहले नाले में पड़े मिले बुजुर्ग की शिनाख्त सोमवार को परिजनों ने कपड़ों की मदद से पिता कप्तान सिंह के रूप में की। जो बरौनी एक्सप्रेस में बैठकर ग्वालियर से कानपुर के लिए निकले, लेकिन सेंट्रल नही पहुंचे। इंडस्ट्रियल एरिया में शव मिलने व सामान गायब होने के चलते परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है।

कानपुर देहात के गजनेर कुरारी गांव निवासी 75 वर्षीय कप्तान सिंह एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बेटी के घर ग्वालियर गए थे। बड़े बेटे श्याम सिंह ने बताया कि गत 19 दिसंबर को पिता बरौनी एक्सप्रेस में बैठकर कानपुर के लिए निकले थे। जिन्हें छोटा भाई काके लेने के लिए कानपुर सेंट्रल पहुंचा था। लेकिन पिता के न मिलने पर वह घर वापस आ गया। इधर-उधर तलाश करने के बाद उन्होंने पिता की फोटो को सोशल मीडिया पर वायरल कर जानकारी जुटाई, तो पनकी पुलिस ने उन्हें 24 दिसंबर को एक शव नाले में पड़े मिलने की जानकारी दी।

जिसपर पनकी थाने पहुंचे परिजनों ने कपड़ों से मृतक की शिनाख्त अपने पिता के रूप में की। पनकी थाना प्रभारी ने बताया कि बुजुर्ग की कि शिनाख्त हो गई है। परिजनों से तहरीर प्राप्त होने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

कल्याणपुर। विजयनगर निवासी प्रांशु शुक्ला व दबौली निवासी नीरज सिंह के रतनपुर में निर्माणाधीन मकान हैं।

प्रांशु के मुताबिक रविवार भोर मकानों में दाखिल हुए चोर बिजली का तार समेत अन्य कीमती उपकरण उठा ले गए थे। मामले की जांच में जुटी पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कांशीराम कालोनी निवासी करन कश्यप को गिरफ़्तार कर उसकी निशानदेही पर चोरी का लगभग पूरा माल बड़ा कर लिया है।

सोहन लाल कंपाउंड में बहुमंजिली इमारत में आग

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- बिल्डिंग की दूसरी मंजिल पर गोदाम में लगी आग
- बिल्डिंग में फंसे लोगों को सकुशल बाहर निकाला

अमृत विचार। बासमंडी स्थित सोहन लाल कंपाउंड स्थित एक बहुमंजिली इमारत की दूसरी मंजिल पर एक लेदर सैडरी गोदाम में भीषण आग लगी जिससे अफरातफरी मच गयी। आधा दर्जन से अधिक दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची। घटना के दौरान बिल्डिंग में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

सोमवार को प्रातः 11 बजे सोहल लाल हाता में आग लगने की जानकारी फायर ब्रिगेड को क्षेत्र के बिलाल द्वारा दी गई। सोहन लाल का हाता काफी घनी आबादी वाला क्षेत्र है, इसलिए मुख्य अग्निशमन अधिकारी दीपक शर्मा स्वयं मौके पर पहुंचे और कई फायर स्टेशन की गाड़ियां मौके पर पहुंची तो देखा कि आसिफ अनवर के लेदर सैडलरी गोदाम में शोले भड़क रहे थे। अनुमान है कि ये आग शार्ट सर्किट से लगी है। आसपास आवासीय एवं व्यवसायिक क्षेत्र होने के कारण फायर जवानों ने पहले आग को आगे बढ़ने से रोका। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है लेकिन गोदाम को भारी नुकसान पहुंचा है।

बासमंडी में लगी आग बुझाते दमकल कर्मी। अमृत विचार

बस अड्डे की शिफ्टिंग का कार्य रुका

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- रामादेवी से आने वाले फ्लाईओवर के खंभे भी बस अड्डे के अंदर होंगे
- अधिकारियों के साथ पीपीपी मॉडल कंपनी ने किया निरीक्षण

अमृत विचार। शहीद मेजर सलमान खान अंतर्राज्यीय झकरकटी बस अड्डे का पीपीपी मॉडल के तहत निर्माण जैसे उसकी किस्मत में ही नहीं है। जिस कंपनी ने निर्माण का ठेका लिया है, वह भी अब हाथ-पैर छोड़ रही है लेकिन उसके सामने समस्या ये है कि 2 करोड़ रुपये परिवहन के पास अग्रिम जमानत के तौर पर जमा हैं जो जब्त हो जाएंगे।

झकरकटी बस अड्डे पर पीपीपी मॉडल के तहत कार्य करने का ठेका सीगल कंपनी ने लिया है। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के पीपीपी मॉडल देखने वाले वरिष्ठ अधिकारी यजवेंद्र सिंह के अतिरिक्त कंपनी से प्रबंध निदेशक और कानपुर परिक्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक महेश कुमार समेत कई अधिकारियों ने झकरकटी बस अड्डे का निरीक्षण किया। सर्वे में कई खामियां निकलकर आईं जिससे सीगर कंपनी के हाथ पांव फूले हैं। हालांकि परिवहन अधिकारी ये बात कर रहे हैं कि दुबारा नक्शा बनाकर काम शुरू कराया जाएगा। झकरकटी बस अडडे को पीपीपी मॉडल के तहत निर्माण को लेकर मंडलायुक्त के विजेंद्र पाण्डियन ने बैठक की थी जिसमें तय हुआ था कि 15 दिनों के भीतर बस अड्डा खाली होने लगेगा, उसके बाद बस अड्डा पर पंखे आदि उतारने का काम शुरू हो गया था लेकिन अब इस काम को रोक दिया गया है।

झकरकटी बस अड्डे में खड़ी बसें। अमृत विचार

रामादेवी फ्लाईओवर की नई मुसीबत

- सीगल कंपनी के प्रबंध निदेशक ने परिवहन अधिकारियों को अवगत कराया कि जल्द ही रामादेवी से एक फ्लाईओवर बनने जा रहा है जो रावतपुर की ओर जाएगा। इस फ्लाईओवर के खंभे झकरकटी बस अड्डा के अंदर होंगे जिससे जगह और कम हो जाएगी। हालांकि परिवहन अधिकारियों ने इस फ्लाईओवर को लेकर अनभिज्ञता जताई।

बस अड्डे पर पीपीपी मॉडल की मुसीबत देखें

- बस अड्डा के 60 फिट नीचे मेट्रो स्टेशन बन गया है, स्टेशन के दायें बायें 25 फिट कोई खुदाई नहीं की जा सकती है क्योंकि इससे रेलवे ट्रैक को खतरा हो जाएगा।
- बस अड्डे पर मेट्रो स्टेशन ने दो कमरे मुख्य द्वार के पास बना दिये हैं जिससे मेन गेट पर मुश्किल से 9 मीटर ही फ्रंट बचा है जबकि ठेके में 12 मीटर फ्रंट दर्शाया गया है।

पीपीपी मॉडल के तहत ये योजना

- कुल लागत 143 करोड़ रुपये
- बस अड्डे का फ्रंट 12 मीटर
- बस अड्डे पर भूतल दो तल, ऊपर 7 तल बनाना है लेकिन भूतल में खोदाई नहीं हो सकती क्योंकि मेट्रो ने अपनी रेलवे लाइन बिछा दी है।
- भूतल में पार्किंग बनाने की योजना थी लेकिन पार्किंग के स्थान पर मेट्रो स्टेशन बन चुका है।

बस अड्डे को पीपीपी मॉडल के तहत बनाने के लिए अभी मुख्यालय से कोई आदेश नहीं आया है, मुख्यालय से जैसा आदेश मिलेगा, वैसे किया जाएगा।

–महेश कुमार, क्षेत्रीय प्रबंधक, कानपुर परिक्षेत्र परिवहन

धरने पर नारेबाजी करते लोग। अमृत विचार

जुही में कुत्तों ने महिला को गिराया, नोचा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जुही में आवारा कुत्तों ने आतंक मचा रखा है। रविवार देर रात घर से दवा लेने निकली महिला सुनीता गुप्ता पर कुत्तों ने हमला बोल दिया और जमीन पर गिरा दिया। एक साथ कुत्तों के हमले से महिला दशहत में चिल्लाने लगी। इसके बाद कुत्तों ने उसके कपड़ों को मुंह में दबाकर खींचने की कोशिश की। महिला के शोर मचाने पर आस-पास के लोग दौड़े और कुत्तों को खदेड़कर उसकी जान बचाई। पूरी घटना एक घर पर लगे सीसी कैमरे में कैद हुई। पार्षद ने आरोप लगाया कि पांच कुत्ते पिछले 10 दिनों से लगातार अटैक कर रहे हैं। नगर निगम को जानकारी दी फिर भी कोई कार्रवाई नहीं की गई।

वार्ड -14 की पार्षद शालू सुनील कनौजिया ने बताया कि बीते 10 दिन से कुत्तों ने इलाके में आतंक मचा रखा है। आए दिन कुत्ते किसी न किसी को अपना शिकार बना रहे हैं। रविवार को ही ननिहाल में रह रहे छह साल का मासूम घर के बाहर खेल रहा था, तभी कुत्तों ने उस पर हमला कर काट लिया था। उनका आरोप है कि उन्होंने इसकी शिकायत कैटल कैचिंग विभाग के साथ ही नगर निगम के उच्च अधिकारियों से की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई है।

महिला पर हमला करते कुत्ते। सीसीटीवी फुटेज में कैद तस्वीर।

पार्षद की जानकारी पर कैटिल कैचिंग टीम को भेजा गया है। कुत्तों को पकड़कर एबीसी सेंटर में नियमानुसार रखा जायेगा।

– डॉ. आरके निरंजन, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी

महाना के आश्वासन पर धरना समाप्त

कानपुर। हमीरपुर रोड के किनारे विगत 30 दिसंबर से चल रहा अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के आश्वासन पर समाप्त कर दिया गया।

इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता उपेंद्र तिवारी, व्यापार मंडल अध्यक्ष कमल त्रिपाठी, विवेक गुप्ता, केके त्रिपाठी, रामकेश कैलाश अखिलेश बाजपेई, बृजेश शर्मा उपस्थित रहे।

समस्या कई मोहल्लों में दूषित पानी की सप्लाई जारी, नालियों से होकर जाने वाली पाइप लाइनें बनी वजह

गंदगी से निकली पाइप लाइनें, टोटियां गायब

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर में चमनगंज, अफीम कोठी, दर्शनपुरवा, बेकनगंज, जनरलगंज, गांधीनगर, रामबाग, जवाहर नगर, नई सड़क समेत कई इलाकों में अवैध कनेक्शन हैं। जिन्हें पहले काटा गया है, लेकिन फिर से लोग जोड़ लेते हैं। इससे मुख्य पाइप लाइन में लीकेज होने की समस्या बढ़ गई।

वहीं, गोविंदनगर, बर्रा, चमनगंज, परेड, दर्शनपुरवा, जूही, सरायमीता, पनकी, रामबाग, जवाहर नगर, नेहरू नगर समेत कई इलाकों में गलियों, नालियों से होकर लोगों ने पाइप लाइनें दौड़ा रखी हैं। पाइप लाइन लीकेज होने की वजह से नाली का गंदा पानी घरों में सप्लाई हो रहा है।

लक्ष्मीपुरवा 25 क्वार्टर और विनोबा नगर में हाल बहुत ही खराब हैं। लक्ष्मीपुरवा 25 क्वार्टर में सबमर्सिबल में टोटियां तक गायब हैं। यहां घरों तक दौड़ी पाइप लाइन नालियों से गुजरी हैं। इससे घरों में गंदा पानी आ रहा है।

शासन की सख्ती के बाद शहर में पानी की जांच के लिए टीमें घर-घर, मोहल्ले-मोहल्ले पहुंच रही हैं। दूसरे दिन करीब 450 जगह से पानी के नमूने भरे गए। पहले दिन 580 जगह पानी के नमूने भरे गए थे। जिनकी जांच जलकल की प्रयोगशाला में की जा रही है। जलकल महाप्रबंधक आनंद कुमार त्रिपाठी ने बताया कि ओटी (ऑर्थोटोलिडीन टेस्ट) जांच में पानी की जांच सही मिला है, लेकिन प्रयोगशाला की जांच के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

पानी की जांच के लिए जलकल के जेई, एक्सईएन के साथ ही 50 स्वयं सेवी महिलाओं को भी लगाया गया है जो प्रतिदिन 10 जगह पानी की जांच कर रही हैं। जलकल जीएम ने बताया कि अब टेस्ट की संख्या और बढ़ाई जाएगी।

नाली से होकर गुजरीं पानी की लाइनें। अमृत विचार

पानी की लाइन में सीवर मिलने का खतरा। अमृत विचार

सबमर्सिबल बंद पड़ा।

तीन दिन बाद काटे जाएंगे अवैध कनेक्शन

- जलकल महाप्रबंधक आनंद कुमार त्रिपाठी ने बताया कि शहर में सभी 6 जोन में सर्वे जारी है। अवैध कनेक्शनों के साथ लीकेज का डाटा एकत्र किया जा रहा है। लीकेज तो तत्काल सही करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, तीन दिन बाद से बड़ी संख्या में अवैध पानी के कनेक्शन काटे जाएंगे। अभी हम लोग लोगों को मौका दे रहे हैं। अगर नहीं सुधरे तो कार्रवाई होगी।

यहां करें शिकायत

- जलकल कंट्रोल रूम : 9235553826, 9235553827
- जलकल जीएम का नंबर : 9235553815
- जलकल मेल पता : gmjkkanpur‹bha›@‹/bha›gmail.com
- स्मार्ट सिटी पोर्टल : kanpursmartcity.org
- स्मार्ट सिटी कमांड कंट्रोल टोल फ्री नंबर : 18001805159
- एप्लीकेशन का नाम : kanpur smart city app
- स्वच्छ एप पोर्टल

दो लुटेरे पकड़े गए सात मोबाइल बरामद

कानपुर। शहर में घूम-घूमकर राहगीरों से मोबाइल लूट और बाजारों व भीड़भाड़ इलाकों में मोबाइल चोरी करने वाले एक गैंग का चमनगंज पुलिस ने खुलासा किया। पुलिस टीम ने गैंग के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया। आरोपितों के पास से सात मोबाइल फोन बरामद किए।

डीसीपी सेंट्रल श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि बीती 31 दिसंबर को लाटूश रोड निवासी फौजिया खान हरसहाय कॉलेज के पास स्थित फैक्ट्री से काम करके लौट रही थी। रास्ते में रामबाग चौराहा के पास स्कूटी सवार दो युवक उनका मोबाइल लूटकर फरार हो गए। सोमवार सुबह पुलिस ने आरोपितों को धर दबोचा। आरोपितों के पास से पुलिस ने लूट की घटना में प्रयुक्त स्कूटी और डिग्गी से सात मोबाइल बरामद किए। आरोपितों ने अपने नाम बेकनगंज निवासी इकराम और अल्तमश बताया। आरोपितों के अनुसार वह राहगीरों से मोबाइल लूट के अलावा बाजार व भीड़भाड़ वाले इलाके में मोबाइल लूट की वारदात को अंजाम देते थे। इस दौरान अल्तमश स्कूटी चलाता था और इकराम मोबाइल लूटने का काम करता था।

ऑटो में बैठाकर सवारियों को लूटने वाला गैंग पकड़ा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- सरगना समेत चार सदस्य गिरफ्तार, बाकी की तलाश

अमृत विचार। शहर में ऑटो में सवारी बैठाकर लूट करने वाले एक गैंग का सीसामऊ पुलिस ने खुलासा किया। पुलिस ने गैंग के सरगना समेत चार सदस्यों को गिरफ्तार किया। आरोपितों ने नेपाल के कपड़ा व्यापारी से लूट की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने लुटेरों के पास से घटना में प्रयुक्त ऑटो और लूटे गए 6,320 रुपये बरामद किए।

डीसीपी सेंट्रल श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि नेपाल निवासी रामबहादुर बुडा रेडीकेड कपड़ो की फेरी का काम करते है। वह अहमदाबाद से नेपाल अपने घर जा रहे थे। रविवार दोपहर को वह फजलगंज चौराहा पर बस से उतरे। जिसके बाद वह फजलगंज से झकरकटी बस अड्डा जाने के लिए एक ऑटो में बैठे। जिसमें चालक समेत चार लोग पहले से मौजूद थे। रास्ते में आरोपितों ने रामबहादुर बुडा से मारपीट की और उनसे 11,500 रुपये लूट कर उन्हें जीटी स्थित गुंजन टॉकीज के पास ऑटो से उतार दिया। पुलिस टीम सीसी कैमरों की फुटेज से मिले ऑटो नंबर के आधार पर लुटेरों की तलाश में जुटी थी। तभी रविवार देर रात मुखबिर ने जेके कॉटन मिल वाली गली में ऑटो के खड़े होने सूचना दी। जिस पर टीम ने घेराबंदी कर चारों आरोपितों को उस वक्त धर दबोचा जब वह शराब पार्टी कर रहे थे।

पुलिस टीम ने आरोपितों के पास से घटना में प्रयुक्त ऑटो और 6,320 रुपये बरामद किए। आरोपितों ने अपने नाम रावतपुर निवासी राघवेंद्र गुप्ता उर्फ अंशू, दर्शनपुरवा निवासी युवराज तिवारी, अशोक नगर निवासी विजय वर्मा, फजलगंज निवासी उस्मान अली बताया। आरोपितों के गैंग का सरगना राघवेंद्र गुप्ता उर्फ अंशू है। आरोपित पहले भी फजलगंज, काकादेव, नजीराबाद, सीसामऊ आदि थानाक्षेत्र पहले से मुकदमे दर्ज हैं। आरोपित काकादेव थाने से पहले भी जेल जा चुके हैं। आरोपितों को जेल भेजने के बाद गैंग के अन्य सदस्यों की तलाश की जा रही है।

सिटी ब्रीफ

29 को व्यापारी सम्मेलन होगा

कानपुर। प्रतिनिधि उद्योग व्यापार मंडल उत्तर प्रदेश की ओर से 29 जनवरी को मर्चेंट चेंबर सभागार में व्यापारी

अनूप शुक्ला।

सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन में व्यापारियों की व्यापार संबंधी समस्याओं पर गहन मंथन किया जाएगा। यह जानकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष अनूप शुक्ला ने दी। उन्होंने बताया कि सम्मेलन के दौरान संगठन में विस्तार और संघर्ष की रणनीतियों पर भी चर्चा की जाएगी।

गड़रियनपुरवा तक सड़क चौड़ी

कानपुर। रतनपुर से गड़रियनपुरवा (मिर्जापुर) तक संपर्क मार्ग तक नौ मीटर सड़क का चौड़ीकरण किया जाना है, जिसका निर्माण लोक निर्माण विभाग द्वारा एक करोड़ 58 लाख रुपये किया जाएगा। सोमवार को कल्याणपुर विधायक नीलिमा कटियार ने भूमि पूजन कर सड़क चौड़ीकरण की शुरुआत की।

शहर में की जाए पानी की जांच

कानपुर। नगर निगम संयुक्त वाहन चालक कर्मचारी संघ ने जलकर जीएम आनंद कुमार त्रिपाठी से मुलाकात की और दूषित पानी की जांच की मांग की। साथ ही इस प्रकार की घटना प्रदेश के कानपुर में न हो, इसलिए एक हेल्प-डेस्क और एक नोडल अधिकारी नामित किया जाए। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष विनोद कुमार, अखिलेश सिंह, बजरंगी लाल यादव, मनोज कुमार, सानू अहमद, विक्की, मुन्ना, सलीम समेत आदि रहे।

मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होना जरूरी

कानपुर। केशवपुरम क्षेत्र में हैप्पी भारत मिशन की शुरुआत विधायक नीलिमा कटियार ने की। विधायक ने कहा कि किसी भी समाज के स्वस्थ और सशक्त विकास के लिए नागरिकों का मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होना चाहिए। संस्थापक डॉ.नरेश चंद्र ने कहा कि लोगों को अपनी भावनाओं को संतुलित कर और मन, शरीर व आत्मा के समन्वय से जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाकर जीवन को खुशहाल बनाया जा सकता है। इस दौरान प्रो.एके सिंह, डॉ.आभा सिंह, नीतू कटियार, संजय जासवाल समेत आदि लोग रहे।

होजरी उद्योग की छोटी-मझोली इकाइयों के कारोबार को मिलेगी नई उड़ान, निखरेगा उद्योग जगत

सीएम योगी जल्द करेंगे फ्लैटेड फैक्ट्री का उद्घाटन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। दादा नगर औद्योगिक क्षेत्र में प्रदेश की पहली फ्लैटेड फैक्ट्री बनकर तैयार हो गई है। अब इस फैक्ट्री में उत्पादन की शुरुआत होनी है, जिसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को आमंत्रित किया गया है। फ्लैटेड फैक्ट्री एक आधुनिक बहुमंजिला इमारत है, जिसे सूक्ष्म, लघु और मध्यम श्रेणी के उद्योगों के लिए बनाया गया है, ताकि उन्हें कम लागत में रेडी-टू-यूज जगह मिल सके। माना जा रहा है कि यह फैक्ट्री शहरके औद्योगिक स्वरूप को वापस लाने में बड़ा कदम साबित होगी।

विधायक सुरेंद्र मैथानी जिन्होंने मुख्यमंत्री को फैक्ट्री के उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया है, ने बताया कि फ्लैटेड फैक्ट्री शहर में होजरी का हब बनेगी। इसे एमएसएमई सेक्टर को लाभ प्रदान करने के लिए स्थापित किया गया है। अधिकतर उद्यमियों ने अपनी यूनिट आवंटित करा ली है। इस फैक्ट्री का शिलान्यास उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से ही कराया था, इसलिए उद्घाटन भी उन्हीं से कराने की तैयारी है। अभी यह तय नहीं है कि मुख्यमंत्री फैक्ट्री का उद्घाटन खुद आकर या फिर ऑनलाइन करेंगे।

दादा नगर में फ्लैटेड फैक्ट्री प्रदेश व केंद्र सरकार के संयुक्त सहयोग से 65 करोड़ रुपये की लागत से 6101 वर्ग मीटर जमीन पर भूतल सहित चार मंजिला इमारत के रूप में स्थापित की गई है। फैक्ट्री में कुल 150 यूनिट स्थापित होनी हैं। अब तक 135 से अधिक यूनिट की बिक्री हो चुकी है। 30 फीसदी से अधिक इकाइयां महिला उद्यमियों को आवंटित की गई हैं। फ्लैटेड फैक्ट्री में सफेद श्रेणी के उद्योग स्थापित होंगे। इनमें होजरी और रेडीमेड इकाइयां शामिल हैं। पर्यावरण प्रदूषण कम फैलाने वाली इकाइयां सफेद श्रेणी में आती हैं।

विशेषज्ञों का अनुमान है कि फ्लैटेड फैक्ट्री का संचालन शुरू होने से शहर की होजरी इंडस्ट्री की सालाना वृद्धि दर 20 प्रतिशत तक बढ़ सकती है। इसकी वजह यह होगी कि यहां पहले दिन से ही उद्यमी अपने रॉ मटेरियल और मशीनों के साथ आकर उत्पादन शुरू कर सकेंगे।

फ्लैटेड फैक्ट्री तैयार है। अमृत विचार

135 से अधिक यूनिट की बिक्री हुई

- **उद्यमियों के लिए कम लागत में यहां आधुनिक सुविधाओं से लैस स्मार्ट स्पेस**

एक नजर में फ्लैटेड फैक्ट्री

65 करोड़ रुपये आई लागत

6101 वर्ग मीटर जमीन पर स्थापित

30% यूनिट महिला उद्यमियों को

04 मंजिला इमारत भूतल सहित

150 कुल यूनिट स्थापित होनी हैं

20% बढ़ेगी होजरी की सालाना वृद्धि दर

कच्चे माल की सहूलियत, एक ही स्थान पर बिक्री और खरीद हो सकेगी

- इस फैक्ट्री से सबसे अधिक छोटे उद्यमियों को लाभ होगा। एक ही स्थान पर कई इकाइयां मौजूद होने से इकाइयां लगाने वाले उद्यमियों को कारोबार संबंधी काफी सहूलियत मिलेगी। सबसे बड़ी सहूलियत कच्चे माल की उपलब्धता होगी, औद्योगिक क्षेत्र में इकाइयां स्थापित होने से कच्चा माल नजदीक ही हासिल हो जाता है। इससे उसके उत्पादन की कीमत में कमी होती है। इसके अलावा खरीदार भी अक्सर ऐसे ही स्थान को खरीदारी करने के लिए मुफीद मानता है जहां पर एक साथ उसे कई उद्यमियों के उत्पाद की वैराइटी हासिल हो सके। इससे खरीदार तलाशना भी यूनिट स्थापित करने वालों को आसान हो जाता है।

लावारिस शव को कंधा देते समाज कल्याण सेवा समिति के सदस्य और राजनैतिक दल के नेता। अमृत विचार

कई लावारिस शवों का अंतिम संस्कार कराया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **समाज कल्याण सेवा समिति ने पोस्टमार्टम हाउस में दिया लावारिस शवों को कंधा**

अमृत विचार। समाज कल्याण सेवा समिति ने सोमवार से लावारिस शवों को ससम्मान पांच दिवसीय कंधा दान अभियान की शुरुआत पोस्टमार्टम हाउस से की। पहले दिन अभियान में हिंदू समुदाय के लोगों ने लावारिस शवों का वारिस बनकर पोस्टमार्टम हाउस से कंधों पर शव यात्रा शुरू की, जिसपर फूलों की बारिश की गई। समिति के सचिव पैंथर धनीराम बौद्ध ने कहा कि समिति द्वारा अब तक 16700 लावारिस शवों और कोरोना काल के दौरान 2750 कोविड ग्रसित शवों का ससम्मान अंतिम संस्कार कराया जा चुका है। समिति की महिला अध्यक्ष सुनीता बौद्ध ने कहा कि इंसान को जाति से ऊपर उठकर हर इंसान के काम आना चाहिए। इस दौरान रत्नदीप, पूर्व विधायक सतीश निगम, मदन लाल भाटिया, वैश्य महापरिषद अध्यक्ष संजय गुप्ता, शैलेंद्र कुमार, अजय वर्मा, कांग्रेस नगर अध्यक्ष पवन गुप्ता, मनोज गुप्ता, जीतू सोनकर, संजय गुप्ता आदि लोग रहे।

नए मतदाता बनने के लिए 6 फरवरी तक फार्म भरने का मौका मिलेगा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। एसआईआर कार्यक्रम के अन्तर्गत नये मतदाता बनने के लिए घोषणा पत्र के साथ प्रारूप-6 भरना अनिवार्य है। अपमार्जन के लिए प्रारूप-7, किसी प्रविष्टि में त्रुटि या पता बदलवाने एवं डुप्लीकेट वोटर कार्ड के लिए प्रारूप-8, घोषणा पत्र (अनुलग्नक-IV) के साथ भरना होगा। अपना आवेदन 6 फरवरी तक ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन माध्यम से संबन्धित निर्वाचक रजिट्रीकरण अधिकारी कार्यालय अथवा संबन्धित भाग संख्या के बीएलओ को प्रस्तुत कर सकते है।

अपर जिला मजिस्ट्रेट वित्त एवं राजस्व विवेक चतुर्वेदी के अनुसार भारत निर्वाचन आयोग ने जनपद के सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के पूर्व में घोषित कार्यक्रम को संशोधित करते तिथियां घोषित की हैं।

- **नए मतदाताओं को घोषणापत्र के साथ प्रारूप 6 भरना है**
- **डुप्लीकेट मतदाता पहचानपत्र के लिए प्रारूप 7 भरें**

इन बातों का ध्यान रखें

- विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत वही व्यक्ति पात्र होंगे, जो 01 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके है या उक्त तिथि को आयु पूर्ण कर लेंगे।
- 01 अप्रैल, 01 जुलाई तथा 01 अक्टूबर के आधार पर जो मतदाता 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे हैं। उन सभी अर्हक मतदाताओं से फार्म-6 घोषणा पत्र के साथ प्राप्त कर लिया जाएगा और यथा सम्भव उनके नाम मतदाता सूची में शामिल किए जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जाएगी।

एमएसएमई देश की अर्थव्यवस्था का दूसरा इंजन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के विकास और विस्तार के उद्देश्य से बुधवार को कानपुर में पहली बार एनएसई द्वारा एसएमई आईपीओ जागरूकता कार्यक्रम 'कारोबार की उड़ान' आयोजित करेगा। इस कार्यक्रम में रिमझिम इस्पात, लोहिया समूह के साथ ही उद्योग जगत की बड़ी कंपनियां शामिल होंगी, जो छोटे-बड़े उद्योगों को लगाने की जानकारी देंगे। यह जानकारी सोमवार को होटल लैंडमार्क में आयोजित प्रेसवार्ता में सांसद रमेश अवस्थी ने दी। उन्होंने बताया कि एनएसई के एमडी एवं सीईओ आशीष कुमार चौहान भी इस कार्यक्रम में आएंगे।

सांसद रमेश अवस्थी ने कहा कि एमएसएमई भारतीय अर्थव्यवस्था का दूसरा मजबूत इंजन बनकर उभरा है।

वित्तीय वर्ष 2025-2026 के ताज़ा आंकड़ों के अनुसार एमएसएमई क्षेत्र भारत की कुल जीडीपी में लगभग 30 प्रतिशत का योगदान दे रहा है, जो देश की आर्थिक प्रगति का स्पष्ट संकेत है। कृषि के बाद एमएसएमई देश का दूसरा सबसे बड़ा नियोक्ता है, जो वर्तमान में लगभग 28 करोड़ लोगों को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि कानपुर एमएसएमई का एक बड़ा और ऐतिहासिक हब रहा है। इसी कारण लंबे समय से यह विचार था कि कानपुर क्षेत्र के उद्योगों के लिए एक ऐसा विशेष सेमिनार आयोजित किया जाए, जहां उन्हें पूंजी बाजार, निवेश और विकास के नए अवसरों की सीधी जानकारी मिल सके।

उन्होंने बताया कि सेमिनार में कानपुर के सभी एमएसएमई उद्योगों के मालिकों, एमएसएमई से जुड़े संगठनों और उद्यमियों से सहभागिता का आग्रह किया गया है। उन्होंने बताया कि अचिन्त्य सिक्योरिटीज लिमिटेड पूरे कार्यक्रम को ऑपरेट करेगा। इस दौरान कंपनी के एमडी अर्पित अग्रवाल, चेयरमैन अभिषेक अग्रवाल, बीडी हेड सुनील मिश्रा आदि रहे।

प्रेसवार्ता में बोलते सांसद रमेश अवस्थी व साथ में मौजूद अचिन्त्य सिक्योरिटीज लिमिटेड के पदाधिकारी। अमृत विचार

- **सांसद रमेश अवस्थी की प्रेसवार्ता, 7 को होगा 'कारोबार की उड़ान' सेमिनार**

तीन लुटेरों ने ट्रक मिस्त्री को रोक कर लूट लिया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। किदवईनगर इलाके में 28 दिसंबर की रात बाइक सवार तीन लुटेरों ने ट्रक मिस्त्री को रोक कर लूट लिया। पीड़ित ने आरोपियों की बाइक का नंबर नोट कर पुलिस को सूचना दी। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

मूलरूप से कानपुर देहात के सरवनखेड़ा इलाके के शेरूआ गांव निवासी नवनीत कुमार ट्रक मिस्त्री हैं। नवनीत की ओर से दर्ज रिपोर्ट के अनुसार वह 28 दिसंबर को देर रात करीब 3 बजे एक बड़ी ट्रेलर गाड़ी की मरम्मत करके घंटाघर से नौबस्ता की ओर जा रहे थे। किदवई नगर के पास पहुंचने पर पीछे से आए बाइक सवार तीन युवकों ने उन्हें रोक लिया। आरोपियों ने उनके साथ मारपीट करने के बाद उनके पास मौजूद एयर प्रेशर मशीन, उपकरण और दो हजार रुपये छीन लिए। इसक बाद आरोपी उन्हें धक्का देकर भाग निकले। पीड़ित के अनुसार राहगीर की मदद से उसने डायल 112 पर सूचना दी तो पुलिस कर्मी मौके पर पहुंचे थे, हालांकि तब तक आरोपी भाग निकले। बाबूपुरवा थाना प्रभारी अरुण कुमार द्विवेदी ने बताया कि पीड़ित ने आरोपियों की बाइक का नंबर नोट कर लिया है। आरोपियों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी कर घटना का खुलासा किया जाएगा।

सड़क हादसों में तीन युवकों की जान गई

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर के अलग-अलग थानाक्षेत्र में हुए सड़क हादसों में तीन युवकों की मौत हो गई। सीसामऊ में ट्रक की टक्कर से मजदूर की मौत हो गई। वहीं पनकी में अज्ञात वाहन की टक्कर से ट्रांसपोर्टर और बिठूर में डीजे संचालक की मौत हो गई। तीनों परिवारों में कोहराम मच गया।

सड़क हादसे में ट्रांसपोर्टर की मौत, बेटी घायल: पनकी क्रांसिग पर तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से ट्रांसपोर्टर की मौत हो गई। जबकि उनकी तीन वर्षीय बेटी का इलाज चल रहा है। पनकी के ननियनपुरवा निवासी 27 वर्षीय ट्रांसपोर्टर अभिजितेंद्र सिंह के परिवार में पत्नी पूजा और तीन वर्षीय बेटी अनाया है। परिजन ने बताया कि रविवार शाम को घर आने के बाद ट्रांसपोर्टर बेटी को बुलेट में बैठाकर घुमाने गए थे। इस दौरान पनकी क्रांसिग के पास अज्ञात वाहन बुलेट में टक्कर मारकर भाग गया। निजी अस्पताल में डॉक्टर ने ट्रांसपोर्टर को मृत घोषित कर दिया। जबकि गंभीर रूप से घायल उनकी बेटी का इलाज चल रहा है। परिजनों में कोहराम मचा है।

दूसरी ओर बिठूर में अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार डीजे संचालक 27 वर्षीय अभिषेक गौतम की मौत हो गई। जबकि उनके दो साथियों का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पनकी के सरायमीता निवासी अभिषेक गौतम डीजे और लाइटिंग का काम करते थे। परिवार में पत्नी नीतू और ढाई वर्षीय बेटी सोनाक्षी है। परिजन ने बताया कि रविवार को अभिषेक अपने दो दोस्तों के साथ घर से निकले थे। वह अस्पताल में भर्ती साढ़ू को देखने बाइक से बिल्हौर जा रहे थे। जहां से लौटते वक्त नारामऊ मंधना रोड पर अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस तीनों को पास के अस्पताल ले गई। हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने हैलट रेफर कर दिया। जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल उनके दो दोस्तों का निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है।

सड़क हादसे के बाद 30 मिनट तक तड़पता रहा मजदूर, अस्पताल में मौत

- दर्शनपुरवा निवासी 21 वर्षीय सनी सिंह चौहान पेंटिंग का काम करता था। परिवार में मां समेत दो भाई पवन, राहुल है। पिता अजय सिंह ने बताया कि रविवार रात करीब 11 बजे वह बाइक लेकर दोस्त के घर गया था। रास्ते में बांके बिहारी गेस्ट हाउस के पास तेज रफ्तार ट्रक बाइक में टक्कर मारकर भाग निकला। जिसके बाद बेटा लहूलुहान हालत में करीब 30 मिनट तक सड़क पर तड़पता रहा। इस बीच वहां से परिवार के साथ गुजर रहे एक डॉक्टर ने सीसामऊ पुलिस को हादसे की सूचना दी। साथ ही अपनी कार में बेटे को बैठाकर हैलट अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टर ने बेटे को मृत घोषित कर दिया।

उद्घाटन करते मुख्य अतिथि। अमृत विचार

संघ का एकत्रीकरण सम्मेलन

कानपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सिविल लाइंस का साप्ताहिक एकत्रीकरण सम्मेलन सरस्वती शिशु मंदिर में हुआ। वक्ताओं ने संघ के पंच परिवर्तन और इतिहास पर अपने विचार रखे। प्रमुख रूप से धीरज अग्रवाल (नगर संघचालक), काशी सिंह परिहार कानपुर विभाग सामाजिक सद्भाव प्रमुख, विश्व रतन, राकेश, यशपाल सिंह, बड़े जी, रामकुमार, विनोद आदि उपस्थित रहे।

रेलवन एप से जानकारी लें यात्री टिकट किराये में भी मिलेगी छूट

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। भारतीय रेलवे यात्रियों को डिजिटल माध्यमों से अधिक सुविधा, पारदर्शिता एवं प्रोत्साहन देने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। इसी क्रम में रेलवे द्वारा संचालित रेलवन एप के माध्यम से अनारक्षित रेल टिकट खरीदने वाले यात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण एवं लाभकारी योजना आई है। इसे प्रायोगिक स्तर पर 14 जनवरी से 14 जुलाई तक लागू किया जा रहा है।

उत्तर मध्य जोन के जनसंपर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि अबतक रेलवन ऐप पर अनारक्षित टिकट बुक करते समय केवल आर-वॉलेट के माध्यम से भुगतान करने पर ही यात्रियों को 3 प्रतिशत बोनस कैशबैक की सुविधा मिलती थी लेकिन रेलवे ने इस लाभ को अब सभी डिजिटल पेमेंट मोड पर लागू करने का निर्णय लिया है। ऐप के जरिए अनारक्षित टिकट लेते समय यदि यात्री यूपीआई, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग अन्य स्वीकृत डिजिटल भुगतान माध्यमों का उपयोग करते हैं, तो उन्हें भी 3 प्रतिशत की छूट मिलेगी।

रेलवन ऐप प्ले स्टोर या ऐप स्टोर से ऐप डाउनलोड कर रेल कनेक्ट या यूटीएस मोबाइल ऐप के मौजूदा उपयोगकर्ता अपने पहचान के प्रमाण के साथ सीधे लॉग इन कर सकते हैं। रेलवन ऐप पर अनारक्षित टिकट, आरक्षित टिकट, प्लेटफॉर्म टिकट, ट्रेन एवं स्टेशन से जुड़ी विभिन्न जानकारियाँ, शिकायत निवारण एवं अन्य यात्री सुविधाएं एक ही मंच पर उपलब्ध हैं। अनारक्षित टिकट के लिए काउंटर पर लगने वाली लंबी कतारों से बचने में यह ऐप पहले से ही यात्रियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रहा है।

ऐप की विशेषताएं

- ट्रेन, कोच पोजीशन एवं पीएनआर नंबर की जानकारी
- आरक्षित एवं अनारक्षित टिकट बुकिंग और रद्दीकरण
- रियल टाइम ट्रेन पूछताछ एवं लाइव स्टेटस
- ई-कैटरिंग सेवा के माध्यम से भोजन की ऑनलाइन बुकिंग
- शिकायत एवं सुझाव दर्ज कराना तथा उनकी स्थिति देखना

15 फरवरी तक वक्फ सम्पत्तियों का पंजीयन करायें

कानपुर। नगर के सभी मुतवल्ली, प्रबंध समिति एवं प्रशासक निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार प्रत्येक दशा में अपनी-अपनी वक्फ सम्पत्ति का विवरण उम्मीद पोर्टल पर दिनांक 15 फरवरी, 2026 तक अनिवार्य रूप से पंजीकृत करा दें।

जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी पवन कुमार सिंह ने बताया कि उम्मीद पोर्टल पर वक्फ सम्पत्तियों के पंजीकरण के संबंध में पुनः छह माह के लिए बढ़ा दी गई है। अब उम्मीद पोर्टल पर वक्फ संपत्तियों के पंजीयन एवं उनके अनुमोदन के लिए नई समय सीमा तय की गई है।पोर्टल पर मुतवल्ली (मेकर) द्वारा विवरण पंजीकृत करने की अंतिम तिथि 15 फरवरी, 2026 निर्धारित है।

कारोबार समुद्री और हवाई रास्ते बंद होने से उत्पादों की सप्लाई में देरी, पड़ा असर

वेनेजुएला संकट में फंसा शहर का निर्यात

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। वेनेजुएला संकट के बीच शहर का निर्यात कारोबार प्रभावित हुआ है। अमेरिका के हमले के बाद वहां की समुद्री व हवाई सेवा बंद हो गई है। ऐसे में शहर से वहां के नजदीक देशों में भेजे जा रहे उत्पाद पहुंचने में मुश्किल हो रहे हैं। निर्यात विशेषज्ञ मान रहे हैं कि इससे लगभग 4 सौ करोड़ रुपये के निर्यात फंस गया है।

शहर से वेनेजुएला को सीधा निर्यात काफी कम होता है। बावजूद इसके वेनेजुएला के समुद्री व हवाई रास्तों से ब्राजील, कोलंबिया, क्यूबा व ट्रिनिडाड जैसे देशों में शहर के उत्पाद जाते हैं। ऐसे में आसपास के देशों में जाने वाले उत्पाद फंस गए हैं। इन उत्पादों में लेदर व लेदर के उत्पाद, एग्रो प्रोडक्ट, मशीनरी व टेक्सटाइल शामिल हैं। अन्य रास्तों से उत्पादों के जाने से वे महंगे हो सकते हैं। दूसरे देशों के खरीदार अन्य को उत्पादों के ऑर्डर दे सकते हैं।

फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाईजेशन के सहायक निदेशक आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि निर्यातक और आयातक दोनों ही इस समस्या का हल निकालने के लिए जुटे हुए हैं। शहर के निर्यात कारोबारी सप्लाई चेन टूटने से उसका हल फिलहाल नहीं निकाल पा रहे हैं। फिलहाल वे लोग लॉजिस्टिक कंपनियों के निर्णय का इंतजार कर रहे हैं।

टैरिफ के बाद फिर झटका

- अमेरिका की ओर से टैरिफ लगाए जाने के बाद शहर के निर्यातकों के लिए दूसरे बड़ा झटका माना जा रहा है। इसकी वजह टैरिफ के बाद निर्यातकों के लिए पारंपरिक खरीदार के साथ सप्लाई चेन का टूटना है। इस स्थिति के बाद जब तक नए रूट का निर्णय या पुराने रूट का खुलना संभव नहीं होता शहर के निर्यातकों को परेशानी उठानी पड़ सकती है। सबसे अधिक परेशानी लेदर सेक्टर के छोटे निर्यातकों को उठानी पड़ सकती है।
- ब्राजील व कोलंबिया जैसे देशों से 4 सौ करोड़ का निर्यात प्रभावित हुआ

04 देशों के निर्यात उत्पाद पर संकट

04 सौ करोड़ का निर्यात हुआ प्रभावित

30 निर्यातक शहर के सीधेतौर पर संकट में फंसे, खोज रहे समस्या का समाधान

03 महीने तक रूट संबंधी रह सकती समस्या

सिटी ब्रीफ

चोरी की बुलेट के साथ दो गिरफ्तार

कल्याणपुर। आईआईटी नानकारी निवासी विजेंद्र पांडे की बुलेट शनिवार रात कल्याणपुर सब्जी मंडी से चोरी हो गई थी। इस मामले में पुलिस ने चौबेपुर मरियानी निवासी प्रशांत तिवारी व शिवम राजपूत को बुलेट के साथ धर दबोचा। कल्याणपुर इंस्पेक्टर ने बताया कि विधिक कार्रवाई की जा रही है।

8 को फुटबॉल टीम का चयन

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के की ओर से विश्वविद्यालय की सेंट्रल ज़ोन (पुरुष) फुटबॉल चयन परिसर स्थित स्पोर्ट्स स्टेडियम में 8 जनवरी गुरुवार को दोपहर 1 बजे से किया जा रहा है। बताया गया कि इस चयन में विश्वविद्यालय से सम्बद्ध विभिन्न महाविद्यालयों के पुरुष फुटबॉल खिलाड़ी भाग ले सकते हैं।

मांस-मदिरा त्याग देनी चाहिए

कानपुर। कल्यानपुर खुर्द में चल रही शिव महापुराण कथा के तीसरे दिन आचार्य योगेश अवस्थी ने रुद्राक्ष की महिमा का वर्णन किया। कहा कि रुद्राक्ष धारण करने वाले को मांस मदिरा का त्याग कर देना चाहिए और जो मांस मदिरा ग्रहण करते हैं उन्हें रुद्राक्ष को त्याग देना चाहिए। एक मुखी से 14 मुखी तक रुद्राक्ष होते हैं जिनको लाल धागे में धारण करने के अलग-अलग फल प्राप्त होते हैं। शिव जी का पंचाक्षरी मंत्र, भस्म और रुद्राक्ष जो धारण कर लेता है वह चलते फिरते त्रिवेणी के समान है। भगवान का नाम गंगा त्रिपुंड यमुना और रुद्राक्ष को सरस्वती मनाना चाहिए। कथा में प्रभा त्रिवेदी, ज्योति त्रिवेदी, प्रेम शंकर त्रिपाठी, रमाशंकर सुभाष यादव नीतू कटियार सहित अन्य मौजूद रहे।

कल्याण सिंह की 94 वीं जयंती मनाई

कानपुर। भाजपा उत्तर के जिला कार्यालय में सोमवार को पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की 94 वीं जन्म जयंती मनाई गई। जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित के नेतृत्व में उनकी स्मृतियों को स्मरण करते हुए में उनके चित्र पर पुष्पांजलि कर उनको विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गई। अवधेश सोनकर, अनुराग शर्मा, संतोष शुक्ला, अभिनव दीक्षित, जन्मेजय सिंह, सतेंद्र पांडेय, शिवांग मिश्रा, अनुपम मिश्रा, सीमा एमबीए, आनंद मिश्रा, प्रमोद विश्वकर्मा, दीपक सिंह, रोहित साहू, सुनील जायसवाल, पारस मदान आदि रहे।

मोटा अनाज बजट में उपयुक्त सेहत सुधारने में भी है कारगर

श्रीअन्न मोटापा और शुगर में भी लाभप्रद, सीएए विवि में विशेषज्ञों ने दी जानकारी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

कार्यक्रम की शुरुआत करते निदेशक शोध डॉ आरके यादव, डॉ एसके चतुर्वेदी व डॉ परमेंद्र सिंह। अमृत विचार

अमृत विचार। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में सोमवार को मोटा अनाज (श्री अन्न) पर प्रशिक्षण आयोजित हुआ। इस दौरान विशेषज्ञों ने श्री अन्न की उपयोगिता व लाभ बताए। कहा कि मोटा अनाज आर्थिक समस्या का हल बन सकता है। इसके अलावा मोटापा व डायबिटीज में भी लाभप्रद है।

सीएसए विवि 'श्रीअन्न (मिलेट्स): वैज्ञानिक खेती से मूल्य वर्धन तक' विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने राय दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक शोध डॉ आरके यादव ने की। उन्होंने कहा कि मोटे अनाज (श्री अन्न) गेहूं और चावल की तुलना में सस्ते होने के साथ-साथ उच्च प्रोटीन, फाइबर, विटामिन तथा आयरन आदि की उपस्थिति के चलते पोषण के लिए बेहतर आहार होते हैं। मोटे अनाजों में कैल्शियम और मैग्नीशियम की प्रचुरता होती है। मुख्य अतिथि रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय झांसी के निदेशक शोध डॉ एसके चतुर्वेदी द्वारा ग्रामीण स्तर पर कुपोषण को कम करने तथा पोषक तत्वों की पूर्ति करने के लिए मिलेट्स तथा स्थानीय उत्पादों के पौष्टिक गुणों के साथ-साथ उनकी प्रसंस्करण तकनीकियों को विस्तार से समझाया गया। विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक डॉ परमेंद्र सिंह ने बताया कि मोटे अनाज के सेवन से कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं से निपटा जा सकता है जैसे मधुमेह और मोटापे की समस्या, क्योंकि यह ग्लूटेन युक्त होते हैं और इनमें ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है।

मोटे अनाज एंटी ऑक्सीडेंट का संपन्न स्त्रोत है। इसमें आयरन की उच्च मात्रा महिलाओं की प्रजनन आयु और शिशुओं में एनीमिया के उच्च प्रसार को रोकने में सक्षम है। कृषक प्रशिक्षण में विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ नौशाद खान, निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ विजय कुमार यादव, कृषक समिति के अध्यक्ष बाबू सिंह सहित अन्य ने भी किसानों को संबोधित किया।

माली और चौकीदारों की फेस अटेंडेंस से हाजिरी लगेगी

कानपुर। उद्यान विभाग के विभिन्न पार्कों में तैनात माली और चौकीदारों की उपस्थिति को फेस अटेंडेंस सिस्टम से दर्ज कराने के लिए पार्कों में मशीनें लगाई जाएगी। अपर नगर आयुक्त मो. आवेश ने फेस अटेंडेंस सिस्टम के माध्यम से कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। उद्यान विभाग में पुरानी मशीन लगायी गयी है, जिसमें हमेशा समस्या बनी रहती है। जिससे कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज नहीं हो पाती है। इसके अतिरिक्त इस मशीन में पॉवर बैकअप बिल्कुल नहीं है। बिजली न होने पर कर्मचारियों की उपस्थिति नहीं हो पाती है।

फेस अटेंडेंस की वजह से नहीं आई सेलरी

- **कानपुर।** नगर निगम यूनियन के नेता रमाकांत मिश्र ने बताया कि फेस अटेंडेंस सिस्टम की वजह से दिसंबर माह की सैलरी नगर निगम कर्मचारियों को सोमवार तक नहीं मिल सकी। उन्होंने बताया कि मशीनों में खामियों की वजह से कर्मचारियों को आर्थिक समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

स्थापना दिवस पर हुए कार्यक्रम। अमृत विचार

गरीबों के लिए आशा का प्रतीक बना मेडिकल बैंक

कानपुर। समाज में जब सेवा सिर्फ शब्द न रहकर जरूरतमंद की सांस बन जाए, तब ऐसे प्रयास इतिहास रचते हैं। इसी भावना के साथ रविवार को हरि गर्ल्स हॉस्टल काकादेव में ऑल इंडिया वूमेन डेवलपमेंट एंड ट्रेनिंग सोसाइटी द्वारा संचालित मेडिकल बैंक का स्थापना दिवस आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वंदना पाठक, जेल अधीक्षक जिला कारागार बीडी पांडेय और अति विशिष्ट अतिथि डॉ. अनुराग, भवानी भीख, गणेश तिवारी, डॉ. राजन गांधी की उपस्थिति रही।

दीप प्रज्ज्वलन और गुरु पूजा के साथ शुरू हुए कार्यक्रम का संचालन आर्ट ऑफ लिविंग के अंतरराष्ट्रीय योग प्रशिक्षक राहुल यदुवंशी ने किया। समाजसेवा के क्षेत्र में मेडिकल बैंक की यात्रा और उपलब्धियां तथा भविष्य की दिशा पर प्रकाश डाला गया। मेडिकल बैंक उन पीड़ितों, गरीबों और असहाय लोगों के लिए आशा का प्रतीक है, जिन्हें समय पर दवा और इलाज से संबंधित जरूरत के मेडिकल उपकरण मिलते हैं। बैंक की संस्थापक डॉ. बिंदु सिंह ने बताया कि शहर की कई स्वयंसेवी संस्थाएं और अस्पताल इस मिशन में जुड़ चुकी हैं। मेडिकल बैंक की शाखाएं दिल्ली, झांसी, चेन्नई, पटना, हरदोई, लखनऊ सहित अन्य स्थानों पर शीघ्र ही संचालित होने लगेंगी। इस अवसर पर प्रोमिला वैध, जीत प्रताप सिंह, जया शुक्ला, सुरेश सचान तथा डॉ. ज्ञानेंद्र के अलावा गोपाल तुलसियान, आदित्य पोद्दार, एस के कमल, दीप्ति दुबे, हितेश जायसवाल, भूपेंद्र सिंह, अखिल खरे, अनोखे लाल पाठक, धर्मेंद्र सिंह, तरुणा, आशुतोष द्विवेदी, कविता आदि थीं।

कोयला मजबूरी, गैर पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों की खोज जरूरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **एचबीटीयू में फैकेल्टी डेवलेपमेंट प्रोग्राम में विशेषज्ञों ने दी राय**

अमृत विचार। पूरे विश्व में कोयला जैसे खनिज पदार्थों की कमी की रिपोर्ट सामने आ रही है। ऐसे में यह जरूरी है कि विशेषज्ञ ऊर्जा के अन्य स्रोत को नियंत्रित कर गैर पारंपरिक ऊर्जा स्रोत का विकल्प बनाएं। इससे पारंपरिक ऊर्जा स्रोत पर निर्भरता कम होगी। ऊर्जा की चुनौतियों को भी काफी हद तक कम किया जा सकेगा। यह विचार सोमवार को मानव संसाधन विकास प्रकोष्ठ व हरकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी, कानपुर द्वारा ऑनलाइन फैकल्टी डवेलपमेंट प्रोग्राम में विशेषज्ञों ने व्यक्त किए।

इमर्जिंग ट्रेंड इन फ्लूइड, थर्मल इंजीनियरिंग एण्ड एनजी हारवेस्टिंग विषय पर एक सप्ताह तक व्याख्यान चलेंगे। ऑनलाइन कार्यक्रम का संचालन जसमीत कौर ने किया। इस दौरान एफडीपी के कोर्डिनेटर डॉ. गौरव सैनी ने पाठ्यक्रम की रूपरेखा, उद्देश्य तथा इसकी अकादमिक एवं शोध उपयोगिता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के संयोजक एवं एचआरडी सेल के समन्वयक प्रो. संजीव कुमार ने एफडीपी की संकल्पना, विषयों की समकालीन प्रासंगिकता तथा शिक्षण- अनुसंधान में इसके योगदान को बताया। उन्होंने यह भी बताया कि यह कार्यक्रम शिक्षकों और शोधकर्ताओं को ऊर्जा, थर्मल एवं फ्लूइड इंजीनियरिंग के उभरते क्षेत्रों से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। प्रोफेसर संजीव कुमार ने बताया इस एफडीपी में देश के विभिन्न भागों से कुल 124 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कर सहभागिता की है। कार्यक्रम में देश के प्रतिष्ठित शैक्षणिक एवं शोध संस्थानों से आमंत्रित विशेषज्ञ वक्ता ऊर्जा हार्वेस्टिंग, थर्मल इंजीनियरिंग एवं फ्लूइड साइंसेज के नवीनतम विषयों पर अपने व्याख्यान देंगे, जिनका विवरण कार्यक्रम-सारणी में उपलब्ध है।

अंध विद्यालय के छात्रों ने जीतीं प्रतियोगिताएं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

नेहरू नगर अंध विद्यालय में प्रमाण पत्र लिए दृष्टिबाधित विद्यार्थी, साथ में पार्षद पवन। अमृत विचार

अमृत विचार। नेहरू नगर स्थित कानपुर अंध विद्यालय जूनियर हाई स्कूल में सोमवार को शिक्षाविद् लुई ब्रेल की 217वीं जयंती पर एक साप्ताहिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह हुआ। दृष्टिबाधित विद्यार्थियों की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए खेलकूद प्रतियोगिता, ब्रेल पठन-लेखन प्रतियोगिता, कंप्यूटर प्रतियोगिता व संगीत प्रतियोगिता हुई। नई दिल्ली राष्ट्रीय दृष्टिहीन संघ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की ब्रेल पठन, लेखन, कंप्यूटर स्किल टेस्ट, संगीत गायन प्रतियोगिता में देश भर से आए दृष्टि दिव्यांग बच्चों में कानपुर अंध विद्यालय के छात्रों ने राष्ट्रीय पुरस्कार जीते, जिनमें विशेष, आयुष और मजहर ने हिंदी ब्रेल लेखन और पठन में प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार जीता।

विद्यालय के छात्र भूरेलाल ने कंप्यूटर स्किल टेस्ट में राष्ट्रीय स्तर पर तृतीय पुरस्कार व अंग्रेजी ब्रेल पठन में सांत्वना पुरस्कार जीता। विश्व दृष्टिहीन संघ के अध्यक्ष व राष्ट्रीय दृष्टिहीन संघ के राष्ट्रीय महासचिव संतोष कुमार रुंगटा ने बच्चों को पुरस्कृत कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय के प्रधानाचार्य इंद्रजीत सिंह ने राष्ट्रीय स्तर पर बच्चों के पुरस्कार जीतने पर बच्चों को बधाई दी और अन्य बच्चों को भी पुरस्कार जीतने के लिए प्रेरित किया। पार्षद पवन गुप्ता ने भविष्य में विद्यालय और संघ परिवार को शासन प्रशासन स्तर से हर संभव मदद दिलाने का वचन दिया।

तहरी बांटते पदाधिकारी। अमृत विचार

बिरहाना रोड पर चाय, टोस्ट, भोजन, ऊनी कपड़े बांटे

कानपुर। श्री महाराजा अग्रसेन जयंती समिति द्वारा बिरहाना रोड पर चाय टोस्ट, भोजन एवं ऊनी वस्त्रों का वितरण किया गया। समिति ने सीएसए यूनिवर्सिटी में डॉ कुमार विश्वास के द्वारा श्रीराम कथा का आयोजन पूर्ण होने पर जनसेवा के संकल्प का विस्तारीकरण करते हुए साप्ताहिक भोग वितरण का कार्यक्रम सुनिश्चित किया है। इसी शृंखला में श्री अग्रसेन महिला समिति द्वारा महाराजा अग्रसेन जी का पूजन करके तहरी का वितरण किया गया। समिति अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल महामंत्री मनीष दर्पण, महिला समिति की मंत्री अनीता गर्ग, बीना अग्रवाल, कृष्णा अग्रवाल, शशि अग्रवाल, मनीषा अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल, ऋतु अग्रवाल, मोनिका सुरेखा, अंजू बंसल थीं।

दस्तावेज का दुरुपयोग करने पर स्वास्थ्य कर्मी पर रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **केपीएम अस्पताल के कर्मचारी के खिलाफ की गई कार्रवाई**

अमृत विचार। केपीएम चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने रविवार को विभागीय कर्मचारी लक्ष्मण सहगल के खिलाफ फीलखाना थाने में धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस आरोपों की जांच कर रही है।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक की ओर से दर्ज रिपोर्ट के अनुसार अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कानपुर नगर ने 23 दिसम्बर को पत्र भेजा था। इस पत्र में काहूकोठी निवासी लक्ष्मण सहगल के विरुद्ध चिकित्सा विभाग के फर्जी दस्तावेज बनाने तथा उसका न्यायिक प्रक्रिया में दुरुपयोग करने का आरोप लगा कर रिपोर्ट दर्ज कराने के निर्देश दिए गए थे। लक्ष्मण सहगल पर आरोप है कि उन्होंने 3 अक्टूबर 2022 को केपीएम चिकित्सालय के ओपीडी पर्चा संख्या 76025 को प्राप्त कर उसका न्यायिक प्रक्रिया में दुरुपयोग किया है।

मामले की आईजीआरएस पर भी शिकायत हुई थी। जांच में दोषी पाये जाने के बाद उनके खिलाफ कार्रवाई कराने की संस्तुति की गई थी।

ज्ञानी त्रिलोचन सिंह बने गुरुद्वारा के प्रधान

कानपुर। गुरुद्वारा बाबा श्री चंद्र दरबार, 2 ब्लॉक गोविंद नगर में सोमवार को कार्यकारिणी एवं प्रमुख सेवादारों की सभा पूर्व प्रधान अशोक सदवानी की मृत्यु के उपरांत खाली प्रधान पद के लिए उपयुक्त दावेदार का चयन करने के लिए हुई। सभा में सुरेश कालरा ने ज्ञानी त्रिलोचन सिंह जी का नाम प्रधान पद के लिए प्रस्तावित किया, जिसे ध्वनिमत से पारित करके ज्ञानी त्रिलोचन सिंह को निर्विरोध अगला प्रधान चुन लिया। सभा में सुरेश कालरा, सोनू रेखी, रविंदर सिंह बेदी, राजू बत्ता, मोहितखत्री, नवीन, पंकज खत्री, शिव अरोड़ा सहित प्रमुख पदाधिकारी एवं सेवादार मौजूद रहे।

त्रिलोचन सिंह।

अखंड रामायण के समापन पर राजगद्दी का आयोजन

कानपुर। रामबाग सीसामऊ युवा एकता समिति के द्वारा आयोजित 19वें हनुमानोत्सव के दूसरे दिन सोमवार को अखंड रामायण पाठ के समापन पर सुंदर राजगद्दी का आयोजन किया गया। राजगद्दी में भजन गायक विवेक तिवारी ने अपने भजनों से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। राजगद्दी के बाद प्रसाद वितरण किया गया। मंगलवार को सुबह 56 भोग अर्पित किया जाएगा इसके बाद भंडारा होगा। शाम को भजन संध्या में दिल्ली की मशहूर बैंकू सिस्टर्स के द्वारा भजन प्रस्तुत किए जाएंगे। यह जानकारी समिति के अध्यक्ष संतोष त्रिवेदी (पिंटू) और महामंत्री गोपाल तिवारी ने दी। सोमवार को कार्यक्रम में क्षेत्रीय पार्षद गोविंद शुक्ला, सुशील श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष गोविंद दादलानी, विशाल सक्सेना, उपेंद्र कुमार, अभय शुक्ला, अभिमन्यु सिंह, शिवकुमार मिश्रा, वेदांत शुक्ला, शंकर शुक्ला, राकेश गुप्ता, ऋषि सोनकर आदि रहे।

गायक विवेक तिवारी ने भजन सुनाए।

रागी जत्थे ने शबद गाये। अमृत विचार

गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व पर शबद और लंगर

कानपुर। श्री गुरु गोविंद सिंह महाराज का प्रकाश पर्व सोमवार को समूह संगत के सहयोग से गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा रजिस्टर्ड रतनलाल नगर में मनाया गया। इसमें पंत के प्रसिद्ध रागी भाई साहब, भाई अमर सिंह, भाई सुरजीत सिंह, भाई सुरेंद्र सिंह खालसा, भाई जोगिंदर सिंह एवं पंत के प्रचारक परमपाल सिंह ने गुरु इतिहास से लेकर गुरु वाणी के अनुसार उपदेशों से संगत को निहाल किया। वेद गुरु गोविंद शबद कीर्तनकार भाई अमर सिंह ने संगत को निहाल किया। बड़ी संख्या में लोगों ने गुरु का अटूट लंगर छका। जरूरतमंद लोगों को गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की तरफ से आर्थिक मदद तथा पांच परिवारों को दवाइयां देकर सेवा की गई। मुख्य सेवादार रविंद्र सिंह अरोरा, त्रिलोक सिंह, योगेश सचदेवा, हरजीत सिंह भाटिया, प्रितपाल सिंह भाटिया, रविंद्र सिंह आनंद, अमन सिंह मौजूद रहे।

आयोजन | कन्नौज का इत्र, खाद्य उत्पादों में मिलेट्स के लड्डू छाये रहे

महिलाओं के हुनर का उत्सव बना मेला

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

सरस मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए। अमृत विचार

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत मोतीझील में आयोजित मंडलीय सरस मेला ग्रामीण महिलाओं की मेहनत और हुनर का उत्सव बनकर उभर रहा है। चार से छह जनवरी 2026 तक चल रहे इस मेले में ग्रामीण महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों को लेकर लोगों में खासा उत्साह है। बीते दिनों में मेले में लगभग 4 लाख रुपये की बिक्री दर्ज की गई है।

सोमवार को एसएन सेन बालिका इंटर कॉलेज माल रोड की छात्राओं ने गणेश वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। माध्यमिक एवं बेसिक शिक्षा विभाग से जुड़े विद्यालयों के बच्चों ने रंगारंग प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। खाद्य उत्पादों में मिलेट्स के लड्डू, बेसन आदि की अच्छी मांग रही, जबकि गैर-खाद्य उत्पादों में कन्नौज का इत्र, हस्तशिल्प से जुड़े सामान और ऊनी वस्त्र खरीदारों की पहली पसंद बने।

दिनभर स्टालों पर खरीदारों की भीड़ बनी रही। बीएनएसडी शिक्षा निकेतन की बालिकाओं ने नारी सशक्तिकरण पर आधारित नृत्य नाटिका प्रस्तुत कर महिलाओं के त्याग, संघर्ष और सशक्त भारत की तस्वीर मंच पर उतारी। जुहरी देवी इंटर कॉलेज की छात्रा आरोही गौतम ने 'आरंभ है प्रचंड' गीत पर मनमोहक प्रस्तुति दी। कक्षा दो की छात्रा कुमारी सान्वी द्वारा प्रस्तुत शिव तांडव और कक्षा एक की छात्रा आकृति मौर्य के नृत्य ने कार्यक्रम में विशेष आकर्षण जोड़ा। मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन ने मेले के अंतिम दिवस छह जनवरी 2026 को जनपद की जनता से अधिक संख्या में पहुंचकर ग्रामीण महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों की खरीद करने की अपील की है। इससे स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं का मनोबल बढ़ेगा और वे आर्थिक रूप से और अधिक सशक्त होंगी।

थैलीसीमिया मरीज का स्प्लेनेक्टोमी ऑपरेशन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **ऑपरेशन के बाद अब हर 15 दिन में होगी ब्लड ट्रांसफ्यूजन की जरूरत**
- **बिदूर के पारस हेल्थ में डॉ. साद अनवर ने टीम के साथ किया जटिल आपरेशन**

डॉ. साद अनवर।

अमृत विचार। बिठूर स्थित पारस हेल्थ कानपुर में थैलेसीमिया से ग्रस्त मरीज की बढ़ी हुई स्प्लीन (तिल्ली) को ऑपरेशन के दौरान सफलता पूर्वक हटाया गया। इस ऑपरेशन से मरीज को न सिर्फ पेट व संक्रमण की समस्या से निजात मिली, बल्कि ब्लड ट्रांसफ्यूजन की जरूरत भी काफी हद तक घटी।

शहर के शैनेय गुप्ता (35) काफी समय से थैलेसीमिया मेजर के मरीज थे। कई सालों से वह रेगुलर ब्लड ट्रांसफ्यूजन की वजह से होने वाली गंभीर बीमारियों से परेशान थे। उनकी स्प्लीन बढ़कर लगभग 25 सेंटीमीटर हो गई थी। पेट में तेज दर्द, एनीमिया, बार-बार इंफेक्शन, नाक से खून बहना और पैनसाइटोपेनिया जैसी दिक्कतें हो रही थी। सर्जिकल कंसल्टेंट सीनियर, कंसल्टेंट डॉ.साद अनवर के मुताबिक पैनसाइटोपेनिया बीमारी व क्रोनिक लिवर की बीमारी और हेपेटोमेगाली (लीवर का बढ़ना) ने स्थिति को और भी मुश्किल बना दिया था। टीम ने प्री-ऑपरेटिव ऑप्टिमाइजेशन के बाद सभी जरूरी टीके लगाए। डॉ.साद अनवर ने टीम के साथ स्प्लेनेक्टोमी ऑपरेशन किया। बताया कि यह केस अत्यंत उच्च जोखिम भरा था। सर्जरी के बाद मरीज को अब हर 15 दिन में सिर्फ एक ब्लड ट्रांसफ्यूजन की जरूरत होगी।

न्यूज ब्रीफ

पेड़ पर फंदे से लटका मिला युवक का शव

नवाबगंज, अमृत विचार। सोहरामऊ थाना क्षेत्र के बगहा मुस्तकाबाद निवासी आशीष रैदास (30) पुत्र रामलखन रैदास मजदूरी करता था। सोमवार को गाँव के बाहर लगे आम के पेड़ पर उसका शव मफलर के फंदे से लटका देख लोगो की भीड़ एकत्र हो गई। जानकारी पर पहुंचे परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। युवक की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सोमवार को शव का पोस्टमार्टम कराया गया। जिसमें हैंगिंग से मौत की पुष्टि हुई। सोहरामऊ एसओ अरविंद पांडेय ने बताया की पिता ने बेटे के आत्महत्या करने की सूचना दी थी। पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंपा गया है। परिजनों का कोई आरोप नहीं है।

कलश यात्रा के साथ प्रारंभ हुआ श्री शत चंडी महायज्ञ

औरास उन्नाव, अमृत विचार : औरास विकासखंड के अंतर्गत गांव बिसवल में श्री जंगलेश्वर महाधाम में हर वर्ष की भांति परमपिता महादेव व मां पार्वती की कृपा व गुरुओं के आशीर्वाद से 5वें श्री शतचंडी महायज्ञ व श्रीमद्भागवत कथा के शुभारंभ पर भव्य कलश यात्रा निकाली गई। श्री गौरी गणेश के आशीर्वाद के साथ पूज्य संत गिरीश दास जी महाराज के सानिध्य में श्री शतचंडी महायज्ञ का शुभारंभ हुआ। इससे पूर्व सभी ने कलश पूजन व अर्चना कर कलश यात्रा निकाली। जिसमें भगवान के स्वरूप में झाकियों ने लोगो का मन मोह लिया। कार्यकम संयोजक राष्ट्रीय किसान मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष शेखर दीक्षित ने बताया कि आज से पांचवां आयोजन प्रारम्भ हुआ जो 13 जनवरी 2026 तक होगा।

डीएम ने 119 शिकायतों में से 17 का मौके पर किया निस्तारण

सम्पूर्ण समाधान दिवसः मातहतों से कहा, सरकारी जमीन पर कब्जा और जन शिकायतों में लापरवाही मिली तो खैर नहीं

संवाददाता बांगरमऊ, उन्नाव

अमृत विचार: शनिवार को बांगरमऊ तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। डीएम गौरांग राठी ने एसपी जय प्रकाश की मौजूदगी में फरियादियों की समस्याओं को सुना और अधिकारियों को निर्देश दिए कि जन शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

जनसुनवाई के दौरान डीएम ने राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट लहजे में चेतावनी दी। उन्होंने कहा, तहसील और पुलिस के अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि किसी भी स्थिति में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा न होने पाए। चकरोड पैमाइश और अवैध कब्जे से जुड़ी शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए। डीएम ने आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों की समीक्षा करते हुए कहा कि केवल कागजों पर शिकायत का निस्तारण पर्याप्त नहीं है। उन्होंने निर्देश दिया कि विभागीय अधिकारी स्वयं शिकायतकर्ता से फोन पर फीडबैक लें। जिन शिकायतों में असंतोषजनक फीडबैक मिल रहा है, उनकी दोबारा जांच कर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराएं। मुख्यमंत्री की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए समयबद्ध तरीके से शिकायतों का समाधान हो। समाधान दिवस में विभिन्न विभागों से जुड़ी कुल 119 शिकायतें दर्ज की गईं। इनमें से 17 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायतों के लिए डीएम ने संबंधित अधिकारियों की टीम बनाकर मौके पर जाकर जांच करने और जल्द रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए। कार्यक्रम के प्रारंभ में डीएम ने आईसीडीएस विभाग के स्टाल का दीप प्रज्ज्वलन कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर जनहितकारी योजनाओं को बढ़ावा देने के लिए उज्ज्वला योजना की 5 लाभार्थियों को पासबुक कॉपी सौंपी गई। एक लाभार्थी को अंत्योदय कार्ड प्रदान किया गया। चकबंदी विभाग के सेवानिवृत्त लेखपाल व राजस्व निरीक्षक को शॉल ओढ़ाकर व रामचरितमानस भेंटकर सम्मानित किया गया। इस दौरान एसडीएम बांगरमऊ, सीओ, जिला विकास अधिकारी देव चतुर्वेदी, परियोजना निदेशक तेजवंत सिंह, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी व तहसीलदार आदि अधिकारी उपस्थित रहे।

संपूर्ण समाधान दिवस में लोगों की समस्याएं सुनते डीएम व एसपी। ● अमृत विचार

अधिकारियों के सामने आईं ये शिकायतें

बांगरमऊ, उन्नाव : ब्योली इस्लामाबाद के सांवल खेड़ा निवासी शांति देवी ने बताया संचालक ने पास मशीन पर उसका अंगूठा लगवा लिया और पंजाब नेशनल बैंक और खाते से 90 हजार रुपए आहरित कर लिए। एसपी ने बेहटा मुजावर थाना प्रभारी को जांच कर कार्यवाही का निर्देश दिया। नगर के पूर्व सभासद सुधीर कुमार मिश्र साद्धू ने नगर की पुरानी पानी की टंकी से लेकर बाईपास मार्ग तक सीसी रोड निर्मित कराए जाने की मांग उठाई। उन्होंने डीएम को बताया कि इसी मार्ग पर जिले के प्रथम सांसद पंडित विश्वंभर दयालु त्रिपाठी का पैतृक मकान स्थित है। जिला हरदोई के थाना मल्लावां अंतर्गत ग्राम मझियाई जाफ़र पुर निवासी शांति देवी ने शिकायत दर्ज कराई कि उसके बेटे विजय सिंह की ससुराल कोतवाली बांगरमऊ के गुलाबखेड़ा में है। उसका बेटा अपनी पत्नी संध्या के साथ ससुराल में ही रह रहा था। किंतु करीब एक हफ्ता पूर्व जब वह अपने बेटे की ससुराल गई तो उसका बेटा गायब मिला और उसकी बहू ने एक अन्य व्यक्ति से शादी कर ली है। पीड़िता ने आरोप लगाया कि उसकी बहू और दूसरे पति ने मिलकर उसके बेटे की हत्या कर दी है और शव गायब कर दिया है। काजीपुर निवासी दिव्यांग जगदीश ने डीएम को बताया कि उसकी दिव्यांग पेंशन उसके खाते में लगातार आ रही थी। किंतु अज्ञात कारण से उसकी पेंशन बंद कर दी गई है।

पीएचसी में मरीजों की उमड़ी भारी भीड़

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार: जनवरी माह में मौसम के तेवर सख्त हो गए हैं। कड़ाके की ठंड और घने कोहरे के चलते सर्दी, जुकाम और खांसी के मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। ठंड के कारण चर्म रोगियों की संख्या भी बढ़ी है। मौसम में अचानक आई ठंडक को देखते हुए चिकित्सकों ने बीपी, हृदय एवं श्वास रोग से ग्रसित मरीजों को विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी है।

सोमवार को पूरे दिन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों की भारी भीड़ देखने को मिली। ठंड और कोहरे के कारण खासतौर पर बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों को अधिक परेशानी हो रही है।

पीएचसी परिसर में लगी मरीजों की कतार। ● अमृत विचार

● बीपी, हृदय एवं श्वास रोग के मरीजों को सतर्क रहने की सलाह

चिकित्सकों के अनुसार ठंड में अचानक खुले वातावरण में जाने से बीपी और हृदय रोगियों को दिक्कत हो सकती है, जिससे हृदयघात की आशंका भी बढ़ जाती है। वहीं कोहरे में बाहर निकलने से श्वास रोगियों की समस्याएं और बढ़ सकती हैं। पीएचसी की चिकित्सक डॉ. रश्मि वर्मा एवं डॉ. अक्षय कुमार ने बताया कि सर्दी के मौसम में घर से बाहर निकलते समय शरीर को पूरी तरह ढक कर रखें। सोमवार को पीएचसी में कुल 302 मरीजों की ओपीडी हुई।

लोहे का गेट चोरी करने वाले दो पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव) अमृत विचार : गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के श्रीनगर मोहल्ले में स्थित एक प्लाट से लोहे का गेट चोरी किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने दो नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें हिरासत में ले लिया है। पोनी रोड झंडा चौराहा निवासी आशू सिंह की पत्नी काजल सिंह ने गंगाघाट कोतवाली में दी गई तहरीर में बताया कि श्रीनगर क्षेत्र में उनका एक प्लाट स्थित है। 4 जनवरी की दोपहर करीब दो बजे जब वह प्लाट पर पहुंचीं तो वहां लगा लोहे का गेट गायब मिला। इसके बाद उन्होंने आसपास पूछताछ की, जिस पर जानकारी मिली कि बिंदा नगर निवासी अमन सिंह और सहजनी निवासी गुलशन यादव द्वारा गेट चोरी किया गया है। पीड़िता आरोपियों के घर पहुंची, जहां उनके घर पर चोरी किया गया गेट रखा हुआ मिला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

चौकी इंचार्ज पर अभद्रता का आरोप

● श्री विश्वकर्मा जी सेवा संस्थान के पदाधिकारियों ने एएसपी को ज्ञापन सौंप कर की कार्रवाई की मांग

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार: सोमवार को श्री विश्वकर्मा जी सेवा संस्थान के पदाधिकारी उन्नाव स्थित एसपी कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने एसपी को संबोधित ज्ञापन एएसपी को सौंपा। ज्ञापन में शंकरपुर निवासी एवं श्री विश्वकर्मा जी सेवा संस्थान के उपाध्यक्ष तथा किसान आंदोलन के संगठन मंत्री लल्लन शर्मा ने चौकी इंचार्ज पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

लल्लन शर्मा का आरोप है कि 4 जनवरी को गांव की ही एक विधवा महिला सुमन के मकान अथवा चबूतरे के निर्माण से जुड़े विवाद में समाजसेवा की भावना से वह महिला की पैरवी करने चौकी गए थे। वहां विपक्षी पहले से मौजूद थे। आरोप है कि चौकी इंचार्ज ने विपक्षियों की शह पर महिला के साथ अभद्र व्यवहार किया, साथ ही लल्लन शर्मा के साथ भी अमानवीय व्यवहार किया गया। गाली-गलौज करते हुए फोन छीन लिया गया और कॉलर पकड़कर केबिन में ले जाया गया। आरोप है कि पिटाई करने और फर्जी मुकदमों में फंसाने की धमकी भी दी गई। मामले को गंभीरता से लेते हुए एएसपी ने जांच सीओ विनी सिंह को सौंपी है। सीओ ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों से बातचीत की और मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। इस बावत चौकी इंचार्ज मान सिंह ने बताया कि किसी से भी कोई अभद्रता नहीं की गई है।

एएसपी को ज्ञापन सौंपते पदाधिकारी। ● अमृत विचार

कब्जे की शिकायत पर सरकारी भूमि के सीमांकन को टीम गठित

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव, अमृत विचार : ग्राम सभा मझरा पीपरखेड़ा एहतमाली में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने जांच एवं सीमांकन के आदेश दिए हैं। जिलाधिकारी के निर्देश पर सहायक अभिलेख अधिकारी द्वारा एक छह सदस्यीय विशेष टीम गठित की गई है, जो पुलिस बल की उपस्थिति में सरकारी भूमि का सीमांकन कर उसे सुरक्षित करेगी। बता दें कि परमसुख खेड़ा निवासी कमलेश ने 26 दिसंबर को आईजीआरएस के माध्यम से शिकायत की थी कि ग्राम सभा मझरा पीपरखेड़ा एहतमाली में स्थित भूमि संख्या 454 एवं 455, जो ग्राम सभा की भूमि है, उस पर भूमाफियाओं द्वारा अवैध कब्जा किया जा रहा है। इसी क्रम में 26 दिसंबर को ही शक्ति नगर निवासी दिव्या अवस्थी ने भी आईजीआरएस के माध्यम से शिकायत की थी कि भूमि संख्या 417, रकबा लगभग 29 बीघा 5 बिस्वा पर अवैध कब्जे की शिकायत की थी। इन दोनों शिकायतों के निस्तारण हेतु सहायक अभिलेख अधिकारी द्वारा सर्वे कानूनगो प्रेमप्रकाश तथा सर्वे लेखपाल अभिषेक मिश्रा, फूलचंद्र, रमेश चंद्र, निर्मल कृष्ण और रमाकांत यादव की छह सदस्यीय टीम गठित की गई है। टीम को निर्देशित किया गया है कि पुलिस बल की मौजूदगी में संबंधित भूमि का सीमांकन कर सरकारी भूमि को सुरक्षित किया जाए तथा जांच आख्या प्रस्तुत की जाए। इसके साथ ही थाना गंगाघाट के प्रभारी निरीक्षक को पर्याप्त पुलिस बल उपलब्ध कराकर टीम से समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन की इस कार्रवाई से भूमाफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है।

एनडीपीएस एक्ट के दोषी को मिली सजा

उन्नाव, अमृत विचार: पुरवा कोतवाली पुलिस ने 22 दिसंबर-2024 को क्षेत्र के फतेहगंज गांव निवासी हरिप्रसाद लोध उर्फ बउवा को एक किलो दो सौ ग्राम मादक पदार्थ के साथ पकड़ा था। इसपर एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई कर पुलिस ने उसे जेल भेजा गया था। तत्कालीन इंस्पेक्टर रमेश चंद्र दुबे ने जांच कर साक्ष्य 29 दिसंबर-2024 को कोर्ट में चार्ज शीट दाखिल की थी। सोमवार को मुकदमें की अंतिम सुनवाई के बाद न्यायाधीश जयवीर सिंह नागर ने शासकीय अधिवक्ता विनय प्रकाश शुक्ला की दलील व साक्ष्य के आधार पर हरिप्रसाद को दोषी ठहराते हुए उसे 21 दिन की सजा सुनाई।

नहर विभाग की भूमि पर अवैध कब्जा

● अधिशासी अभियंता से मामले की शिकायत कर दोषियों के खिलाफ की कार्रवाई की मांग

संवाददाता नवाबगंज, उन्नाव

अमृत विचार: विकासखंड नवाबगंज के गांव महतवानी तहसील हसनगंज में नहर विभाग की सुरक्षित भूमि पर अवैध कब्जे का मामला प्रकाश में आया है। इस संबंध में गांव निवासी अश्वनी पुत्र शिव प्रकाश ने एक्सईएन सिंचाई खंड उन्नाव को शिकायती पत्र देकर अवैध कब्जा हटवाने व दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

शिकायतकर्ता के अनुसार गांव महतवानी में सिंचाई सुविधा के लिए नहर/माइनर का निर्माण सिंचाई विभाग द्वारा कराया गया था। यह नहर करीब 500 फीट चौड़ाई में स्थित है। जिससे आसपास के किसानों के खेतों की सिंचाई होती है। आरोप है कि कुछ लोगों द्वारा नहर विभाग की उक्त सरकारी भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर पक्के निर्माण कर लिए गए हैं। अवैध कब्जे के चलते नहर का बहाव पूरी तरह बाधित है। जिससे किसानों को सिंचाई में दिक्कतें हो रही हैं। शिकायतकर्ता का कहना है कि यह लोग सरकारी भूमि पर कब्जा कर सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचा रहे हैं। अश्वनी कुमार ने एक्सईएन से मांग की कि नहर विभाग की भूमि को तत्काल अवैध कब्जे से मुक्त कराएं और दोषियों पर रिपोर्ट दर्ज कराकर कठोर कार्रवाई करें। साथ ही सरकारी भूमि पर हुए अवैध निर्माण से हुई क्षति की राजस्व वसूली भी कराई जाए।

जांच करने पहुंचे नहर विभाग के अधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत योजना के कार्य अधूरे जलापूर्ति को अभी इंतजार

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव) अमृत विचार : अमृत योजना के अंतर्गत नगरपालिका क्षेत्र से लेकर आसपास के ग्रामीण इलाकों तक भूमिगत पेयजल पाइपलाइन बिछाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। योजना का अधिकांश कार्य पूरा हो चुका है, लेकिन कुछ स्थानों पर कार्य अब भी अधूरा पड़ा हुआ है। ऐसे में आमजन को इस योजना का पूरा लाभ मिलने के लिए अभी करीब छह माह का इंतजार करना पड़ सकता है। सोमवार को जल निगम द्वारा नगर पालिका कार्यालय के पास खुदाई कर भूमिगत अमृत पेयजल पाइपलाइन को नगरपालिका की मौजूदा पाइपलाइन से जोड़ने का कार्य किया गया। ठेकेदार ने बताया कि गंगा बैराज की ओर से आ रही पाइपलाइन को पहले ही पालिका की पानी की टंकी से जोड़ा जा चुका है। हालांकि, टंकी की मरम्मत का कार्य अभी अधूरा होने के कारण आपूर्ति शुरू नहीं हो सकी है। सोमवार को डिस्चार्ज लेवल अर्थात जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पालिका की पेयजल पाइपलाइन को अमृत योजना की भूमिगत पाइपलाइन से जोड़ा गया। ठेकेदार का कहना है कि सभी तकनीकी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद आगामी छह माह के भीतर घर-घर स्वच्छ पेयजल आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी। वहीं, सहजनी क्रासिंग के पास रेलवे विभाग से एनओसी न मिलने के कारण पाइपलाइन डालने का कार्य प्रभावित हो रहा है, जिससे परियोजना की गति धीमी पड़ रही है। स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि जल्द ही सभी अड़चनें दूर होंगी और अमृत योजना का लाभ उन्हें मिल सकेगा।

जयंती पर याद किए गए कल्याण सिंह

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार: भाजपा कार्यालय में सोमवार को जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी के नेतृत्व में उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की जयंती व डॉ. मुरली मनोहर जोशी के जन्मदिवस पर विशेष कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यकर्ताओं ने उनके द्वारा दिखाए गए सुशासन के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। वहीं, भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. मुरली मनोहर जोशी के जन्मदिवस पर उनके चित्र पर तिलक लगाकर उनके स्वस्थ होने व दीर्घायु जीवन की मंगल कामना की गई।

पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित करते जिलाध्यक्ष व अन्य।

● कल्याण सिंह की जयंती व डॉ. मुरली मनोहर जोशी का मनाया जन्मदिवस

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष ने कहा कल्याण सिंह ने राजनीति में ईमानदारी व सुशासन के जो मानक स्थापित किए वे आज भी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणापुंज हैं। डॉ. मुरली मनोहर जोशी के विषय में कहा कि संगठन को वैचारिक रूप से सशक्त बनाने व जन-जन में राष्ट्रवाद की अलख जगाने में उनका का योगदान अतुलनीय है। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष राधे श्याम रावत, जिला पदाधिकारी आशीष बाजपेई 'अटल', नूतन,अनिल कुशवाहा, मनीष जायसवाल, कपिल निगम, सुशील तिवारी, कमल बाजपेई, विजय द्विवेदी, आनंद अवस्थी, प्रवीण सिंह, जितेंद्र पटेल, आशीष बाबा आदि उपस्थित रहे।

साकेतपुरी में 25वां अखंड पाठ संपन्न

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव), अमृत विचार: नवर्वष के अवसर पर साकेतपुरी सुंदरकांड सेवा समिति के तत्वावधान में शनिवार को 25वें अखंड पाठ का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान समिति द्वारा विधिवत धार्मिक अनुष्ठान कराए गए। रविवार को आयोजन के दूसरे दिन हवन एवं पूर्णाहुति संपन्न हुई, जिसमें श्रद्धालुओं ने आहुतियां देकर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके उपरांत शाम के समय कन्या पूजन का आयोजन किया गया, जिसमें कन्याओं को पूजकर उन्हें प्रसाद भेंट किया गया। इसके बाद राज तिलक कार्यक्रम हुआ, जिसमें भजन मंडली द्वारा प्रभु श्रीराम की महिमा से जुड़े एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत किए गए।

पंचशील बौद्ध बिहार पार्क में बनेंगे खेल मैदान

● पार्क परिसर में बैडमिंटन कोर्ट, वॉलीबॉल कोर्ट एवं कबड्डी कोर्ट का शीघ्र शुरू किया जाएगा निर्माण

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार: नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड 13, मिश्रा कॉलोनी स्थित पंचशील बौद्ध बिहार पार्क में खेलकूद सुविधाओं के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। नगर के युवाओं और बच्चों को खेल गतिविधियों से जोड़ने के उद्देश्य से पार्क परिसर में बैडमिंटन कोर्ट, वॉलीबॉल कोर्ट एवं कबड्डी कोर्ट का निर्माण शीघ्र शुरू किया जाएगा।

इस प्रस्तावित परियोजना को लेकर सोमवार को पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे के प्रतिनिधि संदीप पांडेय एवं स्वच्छ भारत मिशन प्रभारी अनूप शुक्ला ने पार्क परिसर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान खेल मैदानों के निर्माण, उनके उपयुक्त स्थान चयन, आवश्यक आधारभूत सुविधाओं तथा सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। उन्होंने संबंधित कर्मचारियों को शीघ्र कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए। पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे ने बताया कि खेल मैदानों के निर्माण के लिए विस्तृत स्टीमेट तैयार किया जा रहा है, जिसे स्वीकृति मिलते ही कार्य आरंभ कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन खेल सुविधाओं के विकसित होने से क्षेत्र के युवाओं और बच्चों को खेल प्रतिभा निखारने का अवसर मिलेगा।

पार्क का स्थलीय निरीक्षण करते प्रतिनिधि संदीप पांडे।

ई-रिक्शा पलटा, बाइक सवार दंपति घायल

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव), अमृत विचार: पोनी रोड स्थित ब्रह्मनगर मोड़ के पास सोमवार दोपहर रामनगर निवासी 40 वर्षीय अजय सैनी अपनी पत्नी 35 वर्षीय आरती सैनी को बाइक से लेकर पोनी रोड मार्ग से घर जा रहे थे। इसी दौरान उनके बगल से गुजर रहा सोफा लदा ई-रिक्शा कुछ ही दूरी पर सड़क पर गड्ढा पड़ने के कारण बाइक पर पलट गया। इससे दंपति ई-रिक्शे के नीचे दबकर घायल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों ने ई-रिक्शे को सीधा कर दंपति को बाहर निकाला और उपचार के लिए भेजा। वहीं लोगों ने ई-रिक्शा चालक की लापरवाही बताते हुए उसकी पिटाई कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मौसम के रंग

सूरज के दर्शन न होने और बर्फीली हवाओं के कारण पूरी तरह अस्त-व्यस्त रहा जनजीवन

3 दिन बाद खिली धूप पर शाम होते ही ठंड ने दिखाये तेवर

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार: जिले में मौसम का मिजाज हर पल बदल रहा है। पिछले तीन दिनों से सूरज के दर्शन न होने और बर्फीली हवाओं के कारण जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त था। सोमवार को करीब 72 घंटे बाद खिली गुनगुनी धूप ने लोगों को राहत दी, लेकिन यह राहत लंबी नहीं टिकी। सूरज ढलते ही ठंड ने फिर से अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए और गलन ने लोगों को घरों में कैद होने पर मजबूर कर दिया।

सोमवार सुबह की शुरुआत हमेशा की तरह घने कोहरे और कड़ाके की ठंड के साथ हुई थी। विजिबिलिटी (दृश्यता) कम होने के कारण हाईवे पर वाहनों की रफ्तार थमी रही। लेकिन सुबह करीब 10 बजे के आसपास बादलों की ओट से सूरज निकला, तो लोगों के चेहरे खिल उठे। धूप का आनंद लेने के लिए लोग घरों की छतों, पार्कों और छज्जों पर नजर आए। धूप निकलने से बाजारों में भी खासी भीड़ देखी गई और दैनिक कामकाज के लिए निकलने वाले राहगीरों को गलन से कुछ देर के लिए निजात मिली। मौसम का यह अहसास शाम 4 बजे तक ही सीमित रहा। जैसे-जैसे सूरज की तपिश कम हुई, बर्फीली पछुआ हवाओं ने एक बार फिर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। शाम 6 बजते-बजते पारा तेजी से नीचे गिरा और पूरे जिले में गलन बढ़ गई। ग्रामीण इलाकों में लोग एक बार फिर अलाव के सहारे नजर आए। अचानक बढ़ी इस ठंड ने यह साफ कर दिया है कि धूप निकलने के बावजूद अभी शीत लहर का खतरा टला नहीं है। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि यह धूप फसलों विशेषकर गेहूं के लिए अच्छी है, लेकिन पाला गिरने की संभावना अभी बनी हुई है। वहीं, स्वास्थ्य विभाग ने चेतावनी जारी की है कि धूप निकलने पर लोग अक्सर गर्म कपड़े उतार देते हैं, जिससे 'कोल्ड शॉक' लगने का खतरा रहता है। जिला अस्पताल के डॉक्टरों कौशलेंद्र प्रकाश के अनुसार तापमान में इस तरह का उतार-चढ़ाव बच्चों और बुजुर्गों में सर्दी-जुकाम और सांस संबंधी समस्याओं को बढ़ा सकता है। शाम के वक्त विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है।

पार्क में धूप का आनंद लेते लोग। ● अमृत विचार

आजाद की जयंती पर समारोह आज से

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार: अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद के 120वें जन्म दिवस पर बदरका में 6 जनवरी से तीन दिवसीय आजाद जयंती समारोह का शुभारंभ होने जा रहा है। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर शहीद चंद्रशेखर आजाद स्मारक ट्रस्ट समिति के महामंत्री राजेश शुक्ला ने विस्तृत जानकारी दी।

समारोह का उद्घाटन डीएम गौरांग राठी, पुलिस एसपी जय प्रकाश सिंह व भगवंतनगर विधायक आशुतोष शुक्ला की उपस्थिति में किया जाएगा। महामंत्री राजेश शुक्ला ने बताया कि 6 जनवरी को आजाद जयंती समारोह के साथ विकास प्रदर्शनी व बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित आजाद बाल मेला का भी उद्घाटन होगा। सूचना एवं जन संपर्क विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा एक प्रदर्शनी लगाई गई है। जिसमें सरकार की नीतियों व कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार होगा। जिले के विभिन्न विभागों द्वारा स्टाल लगाकर आमजन को सीधे तौर पर सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया जाएगा। 7 जनवरी को सुबह प्रभातफेरी से दिन की शुरुआत होगी। इसके बाद चित्रकला प्रतियोगिता व श्रद्धांजलि समारोह होगा। सांस्कृतिक संध्या में रामलखन तिवारी व नैना गौतम मंडली द्वारा आल्हा गायन की प्रस्तुति दी जाएगी। 8 जनवरी को अंतिम दिन विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा। इसके साथ इस तीन दिवसीय समारोह का समापन होगा। महामंत्री ने जनता से अपील की कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर न केवल शहीद आजाद को श्रद्धांजलि दें, बल्कि सरकार द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का लाभ उठाकर जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी लें।

बदरका गांव स्थित स्मारक स्थल में लगी चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा।

अमृत विचार

मंगलवार, 6 जनवरी 2026

क्रोध में व्यक्ति अपने मन की बात नहीं कहता, वह केवल दूसरों का दिल दुखाना चाहता है।
–मुंशी प्रेमचंद, हिंदी साहित्यकार

जायज चिंता

भारतीय वायुसेना प्रमुख द्वारा लड़ाकू विमानों की कमी को लेकर दोबारा जताई गई चिंता, एक ठोस रणनीतिक यथार्थ का प्रतिबिंब है। आज भारतीय वायुसेना के पास मात्र 29 लड़ाकू स्क्वाड्रन में 600 विमान बचे हैं, जबकि अधिकृत आवश्यकता कम से कम 42 स्क्वाड्रनों की है। यह अंतर भारत के पाकिस्तान और चीन के साथ संभावित दो-मोर्चों के संघर्ष की आशंका के मद्देनजर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा गंभीर रणनीतिक प्रश्न है। यह स्थिति और जटिल होगी, क्योंकि आने वाले वर्षों में तमाम पुराने विमानों की विदाई तय है। मिग-21 अपनी सेवा अवधि पूरी कर चुका है और जगुआर के चार स्क्वाड्रन 2027 के बाद चरणबद्ध रूप से रिटायर होने लगेंगे, ऊपर से इनकी दुर्घटनाएं भी आए दिन बढ़ रही हैं। इससे स्क्वाड्रन संख्या और घटेगी। पांचवीं पीढ़ी के स्वदेशी स्टील्थ फाइटर के लिए एएमसीए कार्यक्रम शुरू हो चुका है, लेकिन पहला विमान 2035 से पहले मिलने की उम्मीद नहीं है। यानी अगले एक दशक तक एक स्पष्ट 'क्षमता अंतराल' बना रहेगा। इस गैप को भरने के लिए वायुसेना के सामने तीन व्यावहारिक रास्ते हैं—स्वदेशी उत्पादन को तेज़ करना, सीमित अवधि के लिए विदेशी खरीद और बल संरचना में स्मार्ट टेक्नोलॉजी का समावेश।

1996 में 41 स्क्वाड्रन से आज 29 तक की गिरावट इस बात की याद दिलाती है कि सुस्त और जटिल खरीद प्रक्रियाएं कितनी महंगी पड़ सकती हैं। जरूरी है लड़ाकू विमानों की जल्द खरीद और स्वदेशी का फाइटर जेट्स का शीघ्र समावेश। विदेशी विकल्पों के तौर पर रूस के स्टेल्थ फाइटर सुखोई-57 फेलोन, जिसमें किंजल जैसी हाइपरसोनिक मिसाइल के इंटीग्रेशन की बात कही जाती है, एक संभावित 'रेस्क्यू पैकेज' कहा जा रहा है, तो अमेरिका का एफ-35 भी होड़ में है, हालांकि उससे जुड़ी लागत और रणनीतिक शर्तें कुछ ठीक नहीं हैं। इन सौदों की बात ही क्या, जब 114 रॉफेल जेट्स की प्रस्तावित खरीद लंबे समय से अटकी हुई हो। स्वदेशी मोर्चे पर तेजस एमके-1ए विमान संख्या की तात्कालिक कमी को आंशिक रूप से भर सकता है, पर इसका उत्पादन अत्यंत धीमा है, हालांकि एयरबोर्न सर्विलांस, प्लेटफॉर्म, डीआरडीओ के नेत्रा सिस्टम और ड्रोन वारफेयर— स्वार्म, लोटरिंग और सर्विलांस ड्रोन इत्यादि में निवेश बढ़ रहा है। उत्तरी सीमाओं, द्वीप क्षेत्रों और रणनीतिक ठिकानों को डबल कवर देने के लिए एकीकृत एयर डिफेंस नेटवर्क पर काम जारी है, लेकिन अभी काफी दूरी तय करनी बाकी है। वायुरक्षा प्रणाली एस-400, आकाश और आकाशतीर जैसे नेटवर्क देश की वायु-सीमा को मजबूत बनाते हैं, लेकिन वे फाइटर जेट्स का विकल्प तो कतई नहीं बन सकते हैं। एयर डिफेंस बचाव कर सकता है, पर युद्ध जीत नहीं सकता।

सवाल यह है कि वायुसेना प्रमुख की चिंता कब तक दूर होगी? जवाब है, आधुनिक, तेज़, स्टील्थ-सक्षम और मल्टी-रोल फाइटर जेट्स का ऐसा संतुलित बेड़ा जो रक्षा के साथ आक्रामक बढ़त भी दे, उसकी मौजूदगी तभी संभव होगी जब राष्ट्रीय सुरक्षा को प्राथमिकता दे कर तात्कालिक खरीद, मध्यम अवधि की स्वदेशी क्षमता और दीर्घकालिक दृष्टि, सब पर समान गंभीरता से अविलंब बढ़ा जाए।

टैरिफ डिविडेंड का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

विश्व व्यापार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा और राजनीतिक तनावों के बीच अमेरिका ने एक नई आर्थिक सोच को जन्म दिया है, जिसे टैरिफ डिविडेंड (Tariff Dividend) कहा जा रहा है। इसका मूल विचार यह है कि जब कोई देश विदेशी वस्तुओं पर आयात शुल्क (टैरिफ) लगाकर भारी राजस्व प्राप्त करता है, तो उस राजस्व का एक हिस्सा अपने नागरिकों को सीधे 'डिविडेंड' या बोनस के रूप में लौटाया जाए। इससे एक ओर घरेलू उद्योग को सुरक्षा मिलती है, वहीं दूसरी ओर नागरिकों की क्रयशक्ति भी बनी रहती है। अमेरिका में इस नीति के ज़रिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि यदि आयात शुल्कों से सरकार को अतिरिक्त राजस्व मिलता है, तो उसका एक हिस्सा हर नागरिक को लगभग $2,000 (करीब 1.7 लाख) तक नकद सहायता के रूप में दिया जा सकता है।

टैरिफ डिविडेंड का सबसे बड़ा उद्देश्य है अमेरिकी अर्थव्यवस्था को दोहरे लाभ की स्थिति में लाना। पहला, विदेशी वस्तुओं पर ऊंचे शुल्क लगाकर सरकार को अरबों डॉलर का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त करना और दूसरा, इसी राजस्व से घरेलू खपत बढ़ाने के लिए नागरिकों को नकद प्रोत्साहन देना। वर्तमान में अमेरिका का वार्षिक कस्टम राजस्व लगभग $80 से $90 अरब डॉलर के बीच है, जो ट्रंप युग के टैरिफ बढ़ोतरी के बाद लगभग दोगुना हुआ है। उदाहरण के लिए, चीन से आने वाले स्टील, एल्युमिनियम, इलेक्ट्रॉनिक सामान, सोलर मॉड्यूल, बैटरियों और वाहनों पर अमेरिका ने औसतन 25% तक आयात शुल्क लगाया है, जिससे अमेरिकी खज़ाने को पिछले पांच वर्षों में $350 अरब डॉलर से अधिक की अतिरिक्त आमदनी हुई है। यही धनराशि अब 'टैरिफ डिविडेंड' के रूप में आम जनता तक पहुंचाने की बात की जा रही है।

अमेरिका के लिए यह योजना कई दृष्टियों से लाभकारी हो सकती है। सबसे पहले, यह नीति घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देती है। जब विदेशी माल महंगा हो जाता है, तो अमेरिकी कंपनियां अपनी फैक्ट्रियों में उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रेरित होती हैं। इससे रोजगार के अवसरों में वृद्धि होती है। 2024 के आंकड़ों के अनुसार, 'री-शोरिंग' नीतियों के कारण अमेरिका में लगभग 3.5 मिलियन नई नौकरियां पैदा हुई हैं। दूसरा लाभ यह है कि टैरिफ डिविडेंड से नागरिकों की खरीदने की क्षमता बढ़ती है। नकद सहायता मिलने पर उपभोक्ता खर्च बढ़ाते हैं, जिससे स्थानीय व्यापार, सेवा क्षेत्र और रिटेल उद्योग को बल मिलता है। तीसरा लाभ राजनीतिक है। सरकार यह दिखा सकती है कि 'विदेशी सामान पर लगाया गया शुल्क' अब देश के लोगों को सीधे लाभ पहुंचा रहा है, जिससे मतदाता समर्थन भी बढ़ सकता है।

इस नीति की कुछ सीमाएं और खतरे भी हैं। आयात महंगा होने से अमेरिका में वस्तुओं की कीमतें बढ़ जाती हैं, जिससे महंगाई पर दबाव बनता है। उदाहरण के लिए, स्टील और एल्युमिनियम पर टैरिफ बढ़ने के बाद अमेरिका में निर्माण सामग्रियों की लागत 12% तक बढ़ गई है। इलेक्ट्रॉनिक सामान और ऑटोमोबाइल सेक्टर में भी औसतन 8–10% मूल्य वृद्धि देखी गई है। इसका असर आम उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ता है और यदि महंगाई बढ़ती है तो 'टैरिफ डिविडेंड' से मिला नकद लाभ जल्दी खत्म हो जाता है। साथ ही, विदेशी देशों के साथ व्यापार तनाव बढ़ने से वैश्विक सप्लाई चेन पर असर पड़ता है, जैसा कि 2018–2020 के 'अमेरिका-चीन ट्रेड वॉर' में देखा गया था।

अब सवाल यह उठता है कि इस टैरिफ डिविडेंड से भारत को क्या असर और अवसर मिल सकते हैं? भारत के लिए यह स्थिति मिश्रित है। यह एक ओर अवसर है, तो दूसरी ओर चुनौती भी। अवसर इसलिए क्योंकि अमेरिका अब 'फ्रेंड-शोरिंग' (Friend-shoring) यानी भरोसेमंद देशों से सामान मंगाने की नीति पर काम कर रहा है। चीन से दूर जाने की इस प्रक्रिया में भारत एक मुख्य भागीदार बन सकता है। पहले से ही अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन चुका है। 2024 में दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार $200 अरब डॉलर के स्तर को पार कर चुका है, जिसमें भारत ने अमेरिका को लगभग $118 अरब डॉलर का माल निर्यात किया। यदि अमेरिका चीन से आयात घटाकर भारत से बढ़ाता है, तो भारत के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा, इंजीनियरिंग, रसायन, वस्त्र और ऑटो पार्ट्स क्षेत्रों में बड़ी वृद्धि के अवसर खुलेंगे।

दूसरी ओर, टैरिफ डिविडेंड की नीति चुनौतियां भी पैदा करती हैं। यदि अमेरिका अपने घरेलू उद्योगों को बचाने के लिए भारतीय सामानों पर भी ऊंचे टैरिफ लगाना जारी रखता है, तो हमारे निर्यातकों को झटका लग सकता है। अमेरिका भारतीय जेम्स-ज्वेलरी, फार्मास्यूटिकल और टेक्सटाइल सेक्टर पर पहले ही 7% से 12% तक शुल्क लगाता है। यदि यह बढ़ा, तो भारत की प्रतिस्पर्धा क्षमता प्रभावित हो सकती है। साथ ही, वियतनाम, मेक्सिको और मलेशिया जैसे देशों की तुलना में भारत को अपनी लॉजिस्टिक लागत (जो वर्तमान में जीडीपी का लगभग 13% है) कम करनी होगी, ताकि उसके उत्पाद अमेरिका में प्रतिस्पर्धी बने रहें।

भारत को इस परिदृश्य में एक संतुलित रणनीति अपनानी होगी। सबसे पहले, निर्यात के नए बाज़ारों जैसे यूरोप, खाड़ी देशों और अफ्रीका में विविधता लानी होगी ताकि किसी एक देश पर निर्भरता कम हो। दूसरा, 'मेक इन इंडिया' और 'पीएलआई योजना' जैसे कार्यक्रमों को और मज़बूत बनाना होगा, ताकि भारत वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में उभरे। तीसरा, गुणवत्ता और उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए तकनीकी सुधार और कुशल श्रम-बल पर ध्यान देना होगा। कहा जा सकता है कि टैरिफ डिविडेंड अमेरिकी राजनीति और अर्थव्यवस्था का एक अभिनव प्रयोग है। यह अल्पकाल में अमेरिकी नागरिकों को राहत दे सकता है और घरेलू उद्योग को सुरक्षा प्रदान कर सकता है, परंतु इसके दीर्घकालिक प्रभाव मिश्रित हैं।

टैरिफ डिविडेंड का मूल विचार यह है कि जब कोई देश, विदेशी वस्तुओं पर आयात शुल्क (टैरिफ) लगाकर भारी राजस्व प्राप्त करता है, तो उस राजस्व का एक हिस्सा अपने नागरिकों को सीधे 'डिविडेंड' या बोनस के रूप में लौटाया जाए।

आमने

ये लोग खुलेआम कहते हैं कि उनकी चार पत्नियां और 19 बच्चे हैं। मेरा सुझाव है कि हमें कम से कम तीन से चार बच्चे पैदा करने चाहिए। वे बड़ी संख्या में बच्चे पैदा करके हिंदुस्तान को पाकिस्तान बनाना चाहते हैं, तो हम सिर्फ एक बच्चे से क्यों संतुष्ट हों?
–नवनीत राणा
भाजपा नेता

सामने

बच्चे तो पैदा कर लोगे, लेकिन उनका भविष्य क्या होगा? भारत युवाओं का देश है, यहां बड़ी तादाद में 40 साल से कम उम्र के लोग हैं, लेकिन सरकार उन्हें नौकरियां नहीं दे रही। मोदी कहते हैं कि हम नौकरियां नहीं दे सकते, तुम गोरक्षक बनो।
–असदुद्दीन ओवैसी
एआईएमआईएम प्रमुख

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की हत्या पर चुप्पी

डॉ. विकास शुक्ला
चिकित्सक

पड़ोसी देश बांग्लादेश हिंसा की आग में जल रहा है। कट्टरपंथी ताकतों के आगे मोहम्मद यूनुस की सरकार ने घुटने टेक दिए हैं। उन्मादी भीड़ ने पहले बेगुनाह दीपू चंद्र दास को ईशनिंदा के झूठे आरोप में पीट-पीटकर मार डाला। फिर पेट्रोल डालकर शव को आग के हवाले किया। इसके बाद अमृत मंडल और बजेंद्र बिस्वास को मौत के घाट उतारा गया। दवा कारोबारी खोकन चंद्र दास को चाकुओं से गोदने के बाद पेट्रोल डालकर जलाया गया। इन घटनाओं पर अंतर्राष्ट्रीय चुप्पी समझ से परे है। अल्पसंख्यक हितों पर भारत को मानवता का पाठ पढ़ाने वाला अमेरिका भी खामोश है, तो यूरोपीय देश भी मौन साधे हुए हैं। ऐसा क्यों? समझ में नहीं आ रहा है।

संयुक्त राष्ट्र संघ को अल्पसंख्यक हिंदुओं की कब्रगाह बन रहे बांग्लादेश में हस्तक्षेप करना चाहिए, लेकिन थोथी बयानबाजी के अलावा वहां से भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। अगले माह बांग्लादेश में चुनाव होने हैं। उम्मीद लगाई जा रही है कि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी को वहां सत्ता की कमान मिल सकती है। यदि ऐसा होता है, तो हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा कुछ हद तक हो सकती है। कहीं कट्टरपंथी जमात और उसके सहयोगी संगठन सत्ता में आए तो अल्पसंख्यकों का हाल वही होगा जो अभी हो रहा है। बांग्लादेश सरकार के मुख्य सलाहकार उन पर कार्रवाई करने के बजाय सत्ता का सुख भोग रहे हैं।

शेख हसीना के शासन में अल्पसंख्यक हिंदू सुरक्षित रहे हैं। जब भी उनके विरुद्ध उन्माद भड़का, सरकार ने कठोर कार्रवाई की और उन्मादियों को गिरफ्तार कराया। पिछले साल छात्र आंदोलन में शेख हसीना को सत्ता से हाथ धोना पड़ा और वह भाग कर भारत आ गईं। इसके बाद से अल्पसंख्यक हिंदुओं का जीना मुहाल हो गया है। बांग्लादेश जब 1971 में स्वतंत्र हुआ, तक वहां अल्पसंख्यक हिंदुओं की आबादी 20 फीसद थी, लेकिन उत्पीड़न व अन्य कारणों से हुए पलायन के कारण अब यह जनसंख्या सिर्फ आठ फीसद रह गई है। यही वजह कि न तो वे प्रतिरोध कर पा रहे हैं और न ही अपनी आवाज को ठीक से उठा पा रहे हैं।

शेख हसीना की पार्टी आवामी लीग के समर्थक माने जाने वाले हिंदुओं को उम्मीद जगी थी कि मोहम्मद यूनुस के राज में उनका हित सुरक्षित रहेगा, लेकिन कट्टरपंथियों को मिले बढ़ावे से उनकी उम्मीदें न सिर्फ धूल धूसरित हो गईं, बल्कि अब जान बचानी भी उनके लिए मुश्किल हो गई है। वे डर-डर के जी रहे हैं। उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के बजाय मोहम्मद यूनुस अब भारत को लोकतंत्र और मानवाधिकार का पाठ पढ़ा रहे हैं। बिना जनादेश वाले यूनुस केवल कट्टरपंथी ताकतों के हाथों की कठपुतली बनकर रह गए हैं और भारत में अल्पसंख्यकों के विरुद्ध हुई कथित घटनाओं का हवाला दे रहे हैं।

उन्हें यह समझना होगा कि भारत में अल्पसंख्यक लोकतंत्र का अहम अंग हैं। जबकि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक केवल दोयम दर्जे के नागरिक बन कर रह गए हैं, जहां उन्हें कट्टरपंथियों के हाथों मारा जा रहा है। दीपू दास व अन्य लोगों की मॉब लिंचिंग बांग्लादेश के हालात को बयां कर रही है। भारत सरकार को चाहिए कि वह इस संबंध में जरूरी कदम उठाए, ताकि वहां मॉब लिंचिंग रुक सके। यह मुद्दा संयुक्त राष्ट्र संघ में भी उठाया जाना चाहिए। इसके लिए संघ की आपात बैठक बुलाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्रयास करना चाहिए, ताकि बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस को पूरी दुनिया के सामने बेनकाब किया जा सके।

मोहम्मद यूनुस ने कट्टरपंथियों के विरुद्ध अभी तक कोई ऐसा कदम नहीं उठाया है, जो कि हिंसा रोकने के लिए कारगर हो, जबकि उन्होंने आवामी लीग को चुनाव से रोकने के लिए उस पर प्रतिबंध जरूर लगा दिया। बांग्लादेश में जो हालत बन रहे हैं वे अच्छे नहीं हैं। अमेरिका, चीन, रूस, ब्रिटेन, इटली, जर्मनी जैसे देशों पर इस बात का दबाव डाला जाना चाहिए कि वे भी बांग्लादेश पर कूटनीतिक दबाव डालें, ताकि वहां मॉब लिंचिंग रुके। अन्यथा बचे-खुचे अल्पसंख्यक हिंदुओं को वहां से पलायन करना होगा।

बांग्लादेश में जो कुछ हो रहा है, उसके लिए पाकिस्तान तो जिम्मेदार है ही, चीन भी कुछ हदतक जिम्मेदार है। आज बांग्लादेश चीन और पाकिस्तान की गोद में खेल रहा है। पाकिस्तान तो हिंदुओं का दुश्मन पहले से ही रहा है। चीन को यह बात समझनी होगी कि वहां बढ़ता कट्टरपंथ उसके लिए भी किसी खतरे से कम नहीं है। बीएनपी की सरकार बनने पर क्या वहां हालात सुधरेंगे? विदेशी मामलों के जानकार यह मानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है। बीएनपी का इतिहास भारत विरोधी रहा है। वह जब भी सत्ता में रही, वहां कट्टरपंथियों और आतंकियों ने अपनी जड़ें मजबूत कीं। तब भी हिंदुओं के विरुद्ध वहां हिंसक घटनाएं हुईं। ऐसे में चुनाव बाद हालात बदल जाएंगे यह सोचना उचित नहीं होगा।

शेख हसीना के शासन में अल्पसंख्यक सुरक्षित रहे हैं। शेख हसीना को सत्ता से बेदखल कर दिया गया। इसके बाद से अल्पसंख्यकों का जीना मुहाल हो गया है।

प्रसंगवश

घरेलू हिंसा रोकने में पुरुष भी बनें समाधान का हिस्सा

राजस्थान की राजधानी जयपुर में हाल ही में सामने आया घरेलू हिंसा का एक मामला केवल एक आत्महत्या की खबर नहीं है, बल्कि यह उस सामाजिक सड़ांध का प्रतीक है, जो आज भी हमारे घरों के भीतर पल रही है। 32 वर्षीय विवाहिता ने अपने चार महीने के मासूम बेटे के सामने गेहूं की टंकी में रखा सल्फास खाकर जान दे दी। लगातार मारपीट, दहेज की मांग और मानसिक प्रताड़ना ने उसे इस हद तक तोड़ दिया कि जीवन से उसका विश्वास उठ गया। ऐसी घटनाएं अब अपवाद नहीं रहीं।

पिछले महीने जयपुर के कालवाड़ थाना क्षेत्र में घरेलू हिंसा से परेशान एक महिला ने देर रात 150 फीट गहरे कुएं में छलांग लगा दी। गनीमत रही कि समय रहते पुलिस ने रेस्क्यू कर उसकी जान बचा ली। इसी तरह कोटा के महावीर नगर इलाके में घरेलू विवाद ने जब खौफनाक रूप लिया, तो पति ने पत्नी को जूस पिलाने के बहाने घर से बाहर बुलाया और सुनसान सड़क पर ले जाकर चाकू से हमला कर उसका कान काट डाला। वहीं जोधपुर में दिवाली से पहले बहू को उसके पति और ससुर ने बीच सड़क पर बेरहमी से पीटा। अजमेर में देर रात शराब के नशे में धुत एक पति ने अपनी पत्नी को इस कदर पीटा कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

देवेंद्र सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

घरेलू हिंसा के मामलों में भावनात्मक और मानसिक प्रताड़ना, यौन हिंसा के सबसे ज्यादा है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 में 18 से 49 वर्ष की विवाहित महिलाओं को शामिल किया गया था। घरेलू हिंसा के मामलों में कर्नाटक 48.4 प्रतिशत के साथ शीर्ष पर है। इसके बाद बिहार 42.5 प्रतिशत के साथ दूसरे और मणिपुर 41.6 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर है। तेलंगाना में 40.4 प्रतिशत तथा तमिलनाडु में 39.7 प्रतिशत महिलाएं घरेलू हिंसा का शिकार पाई गईं। सबसे कम घरेलू हिंसा केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप में दर्ज की गई, जहां यह आंकड़ा केवल 1.3 प्रतिशत है। इसके अलावा गोवा में 9.7 प्रतिशत, हिमाचल प्रदेश में 10.7 प्रतिशत और नागालैंड में 11.0 प्रतिशत महिलाएं घरेलू हिंसा से प्रभावित हैं।

इन आंकड़ों के पीछे की सच्चाई और भी डरावनी है, क्योंकि अधिकतर महिलाएं कभी शिकायत दर्ज ही नहीं करातीं। सामाजिक बदनामी का डर, आर्थिक निर्भरता, बच्चों का भविष्य और घर टूट जाएगा, जैसी सोच उन्हें चुप रहने पर मजबूर कर देती है। पितृसत्तात्मक समाज, जहां पुरुष को अधिकार और महिला को सहनशीलता का पाठ पढ़ाया जाता है, घरेलू हिंसा की सबसे बड़ी जड़ है। शिक्षा की कमी, बेरोजगारी, आर्थिक असमानता, नशे की लत, दहेज प्रथा और कानून की सीमित जानकारी इस आग में घी का काम करती है।

घरेलू हिंसा की रोकथाम के लिए केवल महिलाओं को मजबूत बनाना पर्याप्त नहीं है। जरूरी है कि पुरुषों को भी समाधान का हिस्सा बनाया जाए। बचपन से ही लड़कों को समानता, संवेदनशीलता और सम्मान के संस्कार सिखाने होंगे। नशे पर नियंत्रण, महिलाओं की शिक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता, रोजगार के अवसर, त्वरित न्याय और परिवार में संवाद का माहौल इस समस्या को काफी हद तक कम कर सकता है। बेल बजाओ जैसे अभियानों ने यह साबित किया है कि सामाजिक जागरूकता से सोच बदली जा सकती है। जरूरत है ऐसे निरंतर, ईमानदार और जमीनी अभियानों की, जो हर घर तक यह संदेश पहुंचाएं कि हिंसा अपराध है, चाहे वह चारदीवारी के भीतर ही क्यों न हो। यदि हम सच में महिलाओं के खिलाफ हिंसा से मुक्त भारत बनाना चाहते हैं, तो अब चुप्पी तोड़नी होगी। हर खामोशी किसी न किसी महिला की चीख बनकर हमें शर्मिंदा करती रहेगी।

सोशल फोरम

जिंदगी के लिए अनोखी जंग

डॉक्टर बोले- ब्लड कैंसर है। बचना मुश्किल है। जब मौत सामने थी और दवा ने जवाब दे दिया, तब उस आदमी ने जंगल और बर्फीली नदी से जिंदगी की नई कहानी लिखी।

52 वर्षीय एक व्यक्ति की कहानी इस सोच को नई ऊर्जा देती है। उन्हें ल्यूकेमिया (ब्लड कैंसर) और लिंफोमा (लसीका ग्रंथि का कैंसर) हुआ। डॉक्टरों ने तुरंत कीमोथेरेपी और रेडिएशन की सलाह दी, लेकिन उन्होंने conventional treatment को ठुकराकर नेचुरल कैंसर हीलिंग का मार्ग अपनाया।

अजीत सिंह
ब्लॉगर

इस व्यक्ति ने खुद को एक 'प्राकृतिक ट्रायल' में झोंक दिया। उन्होंने 4C के बर्फीले पानी में 187 मील तैरने का संकल्प लिया। यह किसी भी औसत व्यक्ति के लिए असंभव लगता है, लेकिन उनके लिए यह प्रकृति से जुड़ने का एक जरिया था। नेचुरल कैंसर हीलिंग के तहत ठंडे पानी में तैरना न सिर्फ शरीर को झटका देता है, बल्कि इम्यून सिस्टम को भी जागृत करता है।

187 मील (करीब 300 किलोमीटर) तैराकी 4C के बर्फीले पानी में की। हर हफ्ते एक रात जंगल में बिताई। कैंसर से लड़ने के बजाय जीवन से प्यार करने का नजरिया अपनाया। हर हफ्ते एक रात वह जंगल में अकेले बिताते थे। कोई गैजेट नहीं, कोई इंसानी संपर्क नहीं। सिर्फ पेड़, चांदनी और उनके विचार। यह प्रकृति से गहन संपर्क नेचुरल कैंसर हीलिंग का एक अनिवार्य हिस्सा है, जहां शरीर को नकारात्मकता से मुक्ति मिलती है।

पहली तैराकी के बाद जब ब्लड टेस्ट हुआ तो ल्यूकेमिया गायब हो चुका था। उनके कैंसर विशेषज्ञ डॉक्टर ने यहां तक कहा, 'अगर मैंने खुद उनका टेस्ट नहीं किया होता, तो यकीन नहीं करता कि उन्हें कभी कैंसर था!'

इस तरह के प्राकृतिक तरीकों को आज विज्ञान भी समर्थन देता है। जापान में हुए एक शोध में पाया गया कि जंगल में 72 घंटे बिताने पर नेचुरल किलर सेल्स (NK Cells) की संख्या 50 से 200 गुना तक बढ़ जाती है। ये वही कोशिकाएं हैं जो कैंसर से लड़ती हैं। नेचुरल कैंसर हीलिंग में प्रयोग होने वाले शारीरिक और मानसिक व्यायाम, जैसे तैराकी और मेडिटेशन, इम्यून सिस्टम को पुनर्जीवित करने में सहायक हैं।

कोल्ड वाटर में डुबकी लगाने से एंटी-इंफ्लेमेटरी हार्मोन्स सक्रिय होते हैं, जिससे शरीर खुद को मरम्मत करता है। सच है कि दवाएं आखिरी विकल्प होनी चाहिए, पहली नहीं। हर दवा के साइड इफेक्ट होते हैं, लेकिन प्रकृति के सिर्फ फायदे होते हैं। **–फेसबुक वाल से**

सामयिकी

आर्थिक महाशक्ति भारत व आम लोगों का जीवन स्तर

आज भारत 4.187 ट्रिलियन डॉलर के साथ विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और उसने जापान को पीछे कर दिया है। भारत सबसे तेज गति वाली अर्थव्यवस्था है और वह दिन दूर नहीं है, जब भारत में कामगार आबादी एक अरब होगी। फिलहाल भारत की कुल आबादी 1.47 अरब को पार कर चुकी है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक और कई विख्यात रेटिंग एजेंसियां 2025-26 (31 मार्च, 2026 तक) वित्त वर्ष में भारत की आर्थिक विकास दर औसतन 7 फीसदी आंक रही हैं। देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन इससे भी अधिक विकास दर को लेकर आशान्वित हैं।

जर्मनी 4.7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ तीसरे स्थान पर है। भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के कगार पर है। ऐसी अनुकूल स्थिति के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी ने शीर्ष नौकरशाहों को यह सलाह क्यों दी है कि 'विनियमन प्रकोष्ठ' स्थापित किए जाएं। प्रधानमंत्री देश की बढ़ती आर्थिक ताकत के रास्ते में किसी भी नियम, कानून और प्रक्रिया को रोड़ा बनने के पक्षधर नहीं हैं। साफ है कि प्रधानमंत्री सुधारों को गति देना चाहते हैं।

आकाश सपेलकर
अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट

नीति आयोग ने 2017 की अपनी रपट में स्वीकार किया था कि भारत में एक दुकान स्थापित करने में औसतन 118 दिन लगते थे। असम में यह अवधि 248 दिन तक फैल जाती थी। बेशक आज स्थितियां तुलनात्मक रूप से बेहतर हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने फालतू के सैकड़ों कानूनों को खत्म किया है, लेकिन प्रक्रियाएं आज भी व्यापार, उद्योग के पहिये को अवरुद्ध कर रही हैं, लिहाजा प्रधानमंत्री को 'विनियमन प्रकोष्ठ' स्थापित करने की बात कहनी पड़ी है।

यदि भारत 2047 तक 'विकसित राष्ट्र' बनना चाहता है, तो ऐसी स्थितियां बनानी पड़ेंगी, जिनमें कायदे-कानून और फालतू की प्रक्रियाएं 'शासन' न करती हों, बल्कि नियमन को सहज-सुगम बनाती हों। अब भारत ऐसा देश है, जिसमें 2025 में 1.95 लाख करोड़ रुपये के आईपीओ आए और डीमैट खातों की संख्या 21 करोड़ के पार चली गई। अभी तक 1350 स्टार्टअप में 25,320 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया गया है।

आज भारत 159 प्रकार के गोला-बारूद, गोलियां, रॉकेट आदि का उत्पादन देश में ही कर रहा है। रक्षा-क्षेत्र करीब 91 फीसदी आत्मनिर्भर हो चुका है। 'मेक इन इंडिया' उत्पादों में ब्रह्मोस और पिनाका मिसाइलों की मांग बढ़ रही है। 2029 तक भारत ने 50,000 करोड़ रुपये के रक्षा-निर्यात का लक्ष्य तय किया है। आधा तो हम हासिल कर चुके हैं। बहरहाल संसद में बजट पेश करते हुए राजकोषीय घाटे का जो लक्ष्य तय किया गया था, वह नियंत्रण में है। मुद्रास्फीति 0.7 फीसदी तक गिर गई है। चालू खाते का घाटा दोगुना हो सकता है, लेकिन यह जीडीपी के 1.2 फीसदी तक ही रहेगा, जो एक सहज स्थिति है।

यह हमारी आर्थिक और बाजारी ताकत है कि गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन जैसी विख्यात बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने भारत में 67.5 अरब डॉलर का निवेश करने की घोषणाएं की हैं। आज भारत महाशक्ति के जिस अवतार में है, उसमें बहुआयामी गरीबी, बेरोजगारी, किसानी, श्रम, पानी आदि को लेकर जो संकटग्रस्त स्थितियां हैं, वे बहुत बड़ा सवालिया निशान भी हैं। कमोबेश 2026 में उन पर प्राथमिकता के स्तर पर विचार किया जाना चाहिए। भारत को आर्थिक क्षेत्र में अभी लंबा सफर तय करना है। पर इन सभी सांख्यिकी ऊंचाइयों का प्रभाव समान्य लोगो के जीवन पर पड़ना चाहिए, जिससे कि उनके जीवन का भी सांख्यिकी विकास हो।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह***
0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

बोधकथा

सुनने का महत्व

एक वर्ष तक वनवास का जीवन जीने के बाद युवराज का मन अपने राज्य लौटने को व्याकुल हो उठा। उसे लगता था कि अब वह बहुत कुछ सीख चुका है, परंतु गुरु की आज्ञा के आगे उसका आग्रह ठहर नहीं सका। विवश होकर वह फिर से उसी घने जंगल की ओर चल पड़ा, जहां मौन ही सबसे बड़ा गुरु था। दिन बीतते गए। वृक्षों की सरसराहट, पक्षियों की चहचहाहट और बहती हवा की आवाजें उसे पहले जैसी ही प्रतीत होती रहीं। कोई नवीन अनुभव नहीं, कोई नई अनुभूति नहीं। युवराज के मन में बेचैनी घर करने लगी। क्या यही वह शिक्षा थी, जिसके लिए उसे फिर वन में भेजा गया था?

एक दिन उसने ठान लिया कि अब वह केवल कानों से नहीं, मन से सुनेगा। उसने अपने भीतर के शोर को शांत किया और हर ध्वनि को पूरे ध्यान से ग्रहण करने लगा। तभी एक सुबह, जब जंगल अभी नींद से जाग ही रहा था, उसे कुछ अज्ञात-सी, अत्यंत सूक्ष्म आवाजें सुनाई देने लगीं। ये आवाजें कानों से अधिक आत्मा में उतरती चली गईं। समय के साथ उसकी संवेदनशीलता बढ़ती गई। अब उसे कलियों के खिलने की मूक ध्वनि सुनाई देने लगी। धरती पर उतरती सूर्य-किरणें उसे किसी कोमल राग की तरह प्रतीत होने लगीं। तितलियों की उड़ान में गीत था और घास की पत्तियां सुबह की ओस को ऐसे पीती थीं, मानो प्रकृति स्वयं संवाद कर रही हो। कुछ दिनों बाद युवराज गुरु के चरणों में उपस्थित हुआ। उसने विनम्रता से कहा, "गुरुदेव, जब तक मैं सतही रूप से सुनता रहा, मुझे कुछ नया नहीं मिला, लेकिन जिस दिन मैंने ध्यान से सुनना सीखा, उस दिन मुझे वह सब सुनाई देने लगा जो शब्दों में नहीं था।"

गुरु मुस्कुराए और बोले, "यही शिक्षा है, जो शासक अनकही पीड़ा को सुन ले, बिना बोले भावनाएं समझ ले, वही सच्चा राजा होता है। अनसुनी आवाजों को सुनने की क्षमता ही जनविश्वास की नींव है।" इससे हमको शिक्षा मिलती है कि सच्चा नेतृत्व आदेश देने से नहीं, संवेदनशील सुनने से जन्म लेता है, जो अनकहे को सुन ले, वही लोगों के दिलों पर राज करता है।

– पंकज शर्मा

शुभ मंगल और कल्याण का प्रतीक
स्वास्तिक

भारतीय संस्कृति में प्रतीकों का बड़ा महत्व है। यह प्रतीक अपने भीतर अनेक रहस्यों को समेटे रहते हैं, लेकिन इनका रहस्य वही जान सकता है, जो संस्कृति के इन प्रतीकों को गहराई से जानता एवं समझता हो। शेष लोगों के लिए प्रतीक केवल प्रतीक जैसे ही होते हैं। भारतीय संस्कृति में 'स्वास्तिक' भी एक महत्वपूर्ण प्रतीक है। इसे सूर्य का प्रतीक माना जाता है। वैसे भारतीय संस्कृति में स्वास्तिक के अनगिनत आयाम हैं और इसे तरह-तरह से अभिव्यक्त किया गया है। स्वास्तिक का सामान्य अर्थ आर्शीवाद देने वाला, मंगल या पुण्य कार्य करने वाला है। यह शुभ या मांगलिक कार्यो एवं पुण्यकृतियों की स्थापना के रूप में प्रकट किया जाता है।

पं. मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

स्वास्तिक का प्रतीक 'ॐ'

स्वास्तिक का अर्थ, ऐसे अस्तित्व से है, जो शुभ भावना से सराबोर हो, कल्याणकारी हो, मंगलमय हो, जहां अशुभता, अमंगल एवं अनिष्ट का लेश मात्र भय न हो। स्वास्तिक का अर्थ है ऐसी सत्ता, जहां केवल कल्याण एवं मंगल की भावना ही निहित हो, जहां औरों के लिए शुभ भावना सन्निहित हो। इसलिए स्वास्तिक को कल्याण की सत्ता और उसके प्रतीक के रूप में निरूपित किया जाता है। विघ्नहर्ता श्रीगणेश जी की प्रतिमा की भी स्वास्तिक चिह्न से संगति है। श्रीगणेश जी के सूड़, हाथ, पैर, सिर आदि अंग इस तरह से चित्रित होते हैं कि यह स्वास्तिक की चार भुजाओं के रूप में प्रतीत होते हैं। 'ॐ' को भी स्वास्तिक का प्रतीक माना जाता है। 'ॐ' ही सृष्टि के सृजन का मूल है, इसमें शक्ति, सामर्थ्य एवं प्राण सन्निहित हैं। ईश्वर के नामों में सर्वोपरि मान्यता इसी अक्षर की है। अत: स्वास्तिक ऐसा प्रतीक है, जो सर्वोपरि भी है और शुभ एवं मंगलदायक भी है।

मंगलाचरण के लिए महत्वपूर्ण है स्वास्तिक

स्वास्तिक को शास्त्रों में शुभ एवं कल्याणकारी बताया गया है। प्राचीन काल में हमारे यहां कोई भी श्रेष्ठ कार्य करने से पूर्व मंगलाचरण लिखने की परंपरा थी। यह मंगलाचरण सभी के लिए लिखना संभव नहीं था, परंतु सभी इस मंगलाचरण का महत्व जानते थे एवं उसका लाभ भी लेना चाहते थे। इसलिए ऋषियों ने स्वास्तिक चिह्न की परिकल्पना की, जिससे सभी के कार्य मंगलप्रद ढंग से संपन्न हो सकें। धार्मिक और मांगलिक कार्यों में वेदी पर चावल आदि से स्वास्तिक को उकेरना मंगलमय माना जाता है।

सकारात्मक ऊर्जा में वृद्धि

स्वास्तिक जहां भी बनाया जाता है, वहां की नकारात्मक ऊर्जा को नष्ट करता है। ब्रह्मांड में सकारात्मक ऊर्जा की धारा को अपनी ओर आकर्षित करने की इसमें अद्भुत क्षमता है। इसी को आधार मानकर स्वास्तिक को अलग-अलग वस्तुओं से बनाया जाता है, जिनके अलग-अलग अर्थ होते हैं। जैसे सिंदूर या अष्टगंध से निर्मित स्वास्तिक शुभ और सात्विक माना जाता है। स्वास्तिक जहां भी होता है, नकारात्मक ऊर्जा को नष्ट करता है और सकारात्मक उर्जा में वृद्धि करता है। इस तरह स्वास्तिक एक श्रेष्ठ एवं मंगलप्रद प्रतीक है, जो सदा कल्याणकारी होता है।

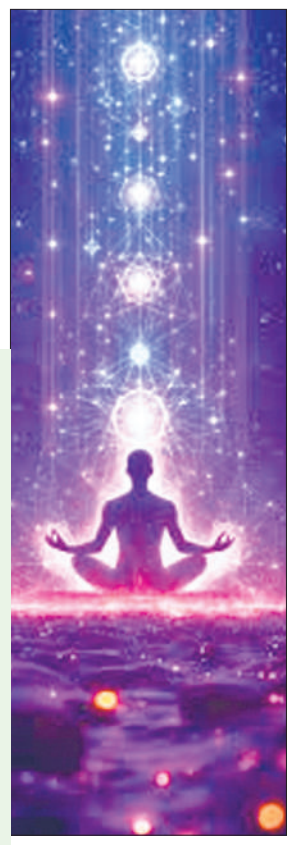

प्राचीन काल से दुनिया की कई संस्कृतियों में प्रमाण

स्वास्तिक को एक प्राचीन वैश्विक प्रतीक भी माना जाता है। हजारों वर्षों से दुनिया की कई संस्कृतियों में इसके प्रमाण मिलते रहे हैं। भारतीय संस्कृति में हिंदू, बौद्ध और जैन धर्म में स्वास्तिक को सौभाग्य और मंगल का प्रतीक माना गया है। हिंदू धर्म में यह सूर्य, भगवान विष्णु, 'ॐ' और ब्रह्मांड का प्रतीक है। बौद्ध धर्म में बुद्ध के पदचिह्न और जैन धर्म में यह 24 तीर्थंकरों में से एक का प्रतिनिधित्व करता है। भारतीय उपमहाद्वीप में सिंधु घाटी सभ्यता से पहले इसके साक्ष्य मिलते हैं। 3,000 ईसा पूर्व की मोहरों में स्वास्तिक चिह्न पाया गया है। इस प्रकार स्वास्तिक एक सार्वभौमिक प्रतीक है, जो विभिन्न संस्कृतियों में शुभता और कल्याण के लिए उपयोग किया जाता रहा है, जबकि भारत में इसका विशेष आध्यात्मिक महत्व है।

महत्वपूर्ण व्रत

सकट चौथ

दिनांक - 6 जनवरी

पूजा का मुहूर्त- रात 8.54 बजे

धर्मशास्त्रों में उल्लेखित सकट चौथ का व्रत सूर्योदय से चंद्रोदय तक रखा जाता है। कई भक्त निर्जला उपवास करते हैं, जबकि कुछ फलाहार या सात्विक भोजन ग्रहण करते हैं। इसके लिए सुबह स्नान कर स्वच्छ वस्त्र पहनें और व्रत का संकल्प लें। दिन भर भगवान गणेश का स्मरण करें। शाम को विधिवत पूजन के बाद चंद्र दर्शन करें और दूध, जल से अर्घ्य दें। इसके बाद व्रत का पारण करें। निर्जला व्रत कठिन लगे तो फल, दूध या अन्य हल्का सात्विक भोजन ले सकते हैं, लेकिन नमक से परहेज करना चाहिए।

अधिकमास का साल

डॉ. प्रदीप द्विवेदी 'रमण'
आध्यात्मिक लेखक

हिंदी पंचांग के अनुसार 2026 अधिकमास वाला साल है। अधिकमास में आठ साल बाद दो ज्येष्ठ माह होंगे, जबकि पिछली बार अधिमास में दो सावन पड़ थे। इस तरह यह साल 13 माह का रहेगा। इसमें पिछले साल की तुलना में ज्यादातर त्योहारों में बदलाव दिखेगा।

इस साल शुरुआत के छह महीने में त्योहार पिछले साल की तुलना में 10 दिन पहले पड़ेंगे और अगले छह महीने में त्योहार 16 से 19 दिन की देरी से पड़ेंगे। इसलिए इस बार होली 10 दिन पहले चार मार्च को पड़ेगी अर्थात चार मार्च और दीपावली पिछले साल से 17 दिन देरी से यानी आठ नवंबर को मनाई जाएगी। अधिकमास को पुरुषोत्तम मास भी कहते हैं। ज्योतिषीय गणना के अनुसार अधिकमास एक अतिरिक्त चंद्र माह होता है, जो हर तीन साल में सौर कैलेंडर में जोड़ा जाता है। जिस तरह अंग्रेजी कैलेंडर में लीप ईयर होता है, उसी तरह पंचांग में अधिकमास होता है। सौर वर्ष 365 दिन और चंद्र वर्ष 364 दिनों का होता है। ज्योतिष के आधार पर तीन वर्ष में चंद्र और सूर्य वर्ष के बीच आए इन्हीं 11 दिनों के अंतर को खत्म करने के लिए तीन साल में एक बार एक अधिकमास आता है।

ऋषि कश्यप

हमारे ऋषि

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार महर्षि कश्यप को संपूर्ण सृष्टि का मूल सृजक माना गया है। कश्यप केवल एक महापुरुष ही नहीं, बल्कि एक व्यापक गोत्र का नाम भी हैं। परंपरा कहती है कि जिस व्यक्ति का गोत्र ज्ञात न हो, उसका गोत्र कश्यप माना जाता है, क्योंकि समस्त जीव-जगत की उत्पत्ति कश्यप ऋषि से ही हुई मानी गई है।

कश्यप ऋषि से जुड़ी एक प्रसिद्ध कथा परशुराम से संबंधित है। कहा जाता है कि भगवान परशुराम ने पृथ्वी को क्षत्रियों से मुक्त कर संपूर्ण धरती अपने गुरु कश्यप मुनि को दान में दे दी। दान स्वीकार करने के बाद कश्यप मुनि ने परशुराम से कहा- "अब तुम मेरी दी हुई भूमि पर निवास मत करो।" गुरु की आज्ञा का पालन करते हुए परशुराम ने यह संकल्प लिया कि वे रात्रि में पृथ्वी पर नहीं रहेंगे। प्रतिदिन संध्या होते ही वे अपनी तीव्र गमन शक्ति से महेंद्र पर्वत पर चले जाते थे और प्रातः पुनः लौट आते थे।

महर्षि कश्यप का तेज पिघले हुए स्वर्ण के समान वर्णित है। उनकी जटाएं अग्नि-ज्वालाओं की भांति प्रज्वलित रहती थीं। वे ऋषियों में श्रेष्ठ, नीति और धर्म के परम अनुयायी थे। उनका आश्रम मेरु पर्वत के शिखर पर स्थित था, जहां वे ब्रह्म-तत्व के ध्यान में लीन रहते थे। सुरों और असुरों दोनों के मूल पुरुष के रूप में कश्यप मुनि का उल्लेख अनेक पुराणों में मिलता है। श्री नरसिंह पुराण के अनुसार, कश्यप ऋषि की पत्नियों से उत्पन्न मानस पुत्रों से ही सृष्टि का विस्तार हुआ। इसी कारण वे 'सृष्टि के सृजनकर्ता' कहलाए।

पुराणों में उनकी कुल सत्रह पत्नियों का उल्लेख है, जिनमें से तेरह दक्ष प्रजापति की पुत्रियां थीं। इन पत्नियों ने अपने-अपने स्वभाव और गुणों के अनुरूप विभिन्न संतानों को जन्म दिया।

ऋषि की पत्नी अदिति से बारह आदित्यों का जन्म हुआ, जिनमें भगवान विष्णु का वामन अवतार भी सम्मिलित है। यही अवतार मानव रूप में विष्णु का प्रथम अवतार माना जाता है, जिसे दक्षिण भारत में उपेन्द्र कहा गया। अदिति से हिरण्यकश्यप, हिरण्याक्ष और सिंहिका का भी जन्म हुआ। हिरण्यकश्यप का वध भगवान नरसिंह ने और हिरण्याक्ष का वध वराह अवतार ने किया। दनु से दानवों की उत्पत्ति हुई, अरिष्टा से गंधर्व, सुरभि से गौवंश और विनता से गरुड़ तथा अरुण का जन्म हुआ। गरुड़ विष्णु के वाहन बने और अरुण सूर्यदेव के सारथी। क्रोधवशा से हिंसक जीवों तथा कद्रू से नागवंश की उत्पत्ति मानी गई। इन्हीं नागों के कारण कश्मीर को पुराणों में 'नागों की भूमि' कहा गया है।

सकट व्रत : लोक संस्कृति की पावन परंपरा

भारतीय सनातन संस्कृति में व्रत-पर्वों का अद्वितीय महत्व है। इन्हीं पावन व्रतों में से एक है 'तिलकुटी व्रत' या 'सकट चौथ', जो भगवान गणेश जी को समर्पित है। यह व्रत माघ मास के कृष्ण पक्ष चतुर्थी तिथि को विशेष विधि-विधान से मनाया जाता है। माताएं अपनी संतान की दीर्घायु, सुख-समृद्धि और सर्वांगीण कल्याण के लिए यह व्रत रखती हैं। विघ्नहर्ता गणेश की आराधना से सभी संकटों का निवारण होता है और जीवन में शुभता का संचार होता है। तिलकुटी व्रत को सकट चौथ, संकष्टी चतुर्थी, तिल चतुर्थी और माघी चतुर्थी जैसे विभिन्न नामों से जाना जाता है। संकष्टी शब्द का अर्थ संकटों को हरने वाला होता है।

भगवान गणेश को संकट हरने वाले देवता के रूप में पूजा जाता है, इसलिए इस व्रत को संकष्टी चतुर्थी कहा जाता है। 'तिलकुटी' नाम इसलिए पड़ा, क्योंकि इस दिन तिल और गुड़ से बने पदार्थ, विशेषकर तिलकुट्टा या तिल के लड्डू, भगवान गणेश को भोग स्वरूप अर्पित किए जाते हैं। भगवान गणेश को मोदक और लड्डू अत्यंत प्रिय हैं और तिल के लड्डू इस व्रत का मुख्य प्रसाद होते हैं। भगवान गणेश की वंदना से व्रत का शुभारंभ होता है

पौराणिक कथा के अनुसार एक बार देवता अनेक विपत्तियों में घिरे हुए थे। वे सहायता मांगने भगवान शिव के पास गए। उस समय कार्तिकेय और गणेश जी भी वहां उपस्थित थे। भगवान शिव ने पूछा कि कौन देवताओं के कष्टों का निवारण कर सकता है।दोनों पुत्रों ने स्वयं को सक्षम बताया। भगवान शिव ने परीक्षा लेते हुए कहा कि जो सबसे पहले पृथ्वी की परिक्रमा करके आएगा वही देवताओं की सहायता करेगा। कार्तिकेय तुरंत अपने मोर पर बैठकर निकल पड़े, लेकिन गणेशजी सोच में पड़ गए कि उनके वाहन चूहे पर पूरी पृथ्वी की परिक्रमा में बहुत समय लगेगा। तब बुद्धिमान गणेशजी ने अपने माता-पिता भगवान शिव और माता पार्वती की परिक्रमा की और कहा कि माता-पिता में संपूर्ण ब्रह्मांड समाया है। इससे प्रसन्न होकर भगवान शिव ने गणेशजी को विजयी घोषित किया और आशीर्वाद दिया कि चतुर्थी के दिन जो भक्तिपूर्वक गणेश की पूजा करेगा और रात्रि में चंद्रमा को अर्घ्य देगा, उसके तीनों ताप- दैहिक, दैविक और भौतिक दूर हो जाएंगे।

जयदेव राठी भराण
स्वतंत्र लेखक

एक साहूकार और साहूकारनी थे, जो धर्म-पुण्य में विश्वास नहीं रखते थे। इस कारण उन्हें संतान सुख प्राप्त नहीं हुआ। एक दिन पड़ोसन सकट चौथ की कहानी सुन रही थी। जब साहूकारनी ने पूछा कि यह क्या है, तो पड़ोसन ने बताया कि इस व्रत से अन्न, धन, सुहाग और संतान की प्राप्ति होती है। साहूकारनी ने मन्नत मांगी कि यदि उसे गर्भ ठहर जाए, तो वह सवा सेर तिलकुट करेगी। उसकी मनोकामना पूर्ण हुई। फिर उसने पुत्र प्राप्ति के लिए ढाई सेर तिलकुट का संकल्प लिया और उसे पुत्र की प्राप्ति हुई, लेकिन समृद्धि आने पर साहूकारनी व्रत और संकल्प भूल गई। परिणामस्वरूप चौथ माता नाराज हो गईं और उनके पुत्र को संकट में डाल दिया। जब साहूकारनी को अपनी भूल का एहसास हुआ, तो उसने ढाई मन का तिलकुट बनाकर विधिपूर्वक सकट चौथ का व्रत किया। गणेश जी और चौथ माता प्रसन्न हुए और उनके पुत्र को सकुशल घर लौटा दिया। माघ मास में तिल का विशेष महत्व है। तिल से स्नान, होम, दान, भोजन और तिल युक्त जल पान - ये षट्तिल कर्म पापों का नाश करने वाले हैं। माघ मास में तिल दान, तिल तेल से भोजन और तिल से हवन करने वाला परम गति को प्राप्त करता है। तिल के औषधीय गुण अद्भुत हैं - यह शरीर में उष्णता उत्पन्न करता है, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम का उत्कृष्ट स्रोत है, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है, हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाता है तथा त्वचा और बालों के लिए लाभकारी है। गुड़ भी ऊर्जा का तत्काल स्रोत है और रक्त शुद्धिकरण में सहायक है। तिल-गुड़ का संयोजन शीतकाल में पूर्ण आहार का कार्य करता है। यह हमारे पूर्वजों की वैज्ञानिक सोच का प्रमाण है।

माताएं अपनी संतान की दीर्घायु, सुख-समृद्धि और निरोगी जीवन के लिए यह व्रत रखती हैं। यह व्रत परिवार में एकता और प्रेम का प्रतीक है। ऐसी मान्यता है कि तिलकुट को पुत्र द्वारा खोलने और भाई-बंधुओं में बांटने से आपसी प्रेम-भावना की वृद्धि होती है। कुछ क्षेत्रों में तिलकुट का बकरा बनाया जाता है जिसकी गर्दन घर का छोटा बच्चा काटता है। बिहार और झारखंड में इसे तिलकुट चौथ, उत्तर प्रदेश में सकट चौथ, राजस्थान में संकष्टी चतुर्थी और महाराष्ट्र में तिल गुड़ घ्या आणि गोड गोड बोला (तिल-गुड़ लो और मीठा बोलो) कहा जाता है।

लोक गीतों में तिलकुटी का विशेष वर्णन मिलता है। बिहार की लोक परंपरा में गाया जाता है: 'माघ मासे के चउथी, करिहैं तिलकुट के पूजा, गणेशा के मनइबै, बिटवा के रक्खइबै' (माघ मास की चौथ पर, करेंगे तिलकुट की पूजा, गणेश को मनाएंगे, बेटे की रक्षा करेंगे)। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जब परिवार बिखरते जा रहे हैं, तब तिलकुटी जैसे पर्व परिवार को एक सूत्र में बांधते हैं। यह व्रत हमें अनेक शिक्षाएं देता है।

पौराणिक कथा

तपस्या के साए में जन्मी सवारी

शेर के मां दुर्गा का वाहन बनने की कथा भारतीय पौराणिक परंपरा में तप, त्याग और करुणा की अद्भुत मिसाल है। इस कथा का आरंभ उस समय होता है, जब माता पार्वती भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए वर्षों तक घोर तपस्या में लीन रहती हैं। हिमालय की कठोर जलवायु, एकांत और निरंतर साधना उनके संकल्प को और दृढ़ बना देती है। अंततः उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर भोलेनाथ उन्हें अपनी अर्धांगिनी स्वीकार करते हैं। कठोर तपस्या के कारण माता पार्वती का शरीर और रंग रूप बदल जाता है। एक दिन सहज संवाद में भगवान शिव उन्हें "काली" कह देते हैं। यह शब्द माता के मन को गहराई से आहत करता है। आत्मसम्मान और आत्मबोध से प्रेरित होकर वे पुनः वन की ओर प्रस्थान करती हैं और पहले से भी अधिक कठोर तप करने लगती हैं, ताकि वे अपने पूर्ववत गौर स्वरूप को पुनः प्राप्त कर सकें।

उसी वन में एक शेर भटकते-भटकते वहां आ पहुंचता है। देवी को देखकर उसके भीतर उन्हें भोजन बनाने की इच्छा जागती है, पर जैसे ही वह समीप जाता है, माता की तपस्या से उत्पन्न दिव्य तेज उसे रोक देता है। भय और श्रद्धा के मिश्रित भाव से वह हर बार पीछे हट जाता है। दिन बीतते जाते हैं, वर्ष गुजर जाते हैं, पर शेर प्रतीक्षा नहीं छोड़ता। भूखा-प्यासा, वह एक कोने में बैठकर माता के तप पूर्ण होने की बाट जोहता रहता है। अनजाने में वह भी उसी तप का सहभागी बन जाता है।

माता पार्वती की घोर तपस्या से प्रसन्न होकर अंततः भगवान शिव प्रकट होते हैं और उन्हें वर मांगने को कहते हैं। माता विनम्रता से अपने गौर वर्ण की कामना प्रकट करती हैं। भगवान शिव उनका वरदान पूर्ण करते हैं। स्नान के समय माता के शरीर से कौशिकी देवी का प्राकट्य होता है और तप से उत्पन्न काला रंग विलीन हो जाता है। तभी से माता पार्वती "मां गौरी" के नाम से विख्यात होती हैं। स्नान के उपरांत जब माता वन से बाहर आती हैं, तो उनकी दृष्टि उस शेर पर पड़ती है, जो अब भी भूखा, थका हुआ और शांत भाव से एक ओर बैठा था। उसका धैर्य और प्रतीक्षा माता के हृदय को द्रवित कर देती है। वे भगवान शिव से कहती हैं- "नाथ, जितना तप मैंने किया, उतना ही इस शेर ने भी मेरे साथ सहन किया है। इसने मेरे तप की मर्यादा रखी है।"

माता की करुणा से प्रसन्न होकर भगवान शिव शेर को उनका वाहन बना देते हैं। तभी से माता शेर पर आरूढ़ होकर मां दुर्गा, मां शेरावाली के रूप में पूजित हुईं, जहां शेर शक्ति और साहस का प्रतीक है और माता उस शक्ति की नियंत्रक करुणामयी अधिष्ठात्री।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	85,439.62	26,250.30
गिरावट	322.39	78.25
प्रतिशत में	0.38	0.30

सोना 1,40,400 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,44,000 प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, मंगलवार, 6 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

बीओएम का तिमाही ऋण 20% बढ़ा

नई दिल्ली। बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) का अक्टूबर-दिसंबर 2025 में कुल ऋण सालाना आधार पर 19.61% बढ़कर 2.73 लाख करोड़ रुपये हो गया। बीओएम ने सोमवार को शेयर बाजार को बताया कि 2024 की इसी तीसरी तिमाही के अंत में बकाया ऋण 2.29 लाख करोड़ रुपये था। कुल ऋण में 1.02 लाख करोड़ का कॉरपोरेट ऋण और 1.71 लाख करोड़ के आरएएम (खुदरा, कृषि एवं एमएसएमई) अग्रिम शामिल हैं। इसके परिणामस्वरूप, बैंक के कुल कारोबार (कुल ऋण व जमा) में 17.24% की वृद्धि दर्ज की गई और यह 31 दिसंबर 2024 के अंत में 5.08 लाख करोड़ रुपये की तुलना में बढ़कर 5.95 लाख करोड़ रुपये हो गया। समीक्षाधीन तिमाही में चालू खाते एवं बचत खाते का अनुपात सालाना आधार पर 1.37 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले 15.93% बढ़कर 1.59 लाख करोड़ रुपये हो गया।

आइनॉक्स ने सनसोर्स की परियोजनाएं लीं

नई दिल्ली। आइनॉक्स क्लीन एनर्जी की अनुषंगी कंपनी आइनॉक्स नियो एनर्जीज ने सनसोर्स एनर्जी से 250 मेगावाट क्षमता की सौर परियोजनाएं हासिल की हैं। आइनॉक्स क्लीन ने सोमवार को कहा कि कंपनी 50 मेगावाट की अतिरिक्त क्षमता हासिल करने की प्रक्रिया में भी है जिससे कुल अधिग्रहित क्षमता 300 मेगावाट हो जाएगी। ये परियोजनाएं उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु और महाराष्ट्र सहित 13 राज्यों में स्थित विभिन्न विशेष इकाई (एसपीवी) के जरिये संचालित की जा रही हैं जो कई वाणिज्यिक एवं औद्योगिक कंपनियों को बिजली बेचती हैं। सनसोर्स नीदरलैंड स्थित बहुराष्ट्रीय कंपनी एसएचवी एनर्जी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है।

राइट्स इश्यू से अवांसे ने जुटाए 1200 करोड़

नई दिल्ली। गैर-वित्तीय वित्तीय कंपनी (एनबीसी) अवांसे फाइनेंशियल सर्विसेज ने राइट्स इश्यू के जरिये मौजूदा शेयरधारकों वारबर्ग पिंकस, केदारा कैपिटल और अल्फा इन्वेस्टमेंट कंपनी एलएलसी से 1200 करोड़ जुटाए हैं। कंपनी ने कहा कि पूंजी जुटाने का यह कदम शेयरधारकों के विश्वास एवं विविध वित्तपोषण आधार बनाने को अवांसे के अनुशासित दृष्टिकोण को दर्शाता है जो उसकी रणनीति के अनुरूप है।

यूरिया आयात दोगुना, 71.7 लाख टन पहुंचा

एफएआई ने कहा- देश के किसानों की मांग की पूर्ति के लिए विदेश पर बढ़ी भारत की निर्भरता

- अप्रैल-नवंबर 2024-25 में आयात गत वर्ष की तुलना में 120.3 प्रतिशत बढ़ा
- नवंबर माह में यूरिया का आयात 68.4 प्रतिशत बढ़कर 13.1 करोड़ टन हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी

घरेलू उत्पादन में गिरावट से चालू वित्त वर्ष 2025-26 के पहले आठ महीने में भारत का यूरिया आयात दोगुने से अधिक होकर 71.7 लाख टन हो गया है जो किसानों की मांग को पूरा करने के लिए विदेशी आपूर्ति पर देश की बढ़ती निर्भरता को दर्शाता है। फर्टिलाइजर एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफएआई) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-नवंबर 2024-25 के दौरान यूरिया का आयात पिछले वर्ष की इसी अवधि के 32.6 लाख टन की तुलना में 120.3% बढ़कर 71.7 लाख टन हो गया।

आंकड़ों के अनुसार, घरेलू यूरिया उत्पादन अप्रैल 2025 से नवंबर 2025 के बीच 3.7% घटकर 1.97 करोड़ टन रहा। कुल यूरिया बिक्री 2.3% बढ़कर 2.54 करोड़ टन तक पहुंच गई। एफएआई के चेयरमैन एस. शंकर सुब्रमण्यम ने कहा कि हमने समन्वित योजना के माध्यम से बिक्री में वृद्धि हासिल की है लेकिन आयात पर महत्वपूर्ण निर्भरता (विशेष रूप से यूरिया और डीएपी के लिए) रणनीतिक आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के महत्व को दर्शाती है। यूरिया का आयात नवंबर माह में 68.4% बढ़कर 13.1 करोड़ टन हो गया, जबकि नवंबर 2024 में यह 7.8 लाख टन था। यूरिया की बिक्री पिछले वर्ष की तुलना में नवंबर माह में 4.8% बढ़कर 37.5 लाख टन हो गई। अन्य महत्वपूर्ण मृदा पोषक तत्व, डाई-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) की आयात पर निर्भरता भी बढ़ रही है। डीएपी का आयात अब कुल आपूर्ति का 67% है जो गत वर्ष 56% था। 2025-26 के अप्रैल-नवंबर के दौरान इसकी बिक्री 71.2 लाख टन पर स्थिर रही। घरेलू डीएपी उत्पादन में 5.2% की गिरावट आई और यह 26.8 लाख टन रह गया।

स्वदेशी उर्वरकों की बिक्री में 15% की वृद्धि

एफएआई के महानिदेशक डॉ. सुरेश कुमार चौधरी ने कहा कि इन आंकड़ों में दो प्रमुख बातें सामने आई हैं। पहला, नाइट्रोजन और फॉस्फेट पोषक तत्वों के लिए आयात-आधारित आपूर्ति प्रबंधन की ओर संरचनात्मक बदलाव है। दूसरा, एसएसपी जैसे स्वदेशी फॉस्फेट उर्वरकों का मजबूत प्रदर्शन है जिनकी बिक्री में 15% की वृद्धि हुई है। चौधरी ने कहा कि यह एक संतुलित दृष्टिकोण का संकेत है। हम नियोजित आयात के माध्यम से महत्वपूर्ण पोषक तत्वों को सुरक्षित कर रहे हैं। साथ ही घरेलू स्तर पर फॉस्फेट उत्पादन को भी मजबूत कर रहे हैं।

यूरिया पर सब्सिडी देगी केंद्र सरकार

भविष्य में एफएआई, सतत कृषि को समर्थन देने के लिए डेटा-आधारित योजना और पोषक तत्वों के उपयोग में विविधता लाने पर ध्यान केंद्रित करेगा। केंद्र सरकार द्वारा यूरिया पर सब्सिडी दी जाती है। एक नवंबर 2012 से इसकी कीमत 242 रुपये प्रति 45 किलोग्राम बोरा (नीम कोटिंग शुल्क व करों को छोड़कर) पर यथावत है। नई यूरिया नीति के तहत नियंत्रित वस्तु के रूप में वर्गीकृत यूरिया को फॉस्फेटिक उर्वरक की तुलना में काफी अधिक सब्सिडी मिलती है।

रिजर्व बैंक ने खरीदी 50,000 करोड़ की सरकारी प्रतिभूतियां

मुंबई, एजेंसी

- आरबीआई ने बैंकों के पास नकदी की उपलब्धता बढ़ाने के तहत की खरीदारी
- चार समान किस्तों में दो लाख करोड़ की सरकारी खरीद के तहत ये दूसरी किस्त

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सोमवार को खुले बाजार से 50,000 करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियां खरीदीं। केंद्रीय बैंक ने वाणिज्यिक बैंकों के पास नकदी की उपलब्धता बढ़ाने के उपायों के तहत यह खरीद की है। यह चार समान किस्तों में दो लाख करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद के तहत दूसरी किस्त है।

रिजर्व बैंक की ओर से बताया गया कि उसने सात तरह की प्रतिभूतियों की खरीद की है, जिनकी मियाद साल 2029 से 2054 तक अलग-अलग समय में पूरी हो रही है। इसमें तीन साल, छह साल, आठ साल, नौ साल, 10 साल, 14 साल और 28 साल की प्रतिभूतियां शामिल हैं। इन प्रतिभूतियों पर 7.09 से 8.30% ब्याज दर हैं। पहली किस्त में 50 हजार करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियां 29 जनवरी को खरीदी गयी थीं। अगली दो किस्तों के तहत 12 जनवरी और 22 जनवरी को खरीद की जाएगी। दिसंबर में इससे पहले भी दो किस्तों में केंद्रीय बैंक ने एक लाख करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद की थी।

49 क्रिप्टो करेंसी एक्सचेंज एफआईयू में हुए पंजीकृत

नई दिल्ली, एजेंसी

- धन शोधन व आतंकी वित्तपोषण रोकने को किया गया पंजीकरण

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान कुल 49 क्रिप्टो करेंसी एक्सचेंज वित्तीय खुफिया इकाई (एफआईयू) के पास पंजीकृत हुए। रिपोर्ट के अनुसार इनमें से ज्यादातर भारत में स्थित हैं। यह पंजीकरण इस क्षेत्र से धन शोधन और आतंकवादी वित्तपोषण से जुड़े जोखिमों को कम करने के लिए देश की कानूनी व्यवस्था के तहत किया गया है। इन एक्सचेंजों द्वारा संघीय एजेंसी को दी गई संदिग्ध लेनदेन रिपोर्ट (एसटीआर) के विश्लेषण में पाया गया कि क्रिप्टो फंड का दुरुपयोग हवाला, जुआ, घोटाले, धोखाधड़ी और अवैध वयस्क सामग्री वाली वेबसाइट चलाने जैसी गंभीर आपराधिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा था।

कानूनी भाषा में क्रिप्टो करेंसी को आभासी डिजिटल परिसंपत्ति (वीडीए) कहा जाता है और इनमें व्यापार करने वाले एक्सचेंजों को वीडीए सेवा प्रदाता (वीडीए एसपी) कहा जाता है। इन एक्सचेंजों को 2023 में भारत के धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) से जुड़ी रिपोर्टिंग प्रणाली के तहत लाया गया था। पीएमएलए के तहत रिपोर्टिंग संस्था होने के नाते, इन एक्सचेंजों को एफआईयू को संदिग्ध लेनदेन रिपोर्ट सौंपनी होती है। एफआईयू एक संघीय एजेंसी है जो भारतीय वित्तीय प्रणाली के किसी भी दुरुपयोग को रोकने और उसका पता लगाने के लिए काम करती है।

50 शहरों में स्विगी शुरू करेगा ईट-राइट

नई दिल्ली। स्विगी ने सोमवार को ईट-राइट नाम से नई श्रेणी शुरू करने की घोषणा की है, जो 50 से अधिक शहरों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूक उपयोगकर्ताओं को लक्षित करती है। इस पहल से एक ही स्थान पर उच्च प्रोटीन, कम कैलोरी और बिना अतिरिक्त चीनी वाले भोजन जैसे सेहतमंद विकल्प दिए जाएंगे।

खाद्य वितरण मंच ने अपने ऑर्डर के आधार पर कुछ रोचक तथ्य भी साझा किए हैं। इसके अनुसार भारत के टियर-2 शहरों में महानगरों की तुलना में स्वास्थ्यवर्धक भोजन के ऑर्डर में सालाना आधार पर दोगुनी वृद्धि देखी गई है। इस दौड़ में चंडीगढ़, गुवाहाटी, लुधियाना और भुवनेश्वर सबसे आगे रहे हैं। ईट-राइट के जरिये दो लाख से अधिक रेस्तरां के 18 लाख से अधिक व्यंजन उपलब्ध कराए जाएंगे।

अगले दशक में 10 करोड़ नौकरी देगा उद्योग जगत

नयी दिल्ली, एजेंसी

- नए कार्यबल को खपाने के लिए हर साल 80 से 90 लाख नौकरियों के सृजन की जरूरत

उद्योग जगत के दिग्गजों के समूह ने सोमवार को हंड्रेड मिलियन जॉब्स (10 करोड़ नौकरियां) नामक राष्ट्रीय पहल की शुरुआत की। इस पहल का उद्देश्य आगामी दशक में भारत में 10 करोड़ रोजगार के अवसर पैदा करना है, क्योंकि देश तेज आर्थिक वृद्धि के बावजूद अपर्याप्त रोजगार की समस्या से जूझ रहा है। आयोजकों ने कहा कि इस मुहिम की घोषणा सॉफ्टवेयर उद्योग निकाय नैसकॉम के सह-संस्थापक हरीश मेहता, वैश्विक उद्यमी नेटवर्क ''द इंडस एंटरप्रेन्योर्स'' (टीआईई) के संस्थापक ए जे पटेल और सेंटर फॉर इनोवेशन इन पब्लिक पॉलिसी (सीआईपीपी) के संस्थापक के यतीश राजावत ने की।

संस्थापकों ने कहा कि भारत में कार्यशील आयु की जनसंख्या प्रतिवर्ष 1.2 करोड़ की दर से बढ़ रही है, जबकि विनिर्माण जैसे पारंपरिक रोजगार के साधन विस्तार करने में संघर्ष कर रहे हैं। नए कार्यबल को खपाने और अपने जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाने के लिए देश को हर साल 80 से 90 लाख नौकरियां सृजित करने की जरूरत है। दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने के बाद भी भारत में रोजगार की वृद्धि दर उत्पादन विस्तार की तुलना में पीछे रही है। स्वचालन और कृत्रिम मेधा (एआई) व्यापार के तौर-तरीकों को बदल रहे हैं और कई क्षेत्रों में शुरुआती स्तर के पदों को कम कर रहे हैं। ऐसे में यह चिंता बढ़ गई है कि आर्थिक वृद्धि रोजगार सृजन से पूरी तरह कट सकती है।

स्टार्टअप और लघु उद्योग का जीडीपी में 30% योगदान

हंड्रेड मिलियन जॉब्स मिशन उद्यमिता, कौशल विकास और श्रम-प्रधान उद्यमों को भारत की रोजगार रणनीति के केंद्र में रखता है। इस पहल का लक्ष्य रोजगार सृजन को आर्थिक वृद्धि का एक मुख्य मानक बनाना है, जिसका ध्यान विभिन्न क्षेत्रों में विकेंद्रीकृत और सुदृढ़ आजीविका सुनिश्चित करने पर होगा। हरीश मेहता ने कहा कि हंड्रेड मिलियन जॉब्स रोजगार सृजनकर्ताओं - उद्यमियों, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों और नियोक्ताओं - को मजबूत करने का एक व्यवस्थित प्रयास है। इसके तहत कौशल, उद्यम, डेटा और नीति में सामंजस्य बिठाकर अगली पीढ़ी के लिए लचीली और गरिमापूर्ण आजीविका सुनिश्चित की जाएगी। एजे पटेल ने कहा कि स्टार्टअप और लघु उद्योग, जो भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 30 प्रतिशत का योगदान देते हैं और सबसे बड़े नियोक्ता हैं, उनका विस्तार बड़े शहरों से आगे होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर भारत को प्रतिवर्ष 80-90 लाख नौकरियां सृजित करनी हैं, तो कुछ ढांचागत बाधाओं को दूर करना होगा ताकि उद्यमिता आम लोगों के लिए एक व्यावहारिक साधन बन सके।

राष्ट्रीय

सोमनाथ मंदिर अदम्य भावना का प्रतीक : मोदी

विदेशी आक्रमणकारियों के हमलों के बाद पुनर्निर्मित मंदिर का 11 जनवरी को करेंगे प्रधानमंत्री दौरा

नई दिल्ली, एजेंसी

- मोदी ने कहा- 1951 में मंदिर के उद्घाटन से अधिक उत्साहित नहीं थे नेहरू

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विदेशी आक्रमणकारियों के बार-बार हमलों के बाद पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर का 11 जनवरी को दौरा करेंगे। मोदी ने सोमनाथ मंदिर की सराहना करते हुए सोमवार को कहा कि गुजरात स्थित यह मंदिर भारतीय सभ्यता की अदम्य भावना का प्रतीक है। अधिकारियों ने बताया कि 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के अवसर पर सोमनाथ में वर्षभर गतिविधियां आयोजित किए जाने की योजना बनाई गई है। आठ से 11 जनवरी तक सोमनाथ में अनेक आध्यात्मिक और सामाजिक गतिविधियां होंगी।

प्रधानमंत्री ने सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले आक्रमण के 1,000 साल पूरा होने पर 'ब्लॉग पोस्ट' में कहा, हमारी सभ्यता की अदम्य भावना का सोमनाथ से बेहतर कोई उदाहरण नहीं हो सकता। यह मंदिर बाधाओं एवं संघर्षों पर विजय प्राप्त करते हुए गौरव के साथ खड़ा है। प्रधानमंत्री ने तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू पर कटाक्ष करते हुए कहा कि नेहरू 1951 में मंदिर के उद्घाटन से अधिक उत्साहित नहीं थे। 2026 सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले आक्रमण के 1,000 वर्ष पूरे होने का गवाह है और इसके बाद हुए बार-बार के हमलों के बावजूद यह मंदिर आज भी गर्व से खड़ा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसा इसलिए है क्योंकि सोमनाथ की गाथा भारत माता की उन अनगिनत संतानों के अटूट साहस की कहानी है जिन्होंने हमारी संस्कृति और सभ्यता की रक्षा की। उन्होंने कहा कि यही भावना आज राष्ट्र में भी दिखाई दे रही है जो सदियों के आक्रमणों और औपनिवेशिक लूट से उबरकर वैश्विक विकास के सबसे चमकते केंद्रों में से एक बनकर उभरा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे मूल्यों और हमारे लोगों के संकल्प की वजह से आज भारत पर दुनिया की नजर है। दुनिया भारत को आशा और विश्वास की दृष्टि से देख रही है। वह हमारे नवोन्मेषी युवाओं में निवेश करना चाहती है। उन्होंने कहा कि हमारी कला, हमारी संस्कृति, हमारा संगीत और हमारे अनेक पर्व आज वैश्विक पहचान बना रहे हैं। योग और आयुर्वेद जैसे विषय पूरी दुनिया में प्रभाव डाल रहे हैं। ये स्वस्थ जीवन को बढ़ावा दे रहे हैं। आज कई वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए दुनिया भारत की ओर देख रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अतीत के आक्रमणकारी आज समय की धूल बन चुके हैं। उनका नाम अब विनाश के प्रतीक के तौर पर लिया जाता है। उन्होंने कहा कि इतिहास के पन्नों में वे केवल 'फुटनोट' हैं जबकि सोमनाथ आज भी अपनी आशा बिखेरता हुआ प्रकाशमान खड़ा है। सोमनाथ हमें यह बताता है कि घृणा और कट्टरता में विनाश की विकृत ताकत हो सकती है, लेकिन आस्था में सृजन की शक्ति होती है।

नेहरू, वामपंथी इतिहासकारों ने गजनी को महज लुटेरा बताकर इतिहास को किया विकृत : भाजपा

नई दिल्ली। भाजपा ने महमूद गजनी के सोमनाथ मंदिर पर किए पहले हमले की 1,000वीं बरसी पर कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि यह दिन ये याद रखने और समझने के लिए महत्वपूर्ण है कि कैसे जवाहरलाल नेहरू और वामपंथी इतिहासकारों ने मुस्लिम आक्रमणकारी को केवल लुटेरा बताकर इतिहास को विकृत किया और यह नहीं कहा कि वह एक धार्मिक कट्टरपंथी था। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि मंदिर के पुजारियों और तत्कालीन राजा ने महमूद गजनी से लाखों सोने के सिक्कों के बदले शिवलिंग को छोड़ने की विनती की थी, लेकिन उसने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया और यह कहते हुए उसे तोड़ दिया कि वह मूर्ति पूजकों के साथ व्यापार करने वाले घृणित व्यक्ति के बजाय मूर्तिभंजक के रूप में जाना जाना चाहता है। भाजपा के राज्यसभा सदस्य ने कहा, महमूद गजनी के साथ रहे एक इतिहासकार ने अपने लेखन में इस घटना का जिक्र किया है। इससे वामपंथी इतिहासकारों और अन्य लोगों द्वारा इतिहास को विकृत करने वाले सभी सिद्धांत ध्वस्त हो जाते हैं। त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि उन्होंने महमूद गजनी को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में पेश किया जो धार्मिक कट्टरपंथी नहीं था और वह भारत में केवल लूटपाट के उद्देश्य से आया था।

प्रधानमंत्री को अजमेर दरगाह पर चादर चढ़ाने से रोकने वाली याचिका रद्द

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने प्रधानमंत्री मोदी को अजमेर शरीफ दरगाह पर चादर चढ़ाने से रोकने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और जॉयमाल्या बागची की पीठ ने इस पर सुनवाई करने से इन्कार करते हुए सोमवार को कहा कि यह मुद्दा तर्कसंगत नहीं है। इस याचिका में केंद्र सरकार और उसके संस्थानों द्वारा अजमेर दरगाह को राज्य प्रायोजित औपचारिक सम्मान और प्रतीकात्मक मान्यता प्रदान करने को भी चुनौती दी गई थी।

याचिकाकर्ता जितेंद्र सिंह और अन्य के अधिवक्ता बरुन सिन्हा ने कहा कि अजमेर दरगाह पर प्रधानमंत्री द्वारा चादर चढ़ाने की प्रथा तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा 1947 में शुरू की थी और यह तब से बिना कानूनी या संवैधानिक आधार के जारी है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने सिन्हा से कहा कि चूंकि यह मामला तर्कसंगत नहीं है, इसलिए न्यायालय इस पर टिप्पणी नहीं करेगा। सिन्हा ने कहा कि निचली अदालत में इस दावे पर मुकदमा है कि दरगाह का निर्माण शिव मंदिर पर किया गया था।

विवाद में व्यक्ति को पीटा बेटे को किया निर्वस्त्र

नई दिल्ली, एजेंसी

- पूर्वी दिल्ली में जिम के मालिकाना हक को लेकर हुई झड़प, एक आरोपी गिरफ्तार

पूर्वी दिल्ली के लक्ष्मी नगर इलाके में जिम के मालिकाना हक को लेकर हुए विवाद ने उस वक्त हिंसक रूप ले लिया जब एक व्यक्ति की बेरहमी से पिटाई की गई, उसकी पत्नी के साथ छेड़छाड़ हुई और उनके बेटे को सरेआम निर्वस्त्र कर पीटा गया। पुलिस ने सोमवार को बताया कि एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि अन्य फरार हैं।

पुलिस को सूचना दो जनवरी को पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) कॉल के जरिए मिली। पुलिस टीम ने शिकायतकर्ता और उसके परिजनों को घायल अवस्था में पाया, जिन्हें हेडगेवार अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी सतीश है, जो पीड़ित परिवार के स्वामित्व वाले जिम में केयरटेकर था। सतीश पर आरोप है कि उसने दंपति को धोखा देकर जिम पर कब्जा किया था। इसी को लेकर दोनों पक्षों में कई बार विवाद हुआ और मामला हिंसक झड़प में बदल गया। सोशल मीडिया पर प्रासरित हो रहे वीडियो में चार लोग एक व्यक्ति को पीटते, उसके कपड़े उतारकर अपमानित करते और उसके चेहरे पर बार-बार लात मारते दिखाई दे रहे हैं। और एक आरोपी को पीड़ित को जूते से मारते देखा जा सकता है। एक अन्य वीडियो में हमले के दौरान बाइक से पहुंचे दो पुलिसकर्मी पीड़ित को उसकी पैंट दे रहे हैं, जबकि आरोपी मौके पर ही मौजूद हैं।

घटना के बाद सदमे में पीड़ित परिवार

हिंसक घटना के बाद से पीड़ित परिवार सदमे में है। पीड़ित की मां ने कहा कि वह अपने पिता को बचाने गया था, उन्होंने उसे नंगा कर दिया, उसके चेहरे पर जूतों से मारा और उसे सड़क पर छोड़ दिया। यह सब उसकी शादी से ठीक 10 दिन पहले हुआ। पीड़ित की मां रीता गर्ग ने कहा कि शादी की वजह से हमारे घर में खुशियां होनी चाहिए थीं। लेकिन अब डर का माहौल है। आरोपियों ने उन पर भी हमला किया था।

गुजरात : शेरनी को बेहोश करने को फेंका डार्ट लगने से ट्रैकर की मौत

जूनागढ़। गुजरात के अमरेली जिले में बचाव अभियान के दौरान शेरनी को बेहोश करने वाला ''डार्ट'' लगने से वन विभाग के लिए ''ट्रैकर'' के रूप में काम करने वाले व्यक्ति की मौत हो गई। वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

मुख्य वन संरक्षक (जूनागढ़ वन्यजीव प्रभाग) राम रतन नाला ने मृतक की पहचान अशरफ चौहान के रूप में की। नाला ने कहा कि रविवार को चार वर्षीय लड़के की हत्या करने वाली शेरनी को बेहोश करके पिंजरे में बंद करने के अभियान के दौरान, बचाव दल द्वारा चलाई दागी गई एक डार्ट गलती से कुछ दूरी पर खड़े ट्रैकर अशरफ चौहान को लग गई। अशरफ को पहले विसावदर के एक अस्पताल में ले जाया गया और फिर जूनागढ़ सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां आज सुबह सात बजे उसकी मौत हो गई। अमरेली के विसावदर तालुका के नानी मोनपरी गांव के पास शेरनी ने खेतों में मजदूरी करने वाले परिवार के चार साल के एक बालक को मार डाला था।

लालू यादव की याचिका पर सीबीआई से जवाब तलब

नई दिल्ली, एजेंसी

आईआरसीटीसी घोटाला

दिल्ली हाईकोर्ट ने आईआरसीटीसी घोटाला में आरोप तय करने के आदेश के खिलाफ राजद नेता लालू प्रसाद यादव की याचिका पर सोमवार को सीबीआई से जवाब मांगा। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने मुकदमे पर रोक लगाने से इन्कार करते हुए कहा कि जांच एजेंसी के जवाब पर गौर किए बिना ऐसा नहीं किया जा सकता।

अदालत ने सीबीआई से यादव की याचिका और रोक के आवेदन पर जवाब मांगा और मामले की अगली सुनवाई के लिए 14 जनवरी की तारीख तय की। हाईकोर्ट ने मामले में निचली अदालत से रिकॉर्ड भी मांगा। संक्षिप्त सुनवाई के दौरान लालू के अधिवक्ताओं कपिल सिब्बल और मनिंदर सिंह ने कहा कि वे निचली अदालत में सुनवाई पर रोक लगाने का अनुरोध कर रहे हैं और एक महीने में दो गवाहों से जिरह की जा चुकी है। अदालत ने कहा कि वह सीबीआई से जवाब मिलने के बाद 14 जनवरी को मामले पर रोक लगाने की याचिका पर सुनवाई करेगी। न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा कि उन्हें जवाब दाखिल करने दें।

सिख विरोधी टिप्पणियों पर मान को अकाल तख्त ने किया तलब

अमृतसर। श्री अकाल तख्त साहिब की सर्वोच्च सत्ता और सिख गुरुओं द्वारा आशीर्वाद प्राप्त गुरु की गोलक (दसवंध) के सिद्धांत को चुनौती देने वाली आपत्तिजनक टिप्पणियों के संबंध में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को 15 जनवरी को श्री अकाल तख्त साहिब के सचिवालय में पेश होने को तलब किया गया है।

तख्त के कार्यकारी जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह गड़गज्ज ने कहा कि यह कार्रवाई मुख्यमंत्री भगवंत मान के हाल में सामने आए वीडियो के मद्देनजर भी शुरू हुई है, जिसमें उन्हें सिख गुरुओं और जरनैल सिंह खालसा भिंडरांवाले की तस्वीरों के साथ बेहद आपत्तिजनक गतिविधि करते हुए देखा जा रहा है। गड़गज्ज ने कहा कि मुख्यमंत्री पंजाब में उच्च संवैधानिक पद पर हैं, और उनके सिख विरोधी बयान उनके अंदर सत्ता के अहंकार को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें तख्त के सामने पेश नहीं किया जा सकता है, उन्हें 15 जनवरी को सचिवालय में पेश होकर स्पष्टीकरण देने को तलब किया गया है।

एसआईआर: अमानवीय आचरण पर जाएंगे कोर्ट : ममता

सागर द्वीप (पश्चिम बंगाल), एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि वह राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान किए गए अमानवीय आचरण के खिलाफ अदालत जाएंगी। दक्षिण 24 परगना जिले के सागर द्वीप की जनसभा में उन्होंने आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया से जुड़े भय, उत्पीड़न और प्रशासनिक मनमानी से कई लोगों की मौत हुई है और कई लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है।

उन्होंने कहा कि हम एसआईआर से हुए अमानवीय व्यवहार और इतनी बड़ी संख्या में लोगों की मौत के खिलाफ अदालत में कल याचिका दायर करेंगे। यदि अनुमति मिली तो मैं भी सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर आम नागरिक के रूप में इस अमानवीय प्रक्रिया के खिलाफ आवाज उठाऊंगी। मैं प्रशिक्षित वकील भी हूं। बनर्जी ने यह स्पष्ट नहीं किया कि याचिका वह दायर करेंगी, राज्य सरकार द्वारा दायर की जाएगी या तृणमूल कांग्रेस द्वारा।

फर्जी वोटरों का खुलासा होने से घबरा रहीं ममता

कोलकाता। प. बंगाल विस में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने मतदाता सूची के एसआईआर को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर हमला करते हुए कहा कि इस प्रक्रिया से सत्ताधारी टीएमसी घबरा गई है क्योंकि इससे 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले फर्जी मतदाताओं और अन्य अनियमितताओं का खुलासा होने का खतरा है। अधिकारी ने एक्स पर कहा कि उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखा है, जिसमें एसआईआर प्रक्रिया की बनर्जी की आलोचना और इसे रोकने की अपील का जवाब दिया है। बनर्जी के एसआईआर को रोकने की उनकी हालिया अपील को खारिज किया गया है।

वर्ल्ड ब्रीफ

यहूदी नरसंहार की गवाह ईवा का निधन

लंदन। किशोरी डायरी लेखिका ऐनी फ्रैंक की सौतेली बहन और यहूदी नरसंहार की भयावहता के बारे में दुनिया को बताने वालीं ईवा श्लॉस का निधन हो गया। वह 96 वर्ष की थीं। लंदन में शनिवार को उन्होंने अंतिम सांस ली। श्लॉस ट्रस्ट की मानद अध्यक्ष थीं। फ्रैंक ने अपनी डायरी में नाजी क्रूरता का वर्णन किया था। ईवा श्लॉस को ऑशवित्ज यातना शिविर से तब मुक्ति मिली थी, जब सोवियत सैनिकों ने शिविर को मुक्त कराया। ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय ने कहा कि उन्हें श्लॉस को जानने का सौभाग्य मिला, जिन्होंने युवाओं को पूर्वाग्रहों को चुनौती देने में मदद करने के लिए परमार्थ ट्रस्ट की सह-स्थापना की थी।

ब्रिजिट मैक्रों के उत्पीड़न में 10 दोषी

पेरिस। पेरिस की एक अदालत ने फ्रांस की प्रथम महिला ब्रिजिट मैक्रों के ऑनलाइन उत्पीड़न के मामले में सोमवार को 10 लोगों को दोषी ठहराया। अदालत ने सभी दोषियों को साइबरबुलिंग जागरूकता प्रशिक्षण से लेकर आठ महीने के निलंबित कारावास तक की सजा सुनाई। ब्रिजिट मैक्रों को निशाना बनाकर ट्रांसजेंडर पहचान और कथित बाल यौन शोषण अपराध के बारे में किए गए झूठे दावों का जिक्र करते हुए अदालत ने विशेष रूप से अपमानजनकऔर दुर्भावनापूर्ण टिप्पणियों की ओर इशारा किया।

फ्रांस में 10 दिनों की हड़ताल पर गए डॉक्टर

पेरिस। फ्रांस में निजी प्रैक्टिस करने वाले डॉक्टरों और विशेषज्ञों ने इस वर्ष के सामाजिक सुरक्षा बजट में प्रस्तावित उपायों के विरोध में सोमवार से 10 दिनों की हड़ताल शुरू कर दी है। हड़ताल का आयोजन कर रही यूनियनों ने निजी क्लीनिकों को बंद करने और परामर्श रद्द करने या स्थगित करने का आह्वान किया है। निजी क्लीनिकों के ऑपरेशन थिएटर भी बंद रहने की संभावना है, जिसका सीधा असर सरकारी अस्पतालों पर पड़ सकता है। फ्रेंच मेडिकल ट्रेड यूनियंस के परिसंघ का कहना है कि उन्हें इस आंदोलन में अत्यधिक भागीदारी की उम्मीद है।

मिसाइल परीक्षणों में थे हाइपरसोनिक हथियार

सियोल। उत्तर कोरिया ने सोमवार को कहा कि उसने रविवार को जिन मिसाइल का प्रक्षेपण किया था, वे हाइपरसोनिक मिसाइल थीं। उत्तर कोरिया ने बताया कि उसके नेता किम जोंग ने हाइपरसोनिक मिसाइलों की परीक्षण-उड़ान देखी और देश की परमाणु युद्ध प्रतिरोधक क्षमता की मजबूती पर जोर दिया। दक्षिण कोरिया ने इन्हें बैलिस्टिक मिसाइल कहा था।

पूर्व आबकारी आयुक्त समेत 31 लोगों की संपत्तियां कुर्क

- छत्तीसगढ़ बहुचर्चित शराब घोटाले में ईडी ने की कार्रवाई

रायपुर, एजेंसी

छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कार्रवाई करते हुए तत्कालीन आबकारी आयुक्त निरंजनदास और 30 अन्य आबकारी अधिकारियों की कुल 38.21 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के तहत की गई है।

ईडी के अनुसार, कुर्क की गई संपत्तियों में कुल 78 अचल संपत्तियां शामिल हैं, जिनमें आलीशान बंगले, प्रीमियम आवासीय परिसरों में फ्लैट, व्यावसायिक दुकानें और बड़े पैमाने की कृषि भूमि शामिल है। 197 चल संपत्तियां भी कुर्क की गई हैं, जिनमें उच्च मूल्य की सावधि जमा (एफडी), विभिन्न बैंक खातों में जमा राशि, जीवन बीमा पॉलिसियां, इक्विटी शेयर और म्यूचुअल फंड निवेश शामिल हैं। ईडी का दावा है कि इस आबकारी घोटाले के कारण राज्य के खजाने को 2,800 करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ है।

सावधान! केमिकल ले रहा जान

हेयर स्ट्रेटनिंग से किडनी डैमेज भी संभव

सौंदर्य पाने की चाह में अपनी सेहत से समझौता करना भारी पड़ सकता है। आजकल लड़कियां खूबसूरत दिखने के लिए हेयर स्ट्रेटनिंग, स्मूदनिंग और अन्य केमिकल ब्यूटी ट्रीटमेंट्स का सहारा लेती हैं। लेकिन बिना सही जानकारी और सावधानी के ये ट्रीटमेंट्स सेहत के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं। हाल ही में इजराइल में ऐसा ही एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसमें 17 साल की लड़की की किडनी हेयर स्ट्रेटनिंग (बाल सीधा) कराने के बाद गंभीर रूप से अस्वस्थ हो गई और उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। इलाज के दौरान चिकित्सकों ने जांच पाया कि उसकी किडनियां खराब हो गई हैं। ऐसे में किसी केमिकल का इस्तेमाल करने से पहले पर्याप्त जानकारी करने की जरूरत है।

इजराइल में हुई घटना

इजराइल में हाल के दिनों में इस तरह की घटना हुई जब 17 साल की लड़की पार्लर गई और हेयर स्ट्रेटनिंग करवाने के बाद उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। परिवार ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां जांच में पता चला कि उसकी किडनियां गंभीर रूप से खराब हो चुकी थीं। यह पहला ऐसा मामला नहीं है। इससे पहले भी 25 साल की एक युवती को इसी प्रकार के हेयर स्ट्रेटनिंग ट्रीटमेंट के बाद किडनी डैमेज के कारण अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था।

इनका होता है इस्तेमाल

- हेयर स्ट्रेटनिंग में मुख्य रूप से थियो-आधारित रसायन (जैसे अमोनियम थायोग्लाइकोलेट) या केराटिन-आधारित फॉर्मूले का इस्तेमाल होता है, पहले बालों के बॉन्ड तोड़ते हैं और दूसरा उन्हें प्रोटीन से भरता है, साथ ही कभी-कभी सोडियम/कैल्शियम हाइड्रोक्साइड और फॉर्मेल्डिहाइड (जो खतरनाक है और प्रतिबंधित हो रहा है) जैसे केमिकल्स भी पाए जाते हैं, जो बालों को स्थायी रूप से सीधा करने या उन्हें मुलायम बनाने के लिए होते हैं। कई देशों में ग्लाइऑक्सिलिक एसिड प्रोडक्ट्स पर प्रतिबंध लगा दिया है।

इनका रखें ध्यान

- किसी भी केमिकल का इस्तेमाल करने से पहले साइड इफेक्ट्स जान लें।
- स्ट्रेटनिंग क्रीम को सीधे स्कैल्प या बालों की जड़ों पर न लगाएं, स्कैल्प से 1.5 सेंटीमीटर की दूरी बनाए रखें।
- हेयरड्रेसर को प्रोडक्ट का इस्तेमाल सही निर्देशों के अनुसार करना चाहिए।

केमिकल्स का बालों पर प्रभाव

- **अमोनियम थायोग्लाइकोलेट :** यह बालों के डाइसल्फ़ाइड बॉन्ड को तोड़ता है, जिससे बाल नरम पड़ते हैं और उन्हें सीधा किया जा सकता है।
- **सोडियम हाइड्रोक्साइड :** ये रिलैक्सर्स में इस्तेमाल होते हैं और बालों के बॉन्ड को तोड़कर उन्हें सीधा करते हैं, लेकिन इससे स्कैल्प में जलन और नुकसान हो सकता है।
- **केराटिन :** यह बालों के प्राकृतिक प्रोटीन को फिर से भरने का काम करता है, जिससे बाल मुलायम और चमकदार बनते हैं। इसमें फॉर्मेल्डिहाइड या उसके डेरिवेटिव्स हो सकते हैं, जो हानिकारक होते हैं।
- **फॉर्मेल्डिहाइड :** यह केराटिन ट्रीटमेंट में पाया जाता है और बालों को सीधा करने में मदद करता है, लेकिन इसके इस्तेमाल से कैंसर और अन्य स्वास्थ्य जोखिम जुड़े हैं।
- **ग्लाइकोलिक एसिड डेरिवेटिव्स :** ये केराटिन-आधारित उत्पादों में होते हैं और आपकी किडनी को नुकसान पहुंचा सकते हैं।
- हेयर स्ट्रेटनिंग के बाद लगातार उल्टियां हों। मतली के अलावा सिर में तेज दर्द, कमजोरी और बेचैनी का सामना भी करना पड़े तो किसी अच्छे चिकित्सक से अपनी जांच कराएं जिससे आपको गंभीर संकट का सामना न करना पड़े।

रूस तेल आयात को लेकर ट्रंप की भारत को शुल्क बढ़ाने की चेतावनी

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा-प्रधानमंत्री मोदी इस मुद्दे पर मेरी नाराजगी से अवगत

- संकेत दिया कि वाशिंगटन त्वरित कार्रवाई करने के लिए तैयार

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से तेल का आयात करने के मामले में भारत पर आयात शुल्क बढ़ाने की चेतावनी देते हुए संकेत दिया है कि वाशिंगटन इस मामले में त्वरित कार्रवाई करने के लिए तैयार है और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस मुद्दे पर उनकी नाराजगी से अवगत हैं। अपने हवाई जहाज एयर फोर्स वन पर रविवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए ट्रंप ने कहा कि मोदी रूस के साथ भारत के ऊर्जा व्यापार पर उनकी नाराजगी को जानते हैं। मोदी एक बहुत अच्छे इंसान हैं और वह जानते थे कि मैं खुश नहीं हूं। मुझे खुश करना महत्वपूर्ण था, क्योंकि वह व्यापार करते हैं और हम उन पर बहुत जल्दी शुल्क बढ़ा सकते हैं।

यह चेतावनी ऐसे समय में आई है, जब भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता चल रही है और अमेरिका ने भारत पर पहले ही 50 प्रतिशत दंडात्मक शुल्क लगा रखा है। यह घटनाक्रम वेनेजुएला में हाल ही में हुए अमेरिकी सैन्य अभियान के बाद सामने आया है, जिसमें राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को अमेरिका ने हिरासत में लिया था।

उल्लेखनीय है कि अमेरिका के आयात शुल्क को दोगुना करके 50 प्रतिशत तक करने के बाद से मोदी और ट्रंप के बीच तीन बार बातचीत हुई है। इस शुल्क वृद्धि से कपड़ा, रसायन और झींगा मछली जैसी चीजों के निर्यात पर असर पड़ा है। दोनों पक्षों के बीच व्यापार वार्ता जुलाई के अंत में तब विफल हो गई थी, जब भारत ने अपने कृषि बाजार को अमेरिकी उत्पादों के लिए खोलने का विरोध किया था और भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान ट्रंप की मध्यस्थता की भूमिका को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। बातचीत हालांकि तब से जारी है। दिसंबर 2025 में अमेरिकी उप व्यापार प्रतिनिधि रिक स्विट्जर ने नई दिल्ली में दो दिनों में बैठकें की थीं। इस दौरान भारत ने रूसी तेल खरीद से जुड़े दंडात्मक शुल्कों से राहत देने पर जोर दिया था। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि के कार्यालय ने टिप्पणी नहीं की।

क्यूबा पर सैन्य कार्रवाई की जरूरत नहीं

वाशिंगटन। वेनेजुएला पर अमेरिकी कार्रवाई के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक अन्य मध्य अमेरिकी देश क्यूबा पर टिप्पणी करते हुए कहा है कि क्यूबा पर सैन्य कार्रवाई की जरूरत नहीं, क्योंकि वह देश खुद ही बर्बाद हो रहा है। ट्रंप ने एयर फोर्स वन विमान में पत्रकारों के सवाल पर कहा कि अमेरिकी हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि वह देश अपने आप ही गिरता हुआ लग रहा है। कहा कि क्यूबा के पास अब आय का कोई जरिया नहीं है। उन्हें अपनी सारी आय वेनेजुएला के तेल से मिलती थी। अब उन्हें उसमें से कुछ भी नहीं मिल रहा है। क्यूबा सचमुच गिरने के कगार पर है। ट्रंप ने एक अन्य मध्य अमेरिकी देश कोलंबिया पर भी टिप्पणी की। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो का जिक्र करते हुए कहा कि कोलंबिया को एक बीमार व्यक्ति चला रहा है।

ट्रंप बोले-ग्रीनलैंड अमेरिका के लिए रणनीतिक रूप से बहुत जरूरी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को फिर दोहराया कि अमेरिका को रणनीतिक दृष्टिकोण के मद्देनजर ग्रीनलैंड की आवश्यकता है। विमान एयर फोर्स वन पर पत्रकारों से ट्रंप ने कहा कि आर्कटिक क्षेत्र में रूस और चीन की बढ़ती मौजूदगी के कारण ग्रीनलैंड अमेरिकी सुरक्षा के लिए अत्यंत जरूरी है। अमेरिका को ग्रीनलैंड की जरूरत है, क्योंकि इस समय यह बहुत रणनीतिक जगह है और वहां हर जगह रूस और चीन के जहाज फैले हुए हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से उन्हें ग्रीनलैंड की आवश्यकता है और डेनमार्क इसे संभालने में सक्षम नहीं होगा। उन्होंने दावा भी किया कि यूरोपीय संघ भी उनके इस विचार का समर्थन करता है और वह इस बात को जानते हैं। ट्रंप की यह टिप्पणी वेनेजुएला में वाशिंगटन के सैन्य अभियान के बाद आई है। एक संप्रभु देश के खिलाफ अमेरिकी सेना की इस कार्रवाई ने ग्रीनलैंड को लेकर उन आशंकाओं को फिर बढ़ा दिया है, जिसके बारे में ट्रंप बार-बार कह चुके हैं कि वह आर्कटिक में इसकी रणनीतिक स्थिति के मद्देनजर इसका विलय करना चाहते हैं।

अमेरिका में छोटा विमान हादसाग्रस्त पायलट की मौत

वाशिंगटन। अमेरिका के केप कॉड के प्रॉविन्सटाउन म्युनिसिपिल हवाई अड्डे पर रविवार को एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे पायलट की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि विमान में केवल पायलट ही था।

एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि यह घटना केप कॉड के दक्षिणी छोर पर स्थित समुद्र किनारे के इलाके के पास हुई। इसमें बताया गया कि दुर्घटना के कारण विमान में आग लग गई, दमकल कर्मियों और अन्य आपातकालीन कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया है। बयान के अनुसार, पायलट की मौके पर ही मौत हो गई। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड ने एक बयान में कहा कि यह विमान सेसना 172एन था और वह इस हादसे की जांच करेगा। हादसे के कारण को लेकर फिलहाल कोई शुरुआती जानकारी नहीं दी गई। दुर्घटना के बाद हवाई अड्डे को बंद कर दिया गया। प्राविन्सटाउन बोस्टन से करीब 80 किलोमीटर (50 मील) दक्षिण-पूर्व में केप कॉड के आखिरी सिरे पर स्थित है।

बांग्लादेश: हसीना के खिलाफ 21 जनवरी को तय होंगे आरोप

ढाका, एजेंसी

- हसीना व 285 अन्य लोगों के खिलाफ राजद्रोह मामले में चल रही सुनवाई

बांग्लादेश की एक अदालत ने सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और 285 अन्य लोगों के खिलाफ राजद्रोह के मामले में आरोप तय करने की तारीख 21 जनवरी निर्धारित की। समाचार पोर्टल टीबीएस न्यूज के अनुसार यह मामला उन आरोपों से संबंधित है कि हसीना और अवामी लीग के सैकड़ों सदस्यों ने दिसंबर 2024 में जॉय बांग्ला ब्रिगेड नामक एक समूह की ऑनलाइन बैठक में भाग लिया था। आरोप है कि बैठक के दौरान उन्होंने मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार को उखाड़ फेंकने की साजिश रची थी। यह समूह अवामी लीग और हसीना के पिता शेख मुजीबुर रहमान की विरासत का प्रबल समर्थक है।

सुनवाई के बाद, विशेष न्यायाधीश अब्दस सलाम ने हसीना और 285 अन्य लोगों के खिलाफ आरोप तय करने के लिए 21 जनवरी की तारीख निर्धारित की। छात्रों के हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद पांच अगस्त, 2024 को हसीना बांग्लादेश छोड़कर भारत चली गईं। उसी वर्ष आठ अगस्त को यूनुस ने अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाला। यह मामला पिछले साल मार्च में आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) द्वारा दर्ज किया गया था, जिसने 30 जुलाई को 286 आरोपियों को नामजद करते हुए आरोप पत्र दाखिल किया था।

हादी हत्याकांड :अंतिम चार्जशीट सात तक

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने सोमवार को कहा कि छात्र नेता शरीफ उस्मान बिन हादी की हत्या के मामले में अंतिम आरोपपत्र बुधवार को दाखिल किया जाएगा। सरकार ने आश्वासन दिया कि उसके कार्यकाल में न्याय मिलेगा। गृह मामलों के सलाहकार जहांगीर आलम चौधरी ने सचिवालय में कानून और व्यवस्था पर सलाहकार परिषद की बैठक के बाद जानकारी दी।

समाचार पोर्टल की खबर के अनुसार अदालत ने 14 अगस्त को आरोपपत्र स्वीकार कर लिया और आरोपियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए। 11 सितंबर को यात्रा प्रतिबंध लगाया गया, जबकि 14 अक्टूबर को अदालत ने अखबारों में नोटिस प्रकाशित करने का आदेश दिया, जिसमें हसीना समेत फरार 261 आरोपियों को अदालत के समक्ष पेश होने के लिए कहा गया।

उत्तरी नाइजीरिया में नाव के पलटने से 25 लोगों की मौत

अबूजा, एजेंसी

- हादसे में 13 अन्य यात्रियों को बचाया गया जबकि 14 लापता

नाइजीरिया के उत्तरी क्षेत्र में योबे नदी पर स्थानीय मछुआरों और किसानों को ले जा रही एक नाव के पलटने से 25 लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य अभी भी लापता हैं। योबे राज्य आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी के प्रमुख मोहम्मद गोजे ने कहा कि शनिवार शाम को नगुरु स्थानीय सरकारी क्षेत्र के गरबी कस्बे में नाव पलटने के बाद 13 अन्य यात्रियों को बचा लिया गया।

गोजे ने बताया कि लकड़ी की नाव उत्तर-पश्चिमी राज्य जिगावा के पड़ोसी कस्बे अदियानी से उत्तरी राज्य योबे जा रही थी, तभी रास्ते में पलट गई। उन्होंने पुष्टि की कि आपातकालीन बचाव दल और स्थानीय सामुदायिक स्वयंसेवकों ने पीड़ितों को बचाने के लिए तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी थी। जिगावा पुलिस के प्रवक्ता लावान शिसु ने बताया कि नाव में कम से कम 52 लोग सवार थे और वह नाव पूरी तरह से भरी हुई थी। शिसु ने बताया कि शुरुआती तौर पर मृतकों की संख्या 14 थी, लेकिन बचाव अभियान के दौरान मरने वालों की संख्या बढ़ गई।

अमेरिका में प्रेमी ने की भारतीय महिला की हत्या, फरार

न्यूयॉर्क। अमेरिका के मैरीलैंड राज्य से पिछले सप्ताह लापता हुई 27 वर्षीय भारतीय महिला मृत पाई गई है। पुलिस को संदेह है कि महिला के पूर्व प्रेमी ने उसकी हत्या की है और वह भारत फरार हो गया है। मैरीलैंड के एलिकॉट सिटी की रहने वाली निकिता गोडिशाला (27) दो जनवरी को लापता हो गई थी। हॉवर्ड काउंटी पुलिस ने बताया कि निकिता का शव कोलंबिया स्थित उसके पूर्व प्रेमी अर्जुन शर्मा (26) के अपार्टमेंट से बरामद हुआ है। शव पर चाकू के घाव थे। पुलिस ने शर्मा के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट हासिल कर लिया है।

ओडिशा में आग, 20 झोपड़ियां जलीं व 120 मवेशियों की मौत

भद्रक, एजेंसी

- भद्रक जिले में शार्ट सर्किट से आग लगने की आशंका

ओडिशा के भद्रक जिले के एक गांव में भीषण आग लगने से 20 झोपड़ियां जलकर राख हो गईं और लगभग 120 मवेशियों की जान चली गई। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि घटना रविवार देर रात तिहिड़ी थाना क्षेत्र के छत्रपड़ा गांव में हुई।

हालांकि, इस हादसे में किसी भी व्यक्ति के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन आग की चपेट में आकर करीब 100 बकरियों समेत 120 मवेशियों की मौत हो गई और कई परिवार बेघर हो गए। पीड़ितों ने बताया कि पास-पास बनी झोपड़ियों में आग तेजी से फैल गई जिससे लोगों को अपना सामान बचाने के लिए पर्याप्त मौका तक नहीं मिल पाया। पुलिस के अनुसार, आग लगने के सटीक कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है, लेकिन आशंका जताई जा रही है कि संभवतः शॉर्ट सर्किट के कारण आग भड़की होगी। ग्रामीणों ने बताया कि शुरुआती चरण में पानी की भारी किल्लत के कारण आग पर काबू पाने में दिक्कत हुई।

मादुरो को ब्रुकलिन की जेल में रखा गया

- गंभीर अव्यवस्थाओं को लेकर चर्चा में रही यह जेल

न्यूयॉर्क, एजेंसी

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन स्थित जिस जेल में रखा गया है, वह लंबे समय से गंभीर अव्यवस्थाओं को लेकर चर्चा में रही है। हालात ऐसे रहे हैं कि कुछ न्यायाधीशों ने वहां आरोपियों को भेजने से इनकार किया है। हालांकि इस जेल में संगीतकार आर. केली और सीन डिडी कॉम्ब्स जैसे चर्चित कैदी भी रह चुके हैं।

ब्रुकलिन में 1990 के शुरुआती वर्षों में शुरू हुए मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर (एमडीसी) फिलहाल करीब 1,300 कैदी बंद हैं। यह मैनहैटन और ब्रुकलिन की संघीय अदालतों में मुकदमे का सामना कर रहे आरोपियों के लिए आम तौर पर पहली जेल होती है, जहां कथित गिरोह सदस्यों और मादक पदार्थ तस्करों के साथ-साथ सफेदपोश अपराधों के आरोपी भी रखे जाते हैं।

तीन जनवरी की रात मादुरो के पकड़े जाने की खबर के बाद बड़ी संख्या में वेनेजुएला के प्रवासी, हाथों में झंडे लिए, जेल के बाहर जमा हुए और जश्न मनाया। मादुरो और उनकी पत्नी को लेकर पहुंची कानून प्रवर्तन एजेंसियों की गाड़ियों के जेल पहुंचते ही भीड़ ने नारे लगाए। एमडीसी ब्रुकलिन में बंद होने वाले मादुरो पहले राष्ट्रपति नहीं हैं। होंडुरास के पूर्व राष्ट्रपति जुआन ऑरलैंडो हर्नांडेज़ को भी यहां रखा गया था। उन पर अमेरिका में सैकड़ों टन कोकीन की तस्करी का मुकदमा चला था। दोषी ठहराए जाने और 45 साल की सजा सुनाए जाने के बाद उन्हें दिसंबर में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने माफी देकर रिहा कर दिया था।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 6 जनवरी, मंगलवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, तृतीया 08 .01 तक तत्पश्चात चतुर्थी 7 जनवरी 06 .52 तक तत्पश्चात पंचमी।

आज का पंचांग

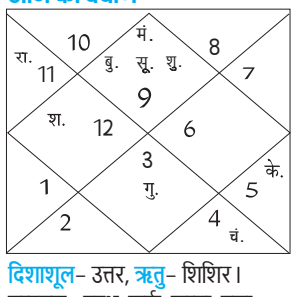

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- शिशिर।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- आश्लेशा 12 .17 तक तत्पश्चात मघा।

मेष — आज कानूनी मामले उलझ सकते हैं। सामाजिक कार्यक्रमों में आपकी सहभागिता बढ़ेगी। कारोबार में अपेक्षा से कम लाभ होगा। दूसरों के कारण आपके काम प्रभावित होंगे। खानपान का ध्यान रखें। कंधों और कमर दर्द की शिकायत हो सकती है।

वृष — आज व्यवसायी अपने प्रोडक्ट्स की मार्केटिंग में धन खर्च कर सकते हैं। अपने लक्ष्यों के प्रति लापरवाह न रहें। अपनी कार्यशैली में परिवर्तन कर सकते हैं। अविवाहित लोगों का विवाह तय हो सकता है। शेयर मार्केट से जुड़े लोगों को धन लाभ हो सकता है।

मिथुन — आज दिन आपकी इच्छा के अनुसार नहीं रहेगा। आपको दूसरों पर निर्भर रहना पड़ेगा। फाइनेंस और फंड्स को लेकर परेशान रहेंगे। इसीलिए आपको धैर्यवान बने रहना चाहिए। अपने कार्यों से संतुष्ट नहीं रहेंगे। सर्दी-गर्मी की समस्या हो सकती है।

कर्क — आज अच्छी खबरों से दिन की शुरुआत होगी। किसी मांगलिक आयोजन में शामिल होंगे। आपका मन प्रसन्न रहेगा। अपने रहन-सहन व जीवनस्तर पर काफी ध्यान देंगे। लोग आपसे प्रेरणा लेंगे। छोटी दूरी की यात्रा हो सकती है।

सिंह — आज जरूरी कार्य लापरवाही के कारण रुक सकते हैं। गलत लोगों की संगत से बचें। दिखावे में धन खर्च होगा। भूमि भवन की खरीदारी में नुकसान हो सकता है। बड़े बुजुर्गों की बातों को अनसुना न करें।

कन्या — आज प्राइवेट जॉब कर रहे लोगों की आय बढ़ सकती है। जॉब में इच्छित लक्ष्यों को आसानी से प्राप्त कर लेंगे। मित्रों व परिचितों का साथ मिलने से आपको काफी आसानी होगी। प्रेम संबंधों में परस्पर समर्पण और अपनेपन की भावना का विकास होगा।

तुला — आज किसी पर्यटन स्थल की यात्रा पर जाने की योजना बना सकते हैं। कुछ नवाचार करने की प्रेरणा मन में उत्पन्न होगी। खानपान में शुद्धता का विशेष ध्यान दें। जीवनसाथी की भावनाओं का अनादर न करें। पारिवारिक जीवन में कुछ उथल-पुथल हो सकती है।

वृश्चिक — आज का दिन आपके लिए बहुत शुभ रहने वाला है। विदेश यात्रा की बाधा दूर होगी। जॉब में मनोवांछित पद मिल सकता है। दिनचर्या काफी व्यवस्थित रहेगी। मनोरंजन के कार्यों में रुचि लेंगे। बीमार लोगों को स्वास्थ्य लाभ हो सकता है।

धनु — आज शाम को आपकी सेहत खराब हो सकती है। अपने सहयोगियों से संबंध अच्छे रखें। अपनी क्षमता से ज्यादा धन खर्च न करें। आपके आसपास का माहौल अनूकूल नहीं रहेगा। लोग आपका अपमान कर सकते हैं।

मकर — आज आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों से आपका तालमेल बेहतरीन रहेगा। अपने शौक पर धन खर्च कर सकते हैं। घर में सुख शांति का वातावरण रहेगा। वैवाहिक जीवन काफी रोमांटिक रहने वाला है।

कुंभ — आज विपरीत लिंग के जातकों के साथ आपके संबंध मधुर रहेंगे। किसी पर पर ज्यादा विश्वास न करें। परिजनों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। संतान का व्यवहार थोड़ा अजीब सा रहेगा। परोपकार के कार्यों में आप रुचि ले सकते हैं।

मीन — आज दिन की शुरुआत काफी अच्छी रहेगी। घरेलू वातावरण थोड़ा अजीब रहेगा। नई जॉब की शुरुआत कर सकते हैं। अनैतिक कार्यों से दूर रहें। परिजनों का व्यवहार सकारात्मक रहेगा। प्रेम संबंध स्वार्थ कारणों से प्रभावित होने की आशंका है।

सुडोकू-24

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		9		2	6		1	
		5	1				7	
4			9	7		8		3
		6			7		2	
	8						9	
	1		6			4		
3		2		1	8			6
	4				9	7		
	6		4	5		1		

सुडोकू - 23 का हल

2	6	5	4	1	9	8	3	7
9	3	4	8	6	7	5	1	2
7	1	8	2	5	3	4	6	9
8	9	7	5	4	1	3	2	6
3	4	2	9	8	6	7	5	1
6	5	1	7	3	2	9	4	8
1	8	6	3	9	5	2	7	4
5	2	9	1	7	4	6	8	3
4	7	3	6	2	8	1	9	5

टेस्ट और एकदिवसीय क्रिकेट हमेशा प्रदर्शन का मजबूत आधार बने रहेंगे लेकिन टी20 के बाद टी10 क्रिकेट का दौर भी देखने को मिल सकता है। साहस और आक्रामक सोच के बिना ना तो खेल में और ना ही जीवन में बड़े लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं।
-वीरेन्द्र सहवाग

स्टेडियम

कानपुर नगर, मंगलवार, 6 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

विराट कोहली रेलवे के खिलाफ मुकाबले के लिए उपलब्ध नहीं

बेंगलुरु। भारत के महान बल्लेबाज विराट कोहली मंगलवार को यहां रेलवे के खिलाफ दिल्ली के विजय हजारे ट्रॉफी मैच में नहीं खेलेंगे। मुख्य कोच सरनदीप सिंह ने पीटीआई को यह जानकारी दी। देश की इस शीर्ष घरेलू एकदिवसीय प्रतियोगिता में वापसी करते हुए कोहली ने दो मैच में 131 और 77 रन की पारी खेली थी और वह न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से शुरू हो रही एकदिवसीय सीरीज के लिए जल्द ही राष्ट्रीय टीम से जुड़ेंगे। सरनदीप ने हालांकि कहा कि तेज गेंदबाज हर्षित राणा और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अलूर में मंगलवार को होने वाले इस मुकाबले में चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे।

मुंबई की अगुआई करेंगे अय्यर

मुंबई। भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को सोमवार को विजय हजारे ट्रॉफी के बाकी बचे मुकाबलों के लिए मुंबई का कप्तान नियुक्त किया गया क्योंकि नियमित कप्तान शारदुल ठाकुर चोट के कारण बाहर हो गए हैं। अय्यर भी लंबे समय तक चोट के कारण बाहर रहने के बाद वापसी कर रहे हैं। पिछले साल अक्टूबर में सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मैच के दौरान उन्हें स्प्लीन में चोट लगी थी और अंदरूनी रक्तस्राव हुआ था। मुंबई के मुख्य चयनकर्ता संजय पाटिल ने ठाकुर की चोट की प्रकृति के बारे में बताए बिना सोमवार को पीटीआई से कहा शारदुल को चोट लगी है और उसे आराम की सलाह दी गई है।

सूर्यकुमार रन बनाने के बारे में सोचे : पोंटिंग

दुबई। सूर्यकुमार यादव के पिछले 18 महीने से चल रहे खराब प्रदर्शन से हैरान ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज रिकी पोंटिंग ने भारतीय टी-20 टीम के कप्तान को सलाह दी है कि वह आउट होने के बारे में सोचे बिना रन बनाने पर ध्यान दें। खेल के सबसे छोटे अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में कुछ समय पहले तक शीर्ष रैंकिंग पर रहे सूर्यकुमार ने साल 2025 में टी20 में बेहद खराब प्रदर्शन किया है। उन्होंने 21 मैचों (19 पारियों) में मात्र 218 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 13.62 और स्ट्राइक रेट 123.16 रहा। यह प्रदर्शन अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप से पहले मौजूदा चैंपियन टीम के लिए चिंता का विषय बना हुआ है।

ऑस्ट्रेलिया के लिए शानदारी पारी के बाद पैवेलियन लौटते ट्रेविस हेड। एजेंसी

रूट के शतक के बाद ऑस्ट्रेलिया का पलटवार

सिडनी, एजेंसी

जो रूट के मौजूदा एशेज शृंखला के दूसरे शतक से इंग्लैंड ने पांचवें टेस्ट मैच के दूसरे दिन बड़ा स्कोर बनाया लेकिन ट्रेविस हेड की आक्रामक बल्लेबाजी से ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में शानदार शुरुआत की। रूट की 160 रन की पारी के बदौलत इंग्लैंड की पहली पारी चाय के विश्राम से पहले 384 रन पर सिमटी गयी। यह ऑस्ट्रेलिया में रूट का सर्वश्रेष्ठ टेस्ट स्कोर है।

दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में दो विकेट पर 166 रन बना लिए थे। हेड 87 गेंद में 91 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद है। वह पांच मैचों की शृंखला में अपने तीसरे शतक से नौ रन दूर हैं। बेन स्टोक्स ने दिन के आखिरी सत्र में जैक वेदरल्ड (21) और शानदार बल्लेबाजी कर रहे मार्नस लाबुशेन (48) को आउट कर दो सफलता हासिल की। रूट ने 242 गेंद में 160 रन बनाए और वह माइकल नेसेर को रिटर्न कैच देकर लौटे। नेसेर ने 60 रन देकर चार विकेट चटकाए। रूट ने अपनी पारी में 15 चौके जड़े।

उन्होंने अपनी पारी की 146वीं गेंद पर 41वां शतक पूरा करने के बाद उसी अंदाज में जश्न मनाया जिस तरह उन्होंने इस दौरे के ब्रिसबेन टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की सरजमीं पर अपना पहला शतक पूरा करने के बाद मनाया था। दिन के खेल के बाद 163 टेस्ट के अनुभवी इस खिलाड़ी ने कहा मुझे ऐसा लगा कि इस पूरी शृंखला में हमें जबरदस्त समर्थन मिला है और हम एक समूह के रूप में अपने लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाए हैं, लेकिन यह समर्थन कभी कम नहीं हुआ। इस तरह का जश्न वास्तव में धन्यवाद कहने का एक तरीका है। रूट ने इसके साथ टेस्ट में सर्वाधिक शतकों के मामले में रिकी पोंटिंग की बरबारी कर ली। उनसे ज्यादा शतक सचिन तेंदुलकर (51) और जैक कालिस (45) के नाम है।

रूट ने इस दौरान हैरी ब्रूक के साथ 169 रन की साझेदारी की। ब्रूक 84 रन बनाकर स्कॉट बोलैंड की गेंद पर स्टीव स्मिथ को कैच देकर पवेलियन लौटे। मिचेल स्टार्क (93 रन पर दो विकेट) ने इसके बाद इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स (शून्य) को शृंखला में पांचवीं बार चलता किया।

शतक लगाने के बाद दर्शकों का अभिवादन स्वीकार करते जो रूट। एजेंसी

सिडनी टेस्ट - दूसरा दिन

संक्षिप्त स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड (पहली पारी)	384/10
ऑस्ट्रेलिया (पहली पारी जारी)	166/2

- इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट ने 160 रनों की खेली शतकीय पारी
- ऑस्ट्रेयाई ओपनर ट्रेविस हेड शतक से सिर्फ 9 रन दूर

बांग्लादेश ने अब आईपीएल प्रसारण पर लगाया प्रतिबंध

मुस्तफिजुर को केकेआर से निकाला जाना बर्दाश्त नहीं हो रहा

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश ने तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को बीसीसीआई के निर्देश पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से 'रिलीज' किए जाने और राजनयिक संबंधों में भारत से आई गिरावट के बाद इस टी-20 लीग के आगामी सत्र के अपने देश में प्रसारण पर सोमवार को प्रतिबंध लगा दिया।

मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को रहमान को 2026 की टीम से 'रिलीज' करने का निर्देश देते समय कोई 'तार्किक कारण' नहीं बताया।

आईपीएल के आगामी सत्र का आगाज 26 मार्च से होगा। आईपीएल के प्रसारण पर प्रतिबंध लगाने का यह कदम बांग्लादेश द्वारा अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप के लिए भारत जाने से इनकार करने और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से टूर्नामेंट के सह-मेजबान श्रीलंका में अपने सभी लीग मैच स्थानांतरित करने के अनुरोध के एक दिन बाद आया है।

सहायक सचिव फिरोज खान द्वारा हस्ताक्षरित पत्र में कहा गया है यह आदेश उचित प्राधिकारी की स्वीकृति से और जनहित में जारी किया गया है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने रहमान को 'रिलीज' करने का निर्देश देते हुए केवल इतना कहा था कि यह मौजूदा घटनाक्रम के कारण किया जा रहा है। उन्होंने हालांकि इसका विशिष्ट कारण नहीं बताया था। टी20 विश्व कप के कार्यक्रम के मुताबिक बांग्लादेश को कोलकाता में तीन और मुंबई में एक मैच खेलना है। ग्रुप सी में शामिल बांग्लादेश को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना पहला मैच खेलना है और उसके बाद पूर्व चैंपियन इंग्लैंड, इटली और नेपाल के खिलाफ खेलना है।

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से बेदखल किए जाने के बाद से भारत-बांग्लादेश संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं। शेख हसीना पिछले साल अगस्त में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद से भारत में है। उन्हें आंदोलन के दौरान कार्रवाई में कथित भूमिका के लिए एक पंचाट ने मौत की सजा सुनाई है। इस कार्रवाई में कई छात्रों की मौत हो गयी थी। हसीना को सत्ता से बेदखल किए जाने के बाद से हिंदुओं को हिंसक हमलों का निशाना बनाया जा रहा है।

कहा-देश के लोग हैं निराश और आहत

सरकारी अधिसूचना के मुताबिक बीसीसीआई ने इस फैसले (रहमान को आईपीएल से रिलीज करने पर) का कोई तार्किक कारण नहीं दिया है और इस फैसले से बांग्लादेश के लोग निराश और आहत है। उन्होंने कहा इस स्थिति में, अगले आदेश तक इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के सभी मैचों और कार्यक्रमों का प्रसारण रोकने का अनुरोध किया जाता है।

जबरदस्त टक्कर

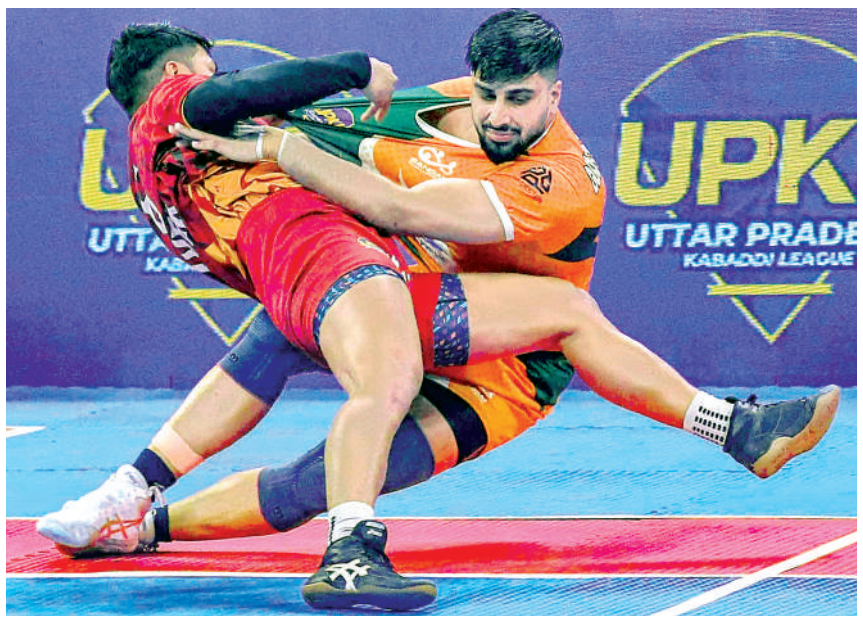

नोएडा में उत्तर प्रदेश कबड्डी लीग (यूपीकेएल) के दौरान मुकाबला करते कानपुर वॉरियर्स और संगम चैलेंजर्स के खिलाड़ी। मैच के दौरान दोनों टीमों में जबरदस्त टक्कर देखने को मिली। ● एजेंसी

सूर्यवंशी ने 24 गेंदों में ताबड़तोड़ 10 छक्के जड़े

बेनोनी (दक्षिण अफ्रीका), एजेंसी

कप्तान वैभव सूर्यवंशी की 24 गेंदों में 68 रनों की तूफानी पारी की बदौलत भारत अंडर-19 टीम ने सोमवार को यहां युवा वनडे शृंखला के दूसरे मैच में दक्षिण अफ्रीका को डकवर्थ लुईस पद्धति से आठ विकेट से हराकर 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। भारत ने तीन मैचों की इस शृंखला में इससे पहले विलोमूर पार्क में खेले गए पहले वनडे में डकवर्थ लुईस पद्धति से 25 रन से जीत दर्ज की थी।

शृंखला में दूसरी बार खराब मौसम से मैच प्रभावित हुआ। आकाशीय बिजली गिरने के कारण खेल काफी देर तक रुका रहा और भारतीय टीम के लिए लक्ष्य को संशोधित करके 27 ओवरों में 174 रन कर दिया गया। भारतीय टीम ने 12.5 ओवर में दो विकेट पर 115 रन बना लिए तब आकाशीय बिजली गिरने के कारण खेल रोकना पड़ा। खेल शुरू होने पर भारत ने 23.3 ओवर में दो विकेट 176 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। भारतीय पारी के दौरान खराब मौसम के कारण शुरुआती रुकावट से पहले सूर्यवंशी ने अपनी पारी में 10 छक्के और एक चौका जड़ा मैच पर टीम की पकड़ मजबूत कर दी।

वेदांत त्रिवेदी (57 गेंदों पर 31 रन नाबाद) और अभिज्ञान कुंडू (42 गेंदों पर 48 रन नाबाद) ने तीसरे विकेट के लिए 81 रन की अटूट साझेदारी कर टीम को जीत दिला दी। इससे पहले जेसन रोल्स की 117 गेंद में सात चौके और तीन छक्के की मदद से खेली गयी 114 रन की पारी से दक्षिण अफ्रीका 49.3 ओवर में ऑल आउट होने से पहले 245 रनों तक पहुंचने में सफल रहा।

भारत के लिए किशन सिंह ने 8.3 ओवर में 46 रन देकर चार विकेट चटकाये। शृंखला का तीसरा मैच बुधवार को खेला जाएगा।

- अंडर-19 में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 8 विकेट से हराया
- तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बनाई

नाडा की आरटीपी सूची में स्मृति व जेमिमा का भी नाम

नई दिल्ली, एजेंसी

स्टार भारतीय महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्ज राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) की 2026 की पहली तिमाही के लिए पंजीकृत परीक्षण पूल (आरटीपी) में शामिल की गईं महत्वपूपर्ण खिलाड़ी हैं जबकि 347 सदस्यीय सूची में 118 खिलाड़ियों के साथ सबसे अधिक एथलीट को जगह मिली है।

पिछली आरटीपी सूची में 227 खिलाड़ी शामिल थे और इस बार इसमें 120 नाम और जोड़े गए हैं। खिलाड़ियों की सूची में यह इजाफा इस साल होने वाले राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों तथा भारत द्वारा अधिक आक्रामक परीक्षण पर जोर देने की वजह से हुआ है।

आरटीपी में शामिल खिलाड़ियों को डोपिंग रोधी एजेंसी के साथ अपना रहने का स्थान साझा करना पड़ता है और प्रत्येक दिन एक तय समय में परीक्षण के लिए उपलब्ध रहना होता है। अपनी उपलब्धता का स्थान बताने में तीन बार नाकाम रहने को डोपिंग उल्लंघन माना जाता है। पिछली आरटीपी में भी सर्वाधिक 68 नाम एथलेटिक्स से जुड़े खिलाड़ियों के थे। नई आरटीपी सूची में भी इनकी संख्या काफी अधिक जिसमें स्टीपलचेज खिलाड़ी अविनाश साबले, बाधा दौड़ की खिलाड़ी ज्योति याराजी, डेकाथलन के तेजस्विन शंकर और फर्राटा धावक अनिमेष कुजूर जैसे बड़े नाम शामिल हैं। विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) की आरटीपी सूची से बाहर होने के बाद साबले को नाडा की सूची में शामिल किया गया है। वाडा की सूची में अब सिर्फ भाला फेंक के दिग्गज खिलाड़ी नीरज चोपड़ा और सचिन यादव ही शामिल हैं। चौदह क्रिकेटर इस सूची का हिस्सा हैं जिसमें स्मृति और जेमिमा के अलावा सूर्यकुमार यादव और संजू सैमसन शामिल हैं।

- एजेंसी ने 2026 की पहली तिमाही के लिए सूची जारी की
- खिलाड़ियों को अपना रहने का स्थान करना पड़ता है साझा

बैडमिंटन खिलाड़ियों की नजरें मजबूत शुरुआत पर

कुआलालंपुर। लक्ष्य सेन और पी वी सिंधू समेत भारतीय खिलाड़ी मंगलवार से यहां शुरू हो रहे सत्र के शुरुआती 1450000 डॉलर ईनामी राशि वाले मलेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट में उतरेंगे तो उनकी नजरें मजबूती से शुरुआत करने पर लगी होंगी।

भारतीय खिलाड़ियों के लिए 2025 अच्छा नहीं रहा जिसमें शीर्ष खिलाड़ी चोटों और खराब फॉर्म से जूझते रहे। अब फोकस शुरू ही से अच्छा प्रदर्शन करने पर होगी।

जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब (गुलाबी ड्रेस) और रांची रॉयल्स के खिलाड़ी। एजेंसी

सूरमा हॉकी क्लब ने दर्ज की पहली जीत

रांची, एजेंसी

जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब ने सोमवार को रांची रॉयल्स को हराकर महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2025-26 में अपनी पहली जीत दर्ज की।

आज यहां मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब ने रांची रॉयल्स को 2-1 से हराया। विजेता टीम के लिए पेनी स्क्विब ने (पहले) और ओलिविया शैनन ने (39वें) मिनट में गोल दागे। जबकि रांची रॉयल्स के लिए एगोस्टिना अलोंसो ने (35वें) मिनट में गोल किया। जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब ने शानदार शुरुआत की, पहले ही मिनट में दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। उन्होंने दूसरे प्रयास का फायदा उठाया और ड्रैगफ्लिकर पेनी स्क्विब ने (पहले) मिनट में गोल करके अपनी टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। पहला क्वार्टर 1-0 के स्कोर पर समाप्त हुआ। दूसरे क्वार्टर में रांची रॉयल्स ने अच्छी शुरुआत करते हुए जोरदार वापसी की और सूरमा को बैकफुट पर धकेल दिया।

- रोमांचक मुकाबले में रांची रॉयल्स को 2-1 से हराया

प्रयास जारी | जूनियर विश्व कप 2016 जीतने के बाद रातोंरात स्टार बनें फिर चले गए थे नेपथ्य में

हॉकी लीग से खुद को फिर साबित करना चाहते हैं हरजीत

नई दिल्ली, एजेंसी

जूनियर विश्व कप 2016 जीतने के बाद ट्रॉफी के साथ सोते हुए कप्तान हरजीत सिंह की तस्वीरें जब वायरल हुई तो उन्हें भारतीय हॉकी का अगला 'सुपरस्टार' कहा जाने लगा लेकिन फिर अचानक उनका नेपथ्य में चले जाना हॉकीप्रेमियों के लिए ही नही, खुद उनके लिए भी हैरानी का सबब रहा।

हॉकी इंडिया लीग में जेएसडब्ल्यू सूरमा के लिए खेल रहे हरजीत ने खास बातचीत में कहा हर खिलाड़ी का सपना होता है कि जूनियर के बाद सीनियर टीम से जुड़े और ओलंपिक खेले। लेकिन अचानक जो कुछ हुआ, मुझे समझ ही नहीं आया कि क्या करूं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ 2018 में आखिरी बार भारत के लिए खेलने वाले हरजीत की कप्तानी में भारतीय जूनियर टीम ने लखनऊ में 2016 विश्व कप में अपराजित रहकर पंद्रह साल बाद खिताब जीता था। हर अखबार में और सोशल मीडिया पर हरजीत की ट्रॉफी के साथ सोते हुए तस्वीर सुर्खियों में थी। उनकी कामयाबी पर पंजाबी में 'हरजीता' फिल्म भी बनी।

हरजीत 2016 में लंदन में चैम्पियंस ट्रॉफी में रजत पदक जीतने वाली सीनियर टीम और 2015 जूनियर एशिया कप स्वर्ण जीतने वाली टीम का भी हिस्सा थे। जूनियर विश्व कप 2016 की टीम से भारत के मौजूदा कप्तान हरमनप्रीत सिंह, फॉरवर्ड मनदीप सिंह, गोलकीपर कृशन पाठक जैसे कई खिलाड़ी निकले जो सीनियर स्तर पर कामयाब रहे।

हरजीत ने कहा मेरे साथ के सभी खिलाड़ी आज अच्छा खेल रहे हैं और मुझे भी कसक महसूस होती है। 29 वर्ष के इस मिडफील्डर को बखूबी पता है कि राष्ट्रीय टीम में वापसी की राह अब मुश्किल है लेकिन अपने प्रदर्शन के दम पर वह यह साबित करना चाहते हैं कि उन्हें बाहर करने का फैसला गलत था।

भारत पेट्रोलियम के लिए विभागीय हॉकी खेलने के अलावा हरजीत ने नीदरलैंड में डच लीग में एचजीसी और ब्रिटेन में इंडियन जिमखाना के लिये खेला। पंजाब के मोहाली के कुराली गांव से निकले इस खिलाड़ी ने कहा मैं काफी समय इन चीजों से बाहर नहीं निकल सका। पिंड गया तो वहां भी सभी पूछते थे कि वापिस कब खेलेगा तो मेरा वहां भी रहने का मन नहीं करता था। धीरे धीरे मैने विभागीय हॉकी और दूसरे देशों में लीग खेलनी शुरू की। यह मेरे जीवन का सबसे कठिन दौर था मानो सभी के पास मेरे लिए एक ही सवाल था कि मैं कब दोबारा भारत के लिए खेलूंगा। मैं अपनी ओर से पॉजीटिव रहने की पूरी कोशिश करता था। खेलों की बायोपिक देखकर प्रेरणा लेता था।

सीनियर टीम से हटाए जाने की कसक है मन में

भारत के लिए करीब 50 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेल चुके इस खिलाड़ी ने कहा मुझे आज तक यह सवाल चुभता है कि 2019 में राष्ट्रीय शिविर में वापसी के बाद दो ढाई साल तक सीनियर टीम के साथ रहने के बाद मुझे बाहर क्यों किया गया। मैंने कइयों से पूछा, लेकिन किसी ने जवाब नहीं दिया। हॉकी इंडिया लीग में अच्छे प्रदर्शन से राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने का दावा मजबूत कर सकते हैं, लेकिन मुझे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके दिखाना है कि मुझे बाहर करने का फैसला गलत था। मुझसे आखिर क्या ऐसी गलती हुई थी जिसकी इतनी बड़ी सजा मिली। उनकी तुलना जूनियर विश्व कप विजेता क्रिकेट कप्तान उन्मुक्त चंद से की जाती है जो जूनियर स्तर की सफलता को सीनियर टीम के साथ दोहरा नहीं सके और गायब हो गए।